RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 6 अंक 221
फरीदाबाद, मंगलवार, 19 सितंबर, 2023
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

हम प्रशंसकों के लिए विश्व कप जीतने को लेकर प्रतिबद्ध : कोहली

पेज - 12

बाजार

सेंसेक्स	67,596	▼	241.79
निफ्टी	20.133	▼	59.0.5
सोना	59.175	▲	182 /10 gm
चांदी	72,471	▲	317 /kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 33.00°C
न्यूनतम 26.00°C

क्विक न्यूज

यौन संबंध बनाने से इनकार करना क्रूरता है : हाइकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक दंपति के तलाक को बरकरार रखते हुए कहा कि जीवनसाथी का जानबूझकर यौन संबंध बनाने से इनकार करना क्रूरता है। उच्च न्यायालय ने परिवार अदालत द्वारा एक दंपति को सुनाए गए तलाक के आदेश को बरकरार रखा जिनकी शादी प्रभावी रूप से बमुश्किल 35 दिन तक चली। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने तलाक देने के परिवार अदालत के आदेश के खिलाफ पत्नी की अपील को खारिज करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय ने एक मामले में फैसला सुनाया है कि यौन संबंध के बिना शादी एक अभिशाप है और यौन संबंधों में निराशा किसी विवाह में काफी घातक स्थिति है।

नेहरू का दृष्टिकोण समावेशी था : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को भारतीय लोकतंत्र में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण समावेशी था क्योंकि वह विपक्ष को साथ लेकर चलते थे और उन्होंने संविधान की नींव रखी थी। संविधान सभा से शुरू होने वाली 75 साल की संसदीय यात्रा- उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख विषय पर राज्यसभा में चर्चा में भाग लेते हुए खड़गे ने देश में बेरोजगारी और मणिपुर में जातीय हिंसा के मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सरकार से पूछा कि संसदीय कार्यवाही को नए भवन में स्थानांतरित करने से क्या बदलने वाला है?

प्रसाद खाने के बाद 100 से ज्यादा लोग बीमार

उत्तरी लखीमपुर। असम के लखीमपुर जिले में प्रसाद खाने के बाद 100 से ज्यादा लोग बीमार पड़ गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना शनिवार रात ढकुआखाना इलाके के नंबर-1 ठेकरागुरी में हुई और लोग रविवार दोपहर से असहजता महसूस होने की शिकायत करने लगे। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया, उन्होंने (लोगों ने) नामघर (वैष्णव अनुयायियों के लिए उपासना स्थल) में एक कार्यक्रम के बाद प्रसाद खाया था, जिसके बाद उन्हें दस्त, उल्टी और पेट में दर्द जैसी परेशानियां हुईं।

भारत के आदित्य-एल-1 अंतरिक्ष यान ने वैज्ञानिक आंकड़े जुटाने शुरू किए

पृथ्वी से 50 हजार किलोमीटर से ज्यादा की दूरी पर आयन और इलेक्ट्रॉन को मापना शुरू किया

एजेंसी। बेंगलुरु

भारत के आदित्य एल-1 सूर्य मिशन अंतरिक्ष यान ने आंकड़े जुटाने शुरू कर दिए हैं, जो पृथ्वी के चारों ओर मौजूद कणों के व्यवहार के विश्लेषण में वैज्ञानिकों की मदद करेंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसरो ने कहा, भारत की पहली सौर वेधशाला में लगे सेंसरों ने पृथ्वी से 50 हजार किलोमीटर से ज्यादा की दूरी पर आयन और इलेक्ट्रॉन को मापना शुरू कर दिया है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ये आंकड़े पृथ्वी के चारों ओर मौजूद कणों के व्यवहार के विश्लेषण में वैज्ञानिकों की मदद करेंगे।

इसमें छह सेंसर लगे हुए हैं, जो अलग-अलग दिशाओं में अवलोकन कर रहे हैं और एक मेगा इलेक्ट्रॉन वोल्ट (एमईवी) से अधिक के इलेक्ट्रॉन के अलावा, 20 किलोइलेक्ट्रॉन वोल्ट (केईवी) न्यूक्लियॉन से लेकर पांच एमईवी/न्यूक्लियॉन तक के सुपर-थर्मल और शक्तिशाली आयनों को माप रहे हैं। पृथ्वी की कक्षाओं के दौरान के आंकड़ों से वैज्ञानिकों को पृथ्वी के चारों ओर, विशेष रूप से इसके चुंबकीय क्षेत्र में मौजूद कणों के व्यवहार का विश्लेषण करने में मदद मिलेगी।

यान मिशन के क्रू ज फेज के दौरान भी जारी रहेगी

सुप्रा थर्मल एंड एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर (एसटीईपीएस) उपकरण आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट अंतरिक्ष उपकरण का एक हिस्सा है। इसरो ने कहा, जैसे-जैसे आदित्य एल-1 सूर्य-पृथ्वी के बीच मौजूद एल। बिंदु की ओर आगे बढ़ेगा वैसे-वैसे एसटीईपीएस की यह माप अंतरिक्ष यान मिशन के क्रू ज फेज के दौरान भी जारी रहेगी। अंतरिक्ष यान के अपनी इच्छित कक्षा में स्थापित होने के बाद भी यह जारी रहेगा। इसने कहा, एल-1 के आसपास जुटाए गए आंकड़ों से सौर वायु की उत्पति, इसकी गति और अंतरिक्ष मौसम से संबंधित चीजों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकेगी। एसटीईपीएस को अहमदाबाद स्थित अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के सहयोग से भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा तैयार किया गया है।

एक करोड़ रुपए की अष्टधातु की मूर्ति बरामद

देवरिया। देवरिया जिले के सलेमपुर क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य की अष्टधातु की मूर्ति बरामद कर पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश सोनकर ने यहां बताया कि सलेमपुर थाना क्षेत्र में नटवर पुल के पास पुलिस ने एक कार की तलाशी ली तो उसमें से भगवान बुद्ध की अष्टधातु की एक मूर्ति बरामद की गई। उन्होंने बताया कि लगभग आठ किलोग्राम वजन की इस मूर्ति की कीमत लगभग एक करोड़ रुपये बताई जा रही है।

राष्ट्रीय महिला पहलवान की अश्लील वीडियो वायरल, केस दर्ज

30 सेकेंड की वीडियो, पुरुष पहलवान संग दिखी

पायनियर समाचार सेवा। जींद

हरियाणा की राष्ट्रीय महिला पहलवान की एक कथित अश्लील वीडियो वायरल हो गई है। 30 सेकेंड की इस वीडियो में वह बेहद आपत्तिजनक हालत में पुरुष पहलवान के साथ नजर आ रही है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला पहलवान की इस वीडियो रिकॉर्डिंग को लेकर सहमति है। वह इसका कोई विरोध करते नजर नहीं आती। हालांकि पहलवान के पिता ने इसे एडिट कर बनाई फेक वीडियो करार देते हुए जींद जिले में अज्ञात पर केस दर्ज कराया है।

सूत्रों के मुताबिक ये वही महिला पहलवान है, जिसने दिल्ली जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरने में हिस्सा लिया था। यही नहीं, भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआइ) के पूर्व अध्यक्ष यूपी से भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह पर गंभीर आरोप भी लगाए थे। हालांकि बृजभूषण पर दर्ज एफआइआर में इस महिला पहलवान के बयान नहीं हैं। जींद पुलिस को दी शिकायत में पिता ने बताया कि उनकी बेटी राष्ट्रीय पहलवान है। किसी व्यक्ति ने उनकी बेटी का फोटो उठाकर उसे अश्लील वीडियो पर लगा दिया। एडिट करने के बाद इस गंदी वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पिता ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि ये फोटो किसने एडिट की हैं। उनकी बेटी को बदनाम करने के लिए ये सब किया गया है लेकिन किसी की उनसे क्या दुश्मनी है, इसके बारे में भी उन्हें नहीं पता। इतना जरूर है कि ये वीडियो पूरी तरह से झूठी हैं।

बृजभूषण पर आरोप लगाने वालों में शामिल थी

परिजनों ने इस वीडियो को फर्जी करार दिया, पुलिस को दी शिकायत

सूत्रों के मुताबिक जिस महिला पहलवान के इस वीडियो में होने का दावा किया जा रहा है, उसने जंतर-मंतर पर धरने के वक्त बृजभूषण को लेकर बड़े खुलासे किए थे। महिला पहलवान का दावा था कि बृजभूषण होटल में अपने कमरे का दरवाजा खोलकर रखते थे। जबकि नियम है कि फेडरेशन का कोई भी सदस्य खिलाड़ियों वाले होटल में नहीं ठहर सकता है। इसके बाद भी बृजभूषण इस होटल में रुकते थे। यह महिला खिलाड़ियों को असहज करने वाली स्थिति होती थी। महिला खिलाड़ी ने कहा था कि बृजभूषण जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में इस फ्लोर पर रुके हुए थे, जिस पर जूनियर गर्ल भी रुकी हुई थी। साथ ही वह सामने वाले कमरे में थे, वह कमरा खुला रखते थे।

अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

राष्ट्रीय महिला पहलवान से जुड़ा मामला देखते ही पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। जींद पुलिस ने पिता की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है। पुलिस उन सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच में जुट गई है, जहां ये फोटो-वीडियो पोस्ट की गई। इसके अलावा जिन लोगों ने इन्हें फॉरवर्ड किया, उनके बारे में भी पता किया जा रहा है। पुलिस वीडियो वायरल करने वाले सोर्स का पता लगाने में जुटी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरानी संसद में दिया अपना आखिरी भाषण

देश निर्माण में नेहरू, शास्त्री, मनमोहन और वाजपेयी सभी का योगदान

मनमोहन सिंह सरकार में सामने आए नोट के बदले वोट घोटाले का भी किया जिक्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, पीवी नरसिंह राव, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह समेत अनेक नेताओं के देश के निर्माण में योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले 75 वर्ष में भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी उपलब्ध यह रही कि सामान्य जन का संसद पर विश्वास बढ़ता गया। उन्होंने संसद में पिछले 75 वर्षों में अर्जित अनेक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मनमोहन सिंह सरकार में सामने आए नोट के बदले वोट घोटाले का भी जिक्र किया।

लोकसभा में संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा, उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख विषय पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पुराने संसद भवन में कार्यवाही का अंतिम दिन होने का भी उल्लेख किया और कहा, हम सब इस ऐतिहासिक भवन से विदा ले रहे हैं। इस 75 वर्ष की हमारी यात्रा में अनेक लोकतांत्रिक परंपराओं और प्रक्रियाओं का उत्तम से उत्तम सृजन किया गया है और इस सदन में रहे सभी सदस्यों ने सक्रियता से इसमें योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि इस 75 वर्ष में सबसे बड़ी उपलब्ध यह रही कि सामान्य जनमानस का इस संसद पर विश्वास बढ़ता गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही है कि इस महान संस्था, व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास अटूट रहे।

सदन से विदाई लेना बहुत ही भावुक पल

उन्होंने कहा, हम भले नए भवन में जाएंगे, लेकिन पुराना भवन भी आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। ये भारत के लोकतंत्र की स्वर्णिम यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। प्रधानमंत्री ने कहा, सदन से विदाई लेना बहुत ही भावुक पल है। परिवार भी पुराना घर छोड़कर नए घर में जाता है तो बहुत सारी यादें कुछ पल के लिए उसे झकझोर देती हैं। हम जब इस सदन को छोड़कर जा रहे हैं तो हमारा मन मस्तिष्क भी उन भावनाओं, अनेक यादों से भरा है। खट्टे मीठे अनुभव रहे हैं, नोकझोंक की भी स्मृतियां हैं, कभी संघर्ष का तो कभी उत्सव और उमंग का माहौल रहा है। ये हम सबकी साझी विरासत और स्मृतियां हैं। इसका गौरव भी हम सबका साझा है।

प्रदेश में सोमवार को हुई बारिश आज से तीन दिन का ब्रेक

22 सितंबर से फिर बारिश के आसार बनेंगे

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में कई दिनों से मौसम खराब चल रहा है। मौसम विभाग ने सोमवार को भी कई जिलों में बारिश की संभावना जताई थी। उत्तर हरियाणा के पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल और करनाल में हल्की से मध्यम बारिश हो भी गई। इस दौरान 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार भी हवाएं भी चलेंगी। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि 19 से 21 सितंबर तक बारिश पर ब्रेक रहेगा, लेकिन 22 सितंबर से फिर बारिश के आसार बनेंगे। हालांकि अब जगह जगह हो रही बारिश से परेशानी भी बढ़ रही है। किसानों की धान व कपास मंडियों में पहुंचने लगी है। ऐसे में इनके खराब होने की चिंता किसानों व आढ़तियों को सता रही है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हरियाणा में सितंबर का पहला सप्ताह बारिश की गतिविधियों के लिहाज से सूखा रहा। मौसम विज्ञान केंद्र की साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार एक से सात सितंबर की अवधि में राज्य के बारिश के स्तर में भारी कमी दर्ज की गई। पूरे राज्य में न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर चल रहा है। जबकि अधिकतम तापमान सामान्य श्रेणी में आंका गया है। हरियाणा के 21 जिलों में बारिश नहीं होने से सूखे जैसे हालात बने हुए हैं।

32 लाख की ठगी करने वाले तीन नाइजीरियाई गिरफ्तार

बलिया। बलिया जिले में सोशल मीडिया पर दोस्ती कर और महंगे उपहार का लालच देकर 32 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में तीन नाइजीरियाई साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है तथा अदालत ने उन्हें 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में दिया है। बांसडीह क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक शिव नारायण वैस ने सोमवार को बताया कि जिले के सहतवार थाना क्षेत्र की एक युवती ने इसी साल 14 मई को दर्ज कराई गई मुकदमे में आरोप लगाया था कि लॉरेंस माइकल नाम के एक व्यक्ति ने इंस्टाग्राम पर उससे दोस्ती की थी और उसकी शादी में महंगे उपहारों का प्रलोभन देकर उसके साथ 32 लाख रुपये की ठगी की थी। उन्होंने बताया कि युवती की तहरीर के आधार पर सहतवार थाने में भारतीय दण्ड संहिता और आईटी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

अमृता शेरगिल की चित्रकारी 'द स्टोरी टेलर' 61.8 करोड़ में नीलाम

एजेंसी। नई दिल्ली

मशहूर चित्रकार अमृता शेरगिल की कृति द स्टोरी टेलर वैश्विक नीलामी में 61.8 करोड़ रुपये में बिकने के बाद किसी भारतीय की सबसे महंगी कृति बन गई है। शेरगिल की 1937 की कलाकृति द स्टोरी टेलर यहां शनिवार को सैफ्रोनार्ट के इवनिंग सेल: मॉडर्न आर्ट में हुई नीलामी में बेची गई। इस नीलामी में एमएफ हुसैन, वीसी गायतोंडे, जैमिनी रॉय और एफएस सूजा समेत विभिन्न कलाकारों की 70 से अधिक कलाकृतियां पेश की गईं। पिछले महीने रजा की 1989 की कलाकृति गेस्टेशन मुंबई में स्थित नीलामी घर पुंडोले ने 51.75 करोड़ रुपए में बेची थी, जो नीलामी में बेची गई अब तक की सबसे महंगी भारतीय कलाकृति बनी थी।

सैफ्रोनार्ट के सीईओ और सह-संस्थापक दिनेश वजीरानी ने कहा, हमें इस सितंबर में नई दिल्ली में हमारी ईवनिंग सेल के कई कलाकारों के रिकॉर्ड स्थापित करने की खुशी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अमृता शेरगिल की द स्टोरी टेलर को मिली रिकॉर्ड कीमत भारतीय कला बाजार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सेना के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

यमुनानगर। यमुनानगर के ऊपर से गुजर रहे सेना के हेलीकॉप्टर में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते हेलीकॉप्टर की शादीपुर गांव के खेतों में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। अचानक खेतों में हेलीकॉप्टर उतरता देख आसपास काम कर रहे किसान हैरत में पड़ गए, जिसके बाद सूचना पर ग्रामीणों का मौके पर हुजूम लग गया। वहीं, सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सेना के इंजीनियर्स ने एक घंटे में तकनीकी खराबी को सही किया और दोबारा उड़ान भरी। जानकारी के मुताबिक सेना का हेलीकॉप्टर चंडीगढ़ से मेरठ जा रहा था। हेलीकॉप्टर में एक लेफ्टिनेंट दो पायलट और एक कमांडो मौजूद थे। बातचीत करते हुए ग्रामीण नौशाद, आशिक और अन्य बताया कि उनके गांव के जोहड़ के ऊपर अचानक हेलीकॉप्टर फड़फड़ाने लगा। कुछ लोगों ने बताया कि हेलीकॉप्टर की ऊपर वाली खिड़की बंद हो गई थी। उन्हें लगा कि यह जोहड़ में ही गिर जाएगा।

सीएमओ में फिर एक बार बड़े बदलाव की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ

हरियाणा सरकार इन दिनों इलेक्शन मोड में है। प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में बड़े बदलाव की तैयारी की जा रही है। इस बदलाव का असर मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में भी दिखाई देगा। सूबे के आइएएस आशिमा बराड़ और इनके पति मंदीप सिंह बराड़ में से एक की एंट्री सीएमओ में हो सकती है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी इस बदलाव के पक्षधर हैं और इसी के तहत 1991 बैच के आईएएस अनिल मलिक को केंद्र में प्रतिनियुक्ति की मंजूरी दे दी है। 2024 में संभावित लोकसभा चुनाव को देखते हुए ब्यूरोक्रेसी में इस बदलाव का खाका खुद मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर खुद तैयार कर रहे हैं। इस बदलाव के कारण मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से अफसरों के फॉरेन टूर पर भी रोक लगा दी गई है। हरियाणा के पांच आइएएस अफसरों ने विदेश जाने के लिए आवेदन किया था, लेकिन सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने उनके आवेदन पर रोक लगा दी।

- विस्तृत खबर पेज-8 पर

अंबाला में मुख्यमंत्री की पगड़ी पर विवाद, एमएलए गोयल पर भड़के मनोनीत पार्षद

भ्रष्टाचारियों से सम्मानित कराकर सीएम को बेइज्जत किया : सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। अंबाला

अंबाला की सियासत में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पगड़ी पर घमासान मच गया है। सीएम को निगम की सीनियर डिप्टी मेयर के पति द्वारा पगड़ी पहनाने पर शहर के मनोनीत पार्षद संदीप सचदेवा स्थानीय विधायक असीम गोयल पर भड़क गए। पार्षद यही नहीं रुके विधायक पर कई गंभीर आरोप भी लगा दिए। सचदेवा ने कहा कि विधायक ने सीएम की बेइज्जती कराई। कल का मुद्दा सीएम के मान-सम्मान से जुड़ा था। उनके हस्तक्षेप के बाद समाप्त हो गया है। इन दिनों अंबाला में पार्टी को चलाया जा रहा है, उससे निष्ठावान कार्यकर्ताओं को मन घुट रहा है। वर्कर्स को आगे बढ़ने नहीं दिया जा रहा, बल्कि काटा जा रहा है, जो पार्टी के लिए घातक है। अगर ऐसे ही हालात रहे तो भाजपा को आगामी चुनावों में इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

बता दें कि रविवार शाम को सीएम मनोहर लाल अंबाला सिटी के एसए जैन कॉलेज में जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों की शिकायतें सुनने पहुंचे थे। मनोनीत पार्षद सचदेवा ने कहा कि जो लोग जानबूझकर सोची-समझी साजिश के तहत ऐसी हरकतें करते हैं, वह पार्टी के लिए अच्छे संकेत नहीं है। जनसंवाद में भी ऐसा हुआ था। सचदेवा ने कहा कि मीटिंग में फाइनल हुआ था कि पुरुष पार्षद सीएम मनोहर लाल को पगड़ी पहना सम्मानित करेंगे, जबकि महिला पार्षद तलवार देकर, लेकिन विधायक असीम गोयल ने पार्षद को जलील करने के लिए नकली पार्षद खड़ा करके सीएम सम्मानित करा दिए। विधायक ने भ्रष्टाचारियों से सम्मानित कराया।

विधायक ने पार्षदों को नीचा दिखाने की कोशिश की

मनोनीत पार्षद ने आरोप लगा कि विधायक भ्रष्टाचार को संरक्षण देते हैं। जब उन्होंने जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों से जुड़े मुद्दे उठाए तो विधायक को तकलीफ हुई। सचदेवा ने कहा कि वह मनोनीत पार्षद हैं। वे हारे हुए पार्षदों के वार्डों में भी विकास कार्य करा देते हैं। विधायक ने पार्षदों को नीचा दिखाने की कोशिश की है। उन्होंने भाजपा की सीट पर चुनाव लड़ने का भी ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा अंबाला सिटी से टिकट देगी तो अवश्य ही विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। अगर टिकट किसी और को मिलती है तो उसका समर्थन करेंगे।

गणपति बप्पा मोरया : गणेश उत्सव के लिए गणेश जी की प्रतिमा को पूजा के लिए ले जाती युवती। फोटो : राजेश पुंजानी

लघु उद्योगों के सतत विकास के लिए जागरूकता कार्यक्रम में दिए टिप्स

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लघु उद्योगों एवं व्यवसायों के उत्थान हेतु बनाई गई राष्ट्रीय स्तर की संस्था ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई ने औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में एमएसएमई के सतत विकास के लिए जेड प्रमाणीकरण स्कीम के बारे में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में 61 प्रमुख उधमियों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई ने इस कार्यक्रम का आयोजन क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की मान्य एजेंसी आरएसजे इंस्पेक्शन सर्विस लिमिटेड प्रोबेबिलिटी बिजनेस सोल्यूशन के साथ मिलकर किया। ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई के फरीदाबाद चैप्टर के प्रधान डीके मिश्रा ने उपस्थित उद्यमियों का स्वागत किया। ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार चौधरी ने कार्यक्रम के प्रारंभ में सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों एवं ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई के सदस्यों को बताया कि विश्व स्तर पर पर्यावरण सरंक्षण एवं गुणवता को बढ़ावा देने के उदेश्य से ही जेड प्रमाणीकरण योजना लागू की गई।

चौधरी ने यह भी बताया की आज केंद्र व राज्य सरकारें उन्ही उद्यमियों को सुविधाएं देती हैं जो जेड प्रमाणित हैं। आरएसजे के निदेशक सोनम सग्गी ने जेड प्रमाणीकरण प्राप्त करने की प्रक्रिया विस्तार से बताई। श्रोताओं ने उनके विचारों को ध्यान से सुना एवं भूरी भूरी प्रसंशा की। बिजनेस प्रोबेबिलिटी सोल्यूशन के पार्टनर विकास अग्रवाल, पंकज खिल्लन एवं विक्रम सिंह ने उद्योगों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई के एक वर्ष की यात्रा पूरी होने बारे लघु वीडियो फिल्म भी दर्शाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुंदर कपूर न ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई के उद्देश्य एवं गतिविधियों बारे चर्चा की। उन्होंने बताया क्कि यह जागरूकता कार्यक्रम उपस्थित उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम का संचालन ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई के लीगल एडवाइजर एडवोकेट सुंदीप नागर ने किया। कार्यक्रम के अंत में ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई के नेशनल डायरेक्टर आरडी वर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया एवं उपस्थित सभी सदस्यों एवं आयोजकों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में दौरान प्रसिद्ध उद्यमी ईश्वर चंद जैन एवं प्रफूल गुप्ता को ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई की सदस्यता ग्रहण करने पर सम्मानित किया गया।

बिजली कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन कर दो घंटे कामकाज ठप रखा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद की नहरपार स्थित बिजली निगम की सबडिवीजन तिलपत पर बिजली कर्मचारियों के साथ आये दिन हो रही घटनाओं के अहम मुद्दे पर कर्मचारियों ने दो घंटे काम काज ठप कर हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्करज यूनियन के बैनरतले स्थानीय पुलिस प्रशासन व बिजली निगम मैनेजमेंट के रवैये के खिलाफ प्रदर्शन कर जमकर उनके खिलाफ नारे लगाये।

कर्मचारियों द्वारा किये गये इस विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता सबडिवीजन तिलपत के प्रधान वीर सिंह रावत ने की जिसमे मंच का संचालन दफ्तर के सचिव बीर सिंह ने किया। कर्मचारी नेताओं में ग्रेटर फरीदाबाद यूनिट के प्रधान सुनील चौहान व यूनिट के सचिव रविदत्त शर्मा का आरोप है कि गत छह सितंबर की देर रात ढाई बजे बिजली निगम का कर्मचारी पवन कुमार सैनी सहायक लाइनमैन अपनी नाइट ड्यूटी के दौरान रोशन नगर में बिजली के फाल्ट को ठीक करने के लिये अपने सहयोगी साथी प्रवीन कुमार शर्मा सहायक लाइनमैन के साथ ड्यूटी पर एक साथ थे। उसी दौरान अपनी ड्यूटी के निर्वहन के दौरान रोशन नगर कॉलोनी से कुछ अज्ञात 8 से 10 युवकों ने दोनों बिजली कर्मचारियों पर जानलेवा हमला कर दिया और दोनों कर्मचारियों को जान से मारने के इरादे से ताबड़तोड़ मारपीट की। जिससे दोनों बिजली कर्मचारी लहूलुहान हो गए और अछेत अवस्था मे एक कर्मचारी ने डायल 112 कर वीटी पर हरियाणा पुलिस को इस घटना की सूचना दी। विरोध प्रदर्शन में प्रेम, चंद्रवीर, योगेश, डालचंद, दीपक, वीरपाल जेई, महेंदर, अजमेर सिंह, सुमित, गगन, इंदर, भीष्मपाल, योगेश, मनोज, केशव, अजय तेवतिया, रवि रंजन, चिराग, अरुण सहित भारी संख्या में बिजली कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यदि जल्द मांगें नहीं मानीं गईं तो बड़ा आंदोलन होगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

उपायुक्त ने किया अजरौंदा पटवार घर का औचक निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त विक्रम सिंह ने सोमवार को अजरौंदा गांव स्थित पटवार घर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वहां एक पटवारी मौके पर मिले, जबकि दो क्षेत्रों के पटवारी सीट पर नहीं मिले। इस पर उपायुक्त ने तहसीलदार फरीदाबाद को मौके पर बुलाकर निर्देश दिए कि सभी की मूवमेंट चैक करो और अगर बगैर किसी कार्य के कार्यालय से गायब हैं तो उनके खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई करें। उपायुक्त दोपहर करीब 12 बजे अचानक अजरौंदा गांव स्थित पटवार घर का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। निरीक्षण के दौरान पटवार घर में अलग-अलग कार्यों से आने वाले लोगों से जानकारी ली। उनसे पूछा कि वह किस कार्य के लिए आए हुए हैं और उन्हें किन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एक पटवारी मौके पर था जबकि दो पटवारी अपनी सीटों पर नहीं थे और किसी कार्य से तहसील अथवा दूसरे स्थानों पर गए हुए हैं। इस पर उपायुक्त ने तुरंत तहसीलदार फरीदाबाद सुरेश कुमार को बुलवाया और मूवमेंट चैक करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यालय समय में संबंधित पटवारी अपने-अपने पटवार घर में मौजूद होना चाहिए। उपायुक्त ने वहां पहुंचे सभी लोगों के नाम व मोबाइल नंबर भी नोट किए, ताकि बाद में उनके काम से संबंधित जानकारी ले सकें। इस अवसर पर अनेक कर्मचारी मौजूद थे।

सम्राट मिहिर भोज शोभायात्रा को भड़ाना ने दिखाई हरी झंडी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पाली गांव में अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के युवाओं द्वारा गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज जयंती के उपलक्ष्य में गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य धर्मवीर भड़ाना ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभा यात्रा में क्षेत्र के गुर्जर समाज के युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। रैली मे गुर्जर युवाओं ने एकजुट होकर एकता का परिचय दिया।

इस मौके पर धर्मवीर भड़ाना ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस पर चक्रवर्ती गुर्जर सम्राट मिहिर भोज महान की जयंती के शुभ अवसर पर ये शोभायात्रा निकाली गई है। यात्रा पाली, भाकरी, अनखीर, ओल्ड फरीदाबाद होते हुए गुर्जर भवन सेक्टर-16 पहुंची।

गुर्जर भवन में पूरे जिले से समाज के लोग एकत्रित हुए। धर्मवीर भड़ाना ने बताया कि सम्राट मिहिर भोज कन्नौज के सम्राट थे। उन्होंने 836 ईस्वी से 885 ईस्वी तक 49 साल के लंबे समय तक शासन किया था और मिहिरभोज की वीरता के किस्से पूरी दुनिया मे मशहूर हैं। इस मौके पर मेहरचंद हरसाना, महेश फागमा, महेश लोहिया, सुख ठेकेदार, महेंद्र भड़ाना, ओमप्रकाश भड़ाना, नरेश भड़ाना, अनुराग बैसला, पप्पू मावी, गौरव तंवर सहित समाज के सैकड़ों युवा मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सम्राट मिहिर भोज की जयंती पर हम सभी को उनसे प्रेरणा लेकर उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए, जिससे कल्याण हो।

एडवांस कॉलेज में नवागंतुक छात्रों के लिए कार्यक्रम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन आरंभ के नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और देवी सरस्वती की प्रार्थना के साथ की गई। निष्ठा द्वारा शिव स्तुति प्रस्तुत की गई। संस्था के चेयरमैन डॉ. पुनीत गोयल ने नये विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद दिया।

उन्होंने विद्यार्थियों को कॉलेज जीवन में पढ़ाई और पाठ्येतर गतिविधियों के महत्व से अवगत कराया। संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पूनम गोयल ने विद्यार्थियों को बताया कि एक सफल करियर में बहुत अधिक मेहनत और त्याग शामिल होता है। संस्था के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. सुनील दलाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि देश को महान बनाने के लिए शिक्षकों की बड़ी भूमिका है। बीएड के सभी विद्यार्थी अच्छा शिक्षक बनकर देश की सेवा करें। एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन की प्राचार्या प्रोफेसर लक्ष्मी शर्मा ने अतिथियों और नये विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने छात्रों को एआईई परिवार का हिस्सा बनने के लिए बधाई दी और एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए नए ज्ञान और नवाचारों को ग्रहण करने की प्रेरणा दी। शिक्षण को नोबल प्रोफेशन की संज्ञा देते हुए कहा कि बी एड कार्यक्रम शिक्षण के लिए प्रशिक्षण का कार्यक्रम है। आप सभी के लिए छात्रों को गुणवत्ता के साथ पढ़ाना सीखने मौका है। आप एक अच्छे शिक्षक बनकर दुनिया को रोशन करें। एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के प्राचार्य डॉ. आरआर पांडेय ने विद्यार्थियों द्वारा बेहतर इंटिट्यूशन और आदरणीय प्रोफेशन को चुनने की बधाई दी और कहा कि शिक्षक होना बड़े गौरव की बात है, आज देश को फिर से विश्वगुरु बनाने के लिए अच्छे शिक्षकों की आवश्यकता है। अस्सिस्टेंट प्रोफेसर मधु हंस द्वारा संस्थान के विभिन्न पहलुओं पर आधारित पीपीटी प्रस्तुत की गई। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

करनाल रैली में भाग लेगी वाईएमसीए वर्कर्स यूनियन

फरीदाबाद। वाईएमसीए वर्कर्स यूनियन ने आठ अक्टूबर को करनाल में सीटू के बैनर तले होने वाली ललकार रैली में भाग लेने का निर्णय लिया। यह फैसला सोमवार को विश्वविद्यालय के गेट के सामने संपन्न हुई गेट मीटिंग में लिया गया। इसकी अध्यक्षता लेखराज प्रधान ने की। सीटू के जिला सचिव वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर श्रमिकों के मांग पत्र पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि अप्रैल में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें सभी श्रमिकों को पहचान पत्र देने, वर्दी और जूते प्रदान करने, दोपहर का खाना खाने के लिए एक कमरा विश्राम स्थल के रूप में देने, सभी श्रमिकों को ईएसआई कार्ड देने ताकि उनका और उनके परिजनों का पैनल के अस्पतालों में इलाज संभव हो सके। इन मांगों पर प्रशासन ने अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं की है।

पजंजलि महिला महा सम्मेलन का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

महिला पतंजलि योग सामिति हरियाणा द्वारा फरीदाबाद के पंजाबी भवन में महिला महासम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वामी राम देव की परम शिष्या साध्वी देवप्रिया ने सभी को आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृष्णवीर शर्मा संरक्षक पतंजलि परिवार फरीदाबाद, बहन सरोज शर्मा, राज्य प्रभारी माता सत्या, हरियाणा राज्य प्रभारी ईश आर्य, राज्य किसान प्रभारी राजेश भाटी, राज्य सवांद प्रभारी प्रेमलता, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी अंकुर, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी सतीश बधवा, किसान सेवा समिति के अजीत भाटी, युवा प्रभारी गोविंद, जिला प्रभारी वीना की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन और राजबाला व टीम द्वारा स्वागत गीत से किया गया। मातृशक्ति को इस सफल कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दीं। साध्वी दीदी ने नारी के सात विशेष गुणों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि निर्मल मन, मधुर वाणी, प्रचंड पुरुषार्थ, सौम्यता, तप, गुण और मुस्कुराहट श्रेष्ठ जीवन का आधार है। खुशी और गीत ने सुंदर हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति दी। तबस्सुम और अंजलि ने अपने संगीतमय योग की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच का संचालन युवती प्रभारी आकांक्षा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सत्या, प्रेमलता, वीना और जयपाल शास्त्री का विशेष योगदान रहा। कैथल से अमर रवीश, गुरुग्राम से मंजू, पानीपत से वीरा फरीदाबाद के अलावा हरियाणा के अन्य जिले से आये कर्मठ कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

आश्रम में रह रही माता को बेटा ले गया घर

फरीदाबाद। वृद्ध आश्रम में रह रही माता को उनका बेटा घर लग गया। अनादि सेवा प्रकल्प वृद्ध आश्रम जो पाली में स्थित है, वहां पर कुछ दिन पहले एक माताजी पारिवारिक मतभेद के कारण नाराज होकर आश्रम में आकर रहने लगी थी। लेकिन उनके हाव-भाव और आचरण को देखकर अनादि सेवा प्रकल्प के अध्यक्ष प्रणव शुक्ला निरंतर उनके परिवार से जुड़े रहे और प्रयास करके उनके बेटे को बुलाकर उन माताजी को उनके घर भेजा। पाली ग्राम स्थित अनादि सेवा प्रकल्प एक वृद्ध आश्रम में पिछले 27 साल से निशुल्क सेवा हो रही है। अभी यहां 17 महिला और 24 पुरुष रह रहे हैं।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मोबाइल नंबर- 9255029919
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

यहाँ सँसार में हर आदमी सपने संजोता हैं
वो सपने पूर्ण करने ज़िन्दगी का बोझ ढोता है
उदय होना है सुबह फिर यही है चक्र जीवन का
यहाँ हर एक सूरज शाम को तो अस्त होता है

तीन जिलों की आशाओं ने राज्यमंत्री के कार्यालय का किया घेराव

मांगें नहीं मानने पर 25 सितंबर को जेल भरो आंदोलन की दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सोमवार को फरीदाबाद, पलवल व नूंह की आशा वर्करों ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के कार्यलय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन से पूर्व आशा वर्कर बड़खल मोड़ पर एकत्रित हुई। वहां से अपनी मांगों के समर्थन और सरकार व विभाग के मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैए के खिलाफ जूलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री के ऑफिस के लिए कूच किया। ऑफिस से कुछ दूर पहले वहां मौजूद भारी पुलिसबल ने आशा वर्करों को रोक दिया। वहां कुछ देर पुलिस व आशा वर्करों में तीखी कहासुनी हुई। आशा वर्करों के आक्रामक तेवरों को देखते हुए पुलिस को बेरीकेटिंग को हटाने पर मजबूर होना पड़ा। जिसके बाद हजारों आशा वर्करों ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के ऑफिस पर पहुंच कर जोरदार प्रदर्शन किया। मंत्री के पीए ने मंत्री से बातचीत करके आशा वर्कर यूनियन के नेताओं को 22 सितंबर को प्रतिनिधिमंडल की वार्ता करवाने का आश्वाशन दिया है। जिसके बाद प्रदर्शन को समाप्त किया गया। आशा वर्कर यूनियन की राज्य महासचिव सुनीता व प्रधान सुरेखा ने ऐलान किया कि अगर सरकार ने शीघ्र मांगों का समाधान नहीं किया तो 25 सितंबर को आशा वर्कर जेल भरो आंदोलन करेंगी और जिला मुख्यालय पर सामूहिक गिरफ्तारियां देंगी। उन्होंने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार आशा वर्करों के प्रति दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। प्रदर्शन को प्रमुख रूप से आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष सुरेखा, महासचिव सुनीता, सीटू महासचिव जय भगवान व एआईएसजईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने संबोधित किया। उक्त नेताओं ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली हरियाणा सरकार के मुखिया के पास हरियाणा की 20 हजार आशा वर्कर्स के लिए बातचीत तक करने का समय नहीं। उन्होंने कहा कि पिछले 42 दिन की आशा वर्करों की हड़ताल के बाद भी सरकार या स्वास्थ्य विभाग द्वारा हड़ताली वर्कर्स से कोई बात नहीं की जा रही है। उन्होंने सरकार को आगाह करते हुए कहा कि हमारी मांगों का निपटारा सम्मानजनक तरीके से हो। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण कर रही है। सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों व स्टाफ की बेहद कमी है और ढांचागत सुविधाएं नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे आंदोलन की यह भी मांग है कि सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत हों। प्रदर्शन को आशा वर्कर यूनियन हरियाणा की राज्य सचिव सुधा, उप प्रधान रामरती चौहान, फरीदाबाद की जिला प्रधान हेमलता गोयल, पलवल जिला सचिव बबली सैनी, सीटू नेताओं निरंतर पाराशर, रमेशचंद्र, अनिल कुमार, वीरेंद्र सिंह डंगवाल आदि ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हठधर्मिता अपनाए है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गुमशुदा संजना अहरवाल बा उम्र 19 साल पुत्री नत्थु अहरवाल निवासी गांव पवियर, थाना गौड़हार, जिला छतरपुर, मध्य प्रदेश हाल मकान नम्बर-16, गली नम्बर-01, लेबर चौक के सामने, मीना के मकान में किरायदार गांव अनखीर, फरीदाबाद दिनांक 23.08.2023 को बिना बताये घर से कहीं चली गई है, जो अभी तक घर वापिस नहीं आई है, मुकदमा नम्बर 549 दिनांक 26.08.2023 धारा 346 आई.पी.सी. अगर किसी व्यक्ति को गुमशुका लड़की के बारे में सूचना मिले तो **पुलिस चौकी नवीन नगर व थाना पल्ला, फरीदाबाद** पर सम्पर्क करें।

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि गुमशुदा राजेश शुक्ला पुत्र महारानी दीन शुक्ला निवासी मकान एम.सी.एफ. 3107, गली नम्बर-13/3, संजय कॉलोनी, सेक्टर-23, फरीदाबाद दिनांक 06.09.2023 समय शाम 06.30 बजे किसी काम से सेक्टर-24, फरीदाबाद गया था, जो अभी तक घर नहीं पहुंचा है, जिसका हुलिया रंग सांवला, हृष्ट-पुष्ट शरीर, दाहिने हाथ पर जले का निशान कद 5 फुट 5 इंच बा उम्र 43 साल है, जिसने क्रीम कलर की शर्ट व नीले रंग की पेन्ट और पैरों में हवाई चप्पल पहनी हुई है, मुकदमा नम्बर 556 दिनांक 08.09.2023 धारा 346 भा.द.स. अगर किसी व्यक्ति को गुमशुदा आदमी के बारे में सूचना मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सम्पर्क करें।

थाना प्रभारी मुजेसर फरीदाबाद : 9582200131
थाना मुजेसर फरीदाबाद : 0129-2232610
HC भरत सिंह : 9467628610

परिवार जोड़ो अभियान के तहत 49 लाख परिवारों के पास पहुंचेगी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

आम आदमी पार्टी द्वारा हरियाणा में परिवार जोड़ो अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के तहत पूरे हरियाणा में 49 लाख परिवारों के पास आम आदमी पार्टी पहुंचेगी। लोगों के समर्थन के लिए पार्टी की तरफ से एक नंबर भी जारी किया गया है। यह बात आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रशेखर रावत ने विश्रामगृह में आयोजित प्रेस वार्ता में की।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी लोगों के घर जाकर उनके मुद्दे सुनने का काम करेगी और दिल्ली व पंजाब की नीतियों को प्रत्येक गांव में लोगों तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। इसके अलावा पूर्व की सरकारों की पोल खोलने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये अभियान हरियाणा के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा, क्योंकि अभियान के तहत लोगों की समस्या सुनी जाएंगी और यही आम आदमी पार्टी के मेनिफेस्टो का आधार बनेगा। इस मुहिम के माध्यम से ग्राउंड स्तर पर जाकर अच्छे लोगों चिन्हित भी किया जाएग, क्योंकि हर बूथ पर 10-10 और हर

गांव में 21 सदसीय कमेटी भी बनाई जाएगी। उसके बाद आम आदमी पार्टी की ढाई लाख की सेना तैयार हो जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आम आदमी पार्टी विपक्ष की भूमिका निभाने में लगी हुई है। आम आदमी पार्टी हर स्तर पर प्रदेश के लोगों की समस्याओं को उठाने में लगी हुई है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी केवल राजनीतिक पार्टी नहीं है, पार्टी इज ए मूवमेंट है। ये मूवमेंट, इट्स मूवमेंट फॉर द पीपल्स, बाय द पीपल्स है। आज यदि लोगों के साथ जुड़ना है तो उनके घरों तक जाना बहुत जरूरी है। जब से संगठन बनने लगा है, परिवार जोड़ो अभियान आम आदमी पार्टी का दूसरा कैंपेन है। उन्होंने कहा कि आम आमदी पार्टी के चार हजार पदाधिकारियों के अलावा हजारों कार्यकर्ता ऐसे हैं जो बिना पद के भी कार्य कर रहे हैं। परिवार जोड़ो अभियान केवल मिलने का कार्यक्रम नहीं है, जोड़ने का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के बाद हर गांव में 21 सदसीय कमेटी बनाई जाएगी। कमेटी के अंदर 36 बिरादरी का ध्यान रखा जाएगा और कम से कम दो महिलाएं व तीन युवा को शामिल किया जाएगा। कमेटी बनने के बाद सचिव स्तर का पदाधिकारी उसकी निगरानी करेगा।

इस अवसर पर महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष डॉ नवीन रोहिल्ला, लोकसभा उपाध्यक्ष रामबीर चौहान, लोकसभा सह सचिव विनय शर्मा, जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र डागर, महावीर अंधोप, सचिन बंसल, ब्लॉक अध्यक्ष इंद्र सिंह बडौली, चरण सिंह, ओम प्रकाश, सोशल मीडिया अध्यक्ष संदीप डागर, पार्थ रावत उपस्थित रहे।

फिर टूटी यात्रियों की आस, पलवल डिपो को नहीं मिलेंगी एसी बसें

अधिकारियों ने भेजी 10 बसों की डिमांड खारिज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हरियाणा के पलवल डिपो में एसी बसें शामिल नहीं होंगी। प्रदेश में जल्द नई वातानुकूलित बसें आनी हैं। इसी कड़ी में पलवल में अधिकारियों ने सरकार से 10 नई वातानुकूलित बसों की मांग की थी। सरकार ने अधिकारियों की इस मांग को नहीं माना है। इस समय पलवल डिपो में एक भी वातानुकूलित बस नहीं है। यह बसें शुरुआती चरण में केवल एनसीआर जिलों में पहुंचेंगी।

प्रदेश के रोडवेज डिपो में एसी बसें पहुंच चुकी हैं। पलवल डिपो से भेजी गई डिमांड को मुख्यालय ने अस्वीकार कर दिया है। जिस कारण पलवल डिपो में एसी बसें शामिल नहीं होंगी। इससे यात्रियों की आस एक बार फिर टूट चुकी है। बता दें कि रोडवेज के पलवल डिपो में टाटा कंपनी की बीएस छह तकनीक की नई बसों के आने के बाद बेड़े की संख्या 100 से अधिक हो चुकी है।

प्रदेश में चलेंगी 150 नई वातानूलित बसें

वहीं, प्रदेश में 150 नई वातानुकूलित बसें आनी हैं। पलवल में अधिकारियों ने सरकार से 10 नई वातानुकूलित बसों की मांग की थी। सरकार ने अधिकारियों की इस मांग को नहीं माना है। इस स्थिति में अब पलवल के रोडवेज बेड़े में वातानुकूलित बसें नहीं आएंगी। इसलिए अब जिले के यात्रियों को केवल सामान्य बसों से ही सफर करना पड़ेगा।

इस समय पलवल डिपो में एक भी वातानुकूलित बस नहीं हैं। यह बसें शुरुआती चरण में केवल एनसीआर जिलों में पहुंचेंगी। यदि पलवल में नई वातानुकूलित बसें रोडवेज के बेड़े में शामिल होतीं तो लोगों को इसका भरपूर फायदा मिलता। लोग चंडीगढ़ के साथ ही दिल्ली व हिसार, जयपुर, मनाली, शिमला और हरिद्वार वातानुकूलित बसों के माध्यम से पहुंच सकते थे। पलवल रोडवेज में डिपो में अब बसों का बेड़ा लगातार बढ़ रहा है। अब डिपो में 100 से अधिक बसें हो चुकी हैं। दिसंबर 2022 से लेकर पलवल में कुल 95 बसें शामिल हो चुकी हैं। इसमें पुरानी बसें शामिल हुई हैं। जबकि अधिकतर बसें टाटा व रोडवेज की एचआरईसी कंपनी की तरफ से रोडवेज बेड़े में भेजी गई हैं।

एसी बसों की मांग मुख्यालय भेजी गई

पलवल डिपो में लगातार नई बसें शामिल हो रही हैं। यहां पर 10 नई वातानुकूलित बसों की मांग मुख्यालय की गई थी, लेकिन इसे सरकार ने मंजूर नहीं किया है। पहले फेज में वातानुकूलित बसें नहीं आएंगी। ऐसे में अब सामान्य बसों से यात्रियों करना पड़ेगा। एसी बसें डिपो में शामिल होतीं तो इन्हें लंबे रूटों पर चलाया जाता, ताकि यात्री आराम से सफर तय कर सकें।

-धर्मवीर, डीआई, रोडवेज डिपो पलवल

एमवीएन के छात्रों ने ग्रामीणों को बीमारी से बचाव को जागरूक किया

पलवल। एमवीएन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने हर बार की तरह नेशनल फार्माकोविजिलेंस वीक मनाने की शुरुआत की। इस अवसर पर वीक के प्रथम दिन पर विद्यार्थियों ने बघोला और देवली गांव में जाकर जागरूकता रैली निकाली। इस रैली का मुख्य उद्देश्य गांव के लोगों को बीमारियों के प्रति सतर्क करने के साथ साथ दवाइयों के होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी भी देना था। इस दौरान विद्यार्थियों ने घर घर जाकर लोगों को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया इत्यादि बीमारियों के बारे में जागरूक किया और बताया कि इन सब बीमारियों से कैसे बचा जा सकता है। विभाग के डीन डॉक्टर तरुण विरमानी ने बताया कि फार्मासिस्ट का जीवन समाज की भलाई को समर्पित होता है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के दिवस और वीक हमारा विभाग हमेशा मनाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ साथ सामाजिक कार्यों के लिए भी प्रेरित करना है। विश्वद्यालय के प्रबंधक संचालक कांता शर्मा, कुलाधिपति वरुण शर्मा, कुलपति डॉक्टर अरुण गर्ग, उप कुलपति डॉक्टर एनपी सिंह और कुलसचिव डॉक्टर राजीव रतन ने इसकी सराहना की और कहा कि फार्मेसी एक ऐसा पेशा है, जोकि समाज की सेवा के लिए बना है और यह कार्य हमारा फार्मेसी विभाग बहुत अच्छे से कर रहा है। इस रैली को सफल बनाने का मुख्य श्रेय प्रशांत वशिष्ठ, आशीष भारद्वाज, विकास, हरपाल, सोनू शर्मा और विभाग के विद्यार्थियों को जाता है। जिंबांवे से दाखिला लिए हुए विद्यार्थी भी इसका हिस्सा रहे।

आयुष विभाग ने गांव में लगाया स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

आयुष विभाग पलवल द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत गांव जनौली स्थित आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर निशुल्क आयुष कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद इरफान, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. वंदना आर्य व डॉ. अकबर अली ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की और उचित परामर्श दिया। इस अवसर पर मरीजों को निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं।

आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर जनौली के इंचार्ज डॉ. मोहम्मद इरफान ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा छठे पोषण माह के उपलक्ष्य में निशुल्क आयुष कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें किशोरी, गर्भवती महिलाओं, बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में रक्त की कमी न हो, इसके लिए उचित आहार का सेवन करें। खाने में फल और सब्जियों का सेवन करें। उन्होंने बताया कि फल और सब्जियों में पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हमारे शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करती है। गुड़ और भुना चना का प्रतिदिन प्रयोग करें। खाने में नींबू और देशी घी का प्रयोग अवश्य करें। डॉ. वंदना आर्य ने बताया कि पोषण अभियान के तहत महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई और दवाइयां वितरित की गई है। उन्होंने बताया कि महिलाएं रोजाना आयरन और विटामिन युक्त तरह तरह के पोषक आहार लें। उन्होंने बताया कि घर में मौजूद रसोई ही एक प्रकार से औषधालय होती है। हम रसोई में मौजूद सामान से अपने स्वास्थ्य को सही रख सकते है। शिविर में महिलाओं को मोटे अनाज के बारे में भी जागरूक किया गया है। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज के अंतर्गत आठ फसलें ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कंगनी, चीना, कोदो, कुटकी और कुट्टू शामिल है। जोकि पोषण से भरपूर होती है। हमें मोटे अनाज का सेवन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवनशैली में बदलाव करें और प्रतिदिन योग करें व स्वस्थ रहें।

500 बेटियों को साईंधाम में सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन लगाएगा रोटरी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रोटरी डिस्ट्रिक-3011 ने मिशन सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन शुरु किया। इसी के तहत साईं धाम में लगभग 500 बेटियों को रोटरी क्लब एनआईटी व साईं धाम के सहयोग से सर्वाइकल की वैक्सीन लगाई जाएगी। इसी कड़ी में सर्वाइकल कैंसर को लेकर साईं धाम में जागरुकता कैंप का आयोजन किया, जिसमें रोटरी डिस्ट्रिक-3011 की ओर से सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन कार्यक्रम की चेयरपर्सन वंदना भल्ला व वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सबिता ने अभिभावकों को उनकी बेटियों के लिए सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन को लेकर जागरुक किया।

इस मौके पर प्रमुख रूप से रोटेरियन राजन गेरा, अश्विनी झांब, संजय अरोड़ा, सतीश अदलक्खा, जेएल गुलाटी, अकॉर्ड अस्पताल से महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. सबिता कुमारी, साईं धाम की प्रिंसिपल वीनू शर्मा समेत अनेक गणमान्य मौजूद रहे। वंदना भल्ला ने बताया कि यह वैक्सीन बेटियों को निशुल्क लगाई जाएगी। वहीं साईं धाम के संस्थापक डॉ. मोतीलाल गुप्ता ने अभिभावकों को बेटियों को निशुल्क वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया। वहीं रोटरी एनआईटी के प्रधान वीरेंद्र मेहता ने बताया कि इस वैक्सीन पर आने वाले 50 प्रतिशत खर्च को रोटरी डिस्ट्रिक-3011 व 50 प्रतिशत खर्च को रोटरी एनआईटी व साईं धाम द्वारा संयुक्त रूप से वहन किया जाएगा। इस मौके पर वंदना भल्ला व डॉ. सबिता ने बताया कि किस तरह से सर्वाइकल कैंसर के मरीज लगातार बढ़ते जा रहे हैं और इसका वैक्सीनेशन कितना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने इसके बढ़ते मरीजों को देखते हुए सर्वोवैक्स की भी घोषणा की है, ताकि सर्वाइकल कैंसर को बढ़ने से रोका जा सके।

पोलिया के बाद रोटरी डिस्ट्रिक्ट-3011 ने उठाया सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन की बीड़ा

कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखना तथा आमजन को न्याय दिलाना रहेगी प्राथमिकता : डॉ. अंशु सिंगला

नवनियुक्त एसपी ने ली सलामी, संभाला पलवल जिले का कार्यभार

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पलवल की नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अंशु सिंगला ने सोमवार को जिले का कार्यभार संभाला। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में किये गये पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों के तबादला के आदेशों के तहत आईपीएस अधिकारी एसपी डॉ. अंशु सिंगला का तबादला पुलिस अधीक्षक पलवल के तौर पर किया गया है। इससे पूर्व वे सोनीपत में डीसीपी वेस्ट में बतौर पुलिस अधीक्षक तैनात थीं।

जिला पलवल पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर राष्ट्रीय सलामी दी गई। एसपी डॉ. अंशु सिंगला का एडिशनल एसपी जसलीन कौर, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पलवल शाकिर हुसैन व अन्य पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा स्वागत किया गया। एसपी डॉ. अंशु सिंगला भारतीय पुलिस सेवा, हरियाणा कैडर के 2014 बैच की अधिकारी हैं। आईपीएस बनने से पहले वह डॉक्टर थीं जो मानवता की भलाई के लिए लगातार कार्य करती रही हैं। इसके अलावा उन्होंने पुलिस मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री भी हासिल की है। वे स्वच्छ छवि की जनप्रिय तथा आमजन के कार्यों के लिये समर्पित पुलिस अधिकारी के तौर पर जानी जाती हैं।

एसपी स्वभाव से काफी मिलनसार है, लेकिन मोस्ट वांटेड अपराधियों के लिए सिरदर्द बनी रहती हैं। वहीं वे साइबर मामलों को सुलझाने की एक्सपर्ट हैं। इनकी प्राथमिकता हमेशा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखना, क्राइम कंट्रोल के साथ-साथ क्रिमिनल्स के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करना तथा आमजन की पुलिस से संबंधित समस्यों का अविलंब निपटारा व समाधान करने की रही है।

जोखिम व चुनौतिपूर्ण कार्यों में उन्होंने हमेशा सफलता पाई है। वे हरियाणा के अनेक जिलों में बतौर पुलिस अधीक्षक कार्यरत रह चुकी हैं। अपनी नियुक्ति के दौरान संबंधित क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुचारू एवं शांति पूर्वक बनाए रखने में उनकी अहम भूमिका रही है। नवनियुक्त एसपी डॉ. अंशु सिंगला ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता पलवल जिला में आमजन की शिकायतों का शीघ्र समाधान करने तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए समुचित एवं बेहतर कार्य करते हुए निरंतर कानून व्यवस्था शांतिपूर्ण बनाए रखने पर रहेगी।

जिला में कानून व्यवस्था, अपराध व अन्य गतिविधियों के संबंध में बारीकी से अवलोकन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून की पालना करने वाले सभ्य व्यक्ति के साथ पुलिस हमेशा साथ रहेगी, वहीं असामाजिक तथा अपराधी व्यक्ति के साथ सख्ती बरती जाएगी। पलवल जिले को अपराध मुक्त बनाने व कानून व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए हर संभव कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कॉलेज में हुई पुस्तक प्रदर्शनी तथा मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

सोमवार को राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से एक पुस्तक प्रदर्शनी एवं भारतीय संसद पर मॉडल प्रतियोगिता कराई गई। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी में राजनीति विभागाध्यक्ष डॉ. रानी सांगवान ने 200 पुस्तकें निशुल्क व जरूरतमंद छात्राओं व मेरिट में स्थान पाने वाली छात्राओं को प्रदान कीं। विभागाध्यक्ष ने बताया कि हर वर्ष विभाग की ओर से जरूरतमंद छात्राओं तथा राजनीति विभाग विषय में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को निशुल्क पुस्तकें दी जाती हैं। मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता में लगभग 60 छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल का कार्य डॉ. अनिता कौशिक, डॉ. आशा दहिया, डॉ. सविता मनचंदा व डॉ. लक्ष्मी गुप्ता ने किया। प्राचार्या डॉ. वंदना त्यागी ने विभाग की तथा सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्या दान सबसे बड़ा होता है। हमें इस प्रकार के कार्य अवश्य करने चाहिएं। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से छात्राओं का उत्साह बढ़ता है। मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली सभी छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

रक्तदान शिविर में 37 लोगों ने किया रक्तदान

पलवल। प्रधाानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर प्रारंभ हुए सेवा पखवाड़े के तहत एसबीआई पलवल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विनोद कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, ओखला के मार्गदर्शन व ब्रांच मैनेजर पलवल कमल सचदेवा, मनीष कुमार चीफ मैनेजर, कुलदीप वशिष्ठ, मैनेजर पलवल के तत्वावधान में आरंभ किया गया। इस अवसर पर 37 लोगों ने रक्तदान करके पुण्यलाभ कमाया। इस अवसर पर कमल सचदेवा ने स्वयं रक्तदान देकर सभी कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया और कहा रक्तदान महादान है। इससे किसी भी तरह की कोई कमजोरी नहीं आती और स्फूर्ति का एहसास होता है। मनीष कुमार ने सभी कर्मचारियों को रक्तदान के फायदे बताते हुए कहा कि हमें हर तीन महीने बाद रक्तदान करते रहना चाहिए। इस अवसर पर मौजूद डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि कोई भी व्यक्ति जो 18 साल की उम्र से ज्यादा हो, 45 किलो से वजन ज्यादा हो, 12.5ग्राम से एचबी ज्यादा हो, वह हर तीन महीने बाद रक्तदान कर सकता है। इस अवसर पर डॉ श्रुति, प्रीति, गायत्री, मनीषा, मनीष, प्रदीप, नरेश टीम के साथ मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन ने व्यक्ति को मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

पलवल। नई तहसील होडल के सामने बस के इंतजार में खड़े एक व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया और दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दुकानदार की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पहचान व पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई रोहतक की मोर्चरी में रखवा दिया है। होडल थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह के अनुसार, सर्राफा बाजार होडल निवासी संजय ने बताया कि उसने नई तहसील होडल के सामने जय भोले जलपान गृह के नाम से दुकान खोली हुई है। उसकी दुकान के सामने एक अज्ञात वाहन ने एक अज्ञात व्यक्ति को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, उसने फोन कर एंबुलेंस को बुला लिया। अज्ञात व्यक्ति को उपचार के लिए होडल सरकारी अस्पताल भिजवा दिया। घायल की हालत नाजुक देखते हुए उसे पीजीआई रोहतक के लिए रेफर कर दिया गया। पता चला है कि पीजीआई रोहतक में इलाज के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी हुई है। थाना प्रभारी का कहना है कि मृतक के पास ऐसा कोई कागजात व अन्य सामान नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके।

एसटीएफ ने पकड़े तीन नशा तस्कर, चार लाख का गांजा बरामद

पलवल। एसटीएफ की टीम ने तीन नशा तस्करों को पकड़ा है। आरोपी उड़ीसा से जिले में सप्लाई करने के लिए चार लाख कीमत का 107 किलोग्राम गांजा पत्ती लेकर आ रहे थे। लेकिन एसटीएफ की टीम ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। होडल थाना पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। होडल थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह के अनुसार, एसटीएफ के रामकरण ने दी तहरीर में कहा है कि उनकी टीम होडल डबचीक चौक पर मौजूद थी। उसी दौरान गुप्तचर ने उन्हें सूचना दी कि जिला डीग राजस्थान के सौमका गांव निवासी नवाब उर्फ नवाबद्दीन, जिला मथुरा यूपी के हाथीयाका गांव निवासी साबिर व जिला पलवल के नंगला एहसानपुर निवासी साखिर ईको गाड़ी में उड़ीसा से गांजापत्ती लेकर आ रहे हैं। सूचना मिलने पर उनकी टीम ने डबचिक चौक पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी है। उसी दौरान बताई गई ईको कार आती हुई दिखाई दी। जिसमें चालक साखिर के अलावा दो अन्य व्यक्ति बैठे हुए थे, गाड़ी को पुलिस के इशारे पर रोक लिया। पुलिस ने कार में बैठे तीनों को हिरासत में लेकर नाम पता पूछा तो तीनों व्यक्ति थे। टीम ने जब गाड़ी की तलाशी ली तो उसमें प्लास्टिक के तीन कट्टे भरे हुए रखे थे। जिनको निकालकर चैक किया तो उनमें गांजा पत्ती मिली। जिनका वजन कराया तो तीनों कट्टों में 106 किलो 900 ग्राम गांजा पत्ती मिला। जिसका सैंपल लेने के बाद अधिकारियों की देखरेख में सील कर दिया गया। बाजार में उस गांजा पत्ती की कीमत करीब चार लाख रुपए बताई गई है।

कार की टक्कर से बाइक युवक की मौत

पलवल। जैंदापुर गांव के फॉर्म हाउस से काम निपटाकर लौट रहे पेंटर की बाइक को पलवल-सोहना मार्ग पर वेगनार कार ने सीधी टक्कर मार दी। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। गदपुरी थाना पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर कार के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। गदपुरी थाना प्रभारी राजबीर के अनुसार, जिला गुड़गांव के भोगपुर मंडी गांव निवासी महाबीर ने दी शिकायत में कहा है कि उसका छोटा भाई करणवीर पेंटर का काम करता था। 17 सितंबर को उसका भाई काम से जिला पलवल के जैंदापुर गांव गया था। काम निपटाने के बाद जब उसका भाई अपनी बाइक पर वापस गांव के लिए लौट रहा था, तभी जैंदापुर गांव के निकट तेज गति से आ रही वेगनार कार ने टक्कर मार दी। जिसकी सूचना उसे उनके गांव के ही निवासी विनोद ने फोन पर दी। सूचना मिलते ही पीड़ित मौके पर पहुंचा तो पता चला कि करणवीर को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल ले जाया गया है। वह अस्पताल पहुंचा तो वहां पता चला कि दुर्घटना में लगी चोटों के कारण उसके भाई की मौत हो चुकी है। पीड़ित ने इसकी शिकायत गदपुरी थाना की धतीर पुलिस चौकी पर दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी वेगनार कार के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस वेगनार कार के नंबर के आधार पर उसके चालक का पता लगाने में जुटी हुई है।

एसडी कॉलेज में ओजोन दिवस पर हुई प्रतियोगिता

पलवल। जीजीडीएसडी कॉलेज पलवल में बायोलॉजी सोसाइटी के अंतर्गत विश्व ओजोन दिवस का आयोजन किया गया। इस दिवस के अंतर्गत महाविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व पेपर रीडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अंजलि बीएससी द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, मनीषा बीएससी पृथम वर्ष ने द्वितीय स्थान व तमन्ना बीएससी पृथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आरती बीएससी द्वितीय वर्ष ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। पेपर रीडिंग प्रतियोगिता में लक्ष्मी बीएससी तृतीय वर्ष ने पृथम स्थान व शिवानी बीएससी द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्या ने जंतु विज्ञान की विभागाध्यक्षा डॉ. वंदना कालरा, वनस्पति विज्ञान की विभागाध्यक्षा डॉ. कांता रानी को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस प्रतियोगिता कार्यक्रम के दौरान डॉ. नेहा भटनागर, डॉ. विजया जैन, नरेश व सुनील उपस्थित रहे।

वैश्य मोटर साइकल चेतना यात्रा का पलवल में होगा स्वागत

पलवल। पूरे हरियाणा में वैश्य समाज में अलख जगाने एवं एक अक्टूबर को जींद में आयोजित होने वाली वैश्य संकल्प रैली के लिए न्योता देने के लिए वैश्य मोटर साइकल चेतना यात्रा का 20 सितंबर को पलवल आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा। यह फैसला श्री वैश्य अग्रवाल सभा की सेठ चुन्नीलाल धर्मशाला में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सभा के प्रधान ओमप्रकाश गुप्ता ने की। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अनिल गुप्ता, गुलशन गोयल, उदयभान सिंगला, एसपी मित्तल, दिनेश अग्रवाल, कमल मंगला, केएल गुप्ता, शिव गर्ग सिहोलिया, जितेंदर गुप्ता एवं वेद प्रकाश मित्तल आदि ने भी अपने अपने विचार रखे।

नये वोट बनवाने के लिए भी जागरुक कर रहे हैं विस्तारक: सुंदर लाल यादव

मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत धारुहेड़ा मंडल में किया जागरुक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत अल्पकालीन विस्तारक सरपंच सुंदर लाल यादव ने धारूहेडा मंडल के बूथ नंबर-81 पर बेस्टेक पार्क व्यू सोसायटी की आरडब्ल्यूए की उप-प्रधान सरला यादव व उनकी पूरी टीम के साथ बैठक की। इस दौरान साथी विस्तारक लक्ष्मण यादव, दयाराम आदि मौजूद रहे।

बैठक में भारतीय जनता पार्टी को बूथ स्तर पर कैसे मजबूत करना है। इसमें शहर के लोगों की कैसे भागीदारी बढ़े, इन सभी विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही नये वोट बनवाने के लिए आरडब्ल्यूए की उप-प्रधान सरला यादव ने भरोसा दिलाया कि उनकी सोसायटी अपने यहां सभी का वोट बनवाने का कार्य करेगी। सरपंच सुंदर लाल यादव ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा, पौधारोपण, सफाई अभियान, मेडिकल शिविर आदि पर चर्चा की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं में मंडल के अध्यक्ष मनोज सैनी,

धारुहेड़ा में विस्तारकों की बैठक में मौजूद सदस्य।

उपाध्यक्ष धर्मवीर, जिला सोशल मीडिया सहप्रमुख सावन सैनी, रामपाल यादव, बेस्टटेक पार्क व्यू सोसायटी से हरीश शर्मा महासचिव, खजांची श्रवण कुमार, कार्यकारी सदस्य दीपमाला सिंह, सुमित मोरे, धर्मवीर यादव, पूर्व प्रधान अनिल सोनी, संदीप शर्मा, रामनिवास सहारण, राम वर्मा, अनिल शर्मा, महेश शर्मा, कैलाश, मंदीप सहारण, संजीव बालियान, दीपक शर्मा, संजीव गुर्जर शामिल रहे। सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि विस्तारक के रूप में कार्यकर्ता भाजपा सरकार की नीतियों की जानकारी दे रहे हैं। हर व्यक्ति तक पहुंचना ही ध्येय है।

उन्होंने कहा कि विस्तारक के रूप में जन-जन पहुंचने का उद्देश्य यही है कि सभी को अपनेपन का अहसास कराया जाए। उन्हें बताया जाए कि भारतीय जनता पार्टी पूरे देश की पार्टी है। भाजपा के कुनबे में हम सब शामिल हैं। स्वयं प्रधानमंत्री देशवासियों को परिवारजनों कहकर संबोधित करते हैं। यही उनकी आत्मीयता है।

ज्ञानेन्द्र उर्फभोला हत्याकांड के दो और आरोपी गिरफ्तार

सोहना। अपराध शाखा सोहना पांच पुलिस ने भोला उर्फ ज्ञानेन्द्र हत्याकांड में दो और हत्योपिओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब तक ज्ञानेन्द्र उर्फ भोला हत्याकांड में 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। सोहना अपराध शाखा पांच पुलिस के प्रभारी एसआई सत्यप्रकाश ने बताया कि शहर के दौला मोड़ पर वाहन का इंतजार कर रहे ज्ञानेन्द्र उर्फ भोला हत्याकांड में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान धर्मेंद्र उर्फ बिदुदी निवासी नंगला एनक्लेवए फरीदाबाद व हितेश निवासी जवाहर कॉलोनीए छप्ज् फरीदाबाद हुई है।

संक्षिप्त समाचार

एएसआई जितेंद्र दहिया की बेटी गीतिका ने जीता गोल्ड मेडल

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत शाखा में तैनात एएसआई जितेंद्र दहिया की बेटी गीतिका दहिया ने पंचकूला में 15 से 17 सितम्बर तक आयोजित 8वीं हरियाणा ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 800 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता है। गीतिका की मां मुक्ता लांबा एडवोकेट हैं। गीतिका पुलिस प्रशिक्षण केंद्र भोंडसी स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में 11वीं कक्षा की छात्रा है। गीतिका ने अब से पहले भी एथलीट मीट में बेहतर प्रदर्शन कर नाम रोशन किया है। गीतिका ने कर्नाटक के उडुपी में राष्ट्रीय यूथ एथलीट मीट में 800 मीटर दौड़ में रजत पदक, अक्टूबर 2022 में रोहतक में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में 800 मीटर दौड़ में स्पर्ण पदक जीता था। पंजाब के जालंधर में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में भी 800 और 1500 मीटर दौड़ में गीतिका ने स्वर्ण पदक जीता था।

थैलेसीमिया पीड़ितों की सहायता के लिए 1121 युनिट रक्त हुआ दान

गुरुग्राम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा मनाए जा रहे सेवा पखवाड़े के दौरान गुरुग्राम में हरियाणा का सब से बड़ा तीसरा रक्तदान कैम्प लगाया गया। भाजपा ने हरियाणा में 18 हजार यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा है, जिसमें से गुरुग्राम में ही 1121 यूनिट रक्तदान हुआ है। न्यू कालोनी के जितेंद्र बहल पार्क में लगाया गया रक्तदान शिविर देर शाम तक जारी रहा। रक्तदाताओं की उमड़ी भीड़ से पता चल रहा था कि यहां लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कितना चाहते हैं। शहर में लगाए गए रक्तदान शिविरों में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ और सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल पहुंची थी। सांसद दुग्गल ने तो न्यू कालोनी में स्वयं भी रक्तदान किया। प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ के दिशा-निर्देशानुसार सेवा पखवाड़े के दौरान सेवा कार्यों के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए वे लगातार काम करते रहेंगे। जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों की सेवा निस्वार्थ भाव से करते हैं। वैसे हम लोग गरीब और असहाय लोगों की मदद के लिए रक्तदान करते हैं, ताकि जरूरत के समय किसी की जान बचाई जा सके। इस रक्तदान शिविर में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़, सांसद सुनीता दुग्गल, सीएमओ वीरेंद्र यादव, जिलाध्यक्ष गार्गी कक्कड़, अनुराग बख्शी, सेवानिवृत्त आईएएस एनसी वाधवा, डॉक्टर सुभाष खन्ना, डॉक्टर तनेजा व सामाजिक संगठनों के अध्यक्ष, नगर निगम के पूर्व पार्षदों ने भी शिरकत की। बता दें कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के दौरान पार्टी के कार्यकर्ता रक्तदान के अलावा अन्य सेवा कार्य में लगे हुए हैं।

शिक्षा, समाजसेवा में अग्रणी हस्तियों को दिया गया सरस्वती सम्मान

गुड़गांव विकास मंच ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में किया समारोह

आचार्य गौरी शंकर गौतम ने कहा कि शिक्षक भविष्य का निर्माता होता है

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम। दक्षिण हरियाणा में शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाली हस्तियों को गुड़गांव विकास मंच (पंजी.) की ओर से सरस्वती सम्मान दिया गया। यहां एक होटल में यह समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. डीपी गोयल ने कहा कि समाज में हम सबका बेहतर योगदान हो, इसके सदा प्रयास होने चाहिए। आचार्य गौरी शंकर गौतम ने कहा कि शिक्षक भविष्य का निर्माता होता है। जिला बार एसो. के पूर्व सचिव कमलजीत कटारिया ने कहा कि गुड़गांव विकास मंच समाज में सेवा के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पूर्व आईआरएस कल्याण शर्मा ने कहा कि समाज को सही दिशा दिखाने के लिए प्रबुद्ध लोगों का आगे आना बहुत जरूरी है। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकुमार त्यागी, बॉक्सिंग चेयरमैन ललित कटारिया, समाजसेवी ललित पाराशर, अनिल वशिष्ठ, प्रशांत शर्मा, मनीष कौशिक, सोनू कौशिक, परिणिता क्लब की अध्यक्ष हरशरण मथारू ने शिरकत की।

गुरुग्राम में नर्सिंग ऑफिसर पूनम सहराय, नर्सिंग ऑफिसर प्रियंका अरोड़ा को सरस्वती सम्मान से सम्मानित करते अतिथि।

गुरुग्राम में सरस्वती सम्मान में समूह चित्र में सम्मानित किए गए शिक्षक, समाजसेवी व अतिथि।

इन्हें दिया गया सरस्वती व बेस्ट प्रधानाचार्य अवार्ड : कार्यक्रम में सरस्वती सम्मान व बेस्ट प्रधानाचार्य अवार्ड से 16 प्रधानाचार्य नैंसी शर्मा, मनीषा खन्ना, कीर्ति मदान, समिता यादव, डॉ. संदीप यादव, डॉ. श्याम राघव, राज चौहान, नलिनी अस्थाना, पवन कुमार, मोनिका पोपली, शिवरतन वशिष्ठ, कल्पना कश्यप, मंजू जांगिड़, मंजू देशवाल, गगनदीप सिंह चौहान, नरेंद्र शर्मा को सम्मानित किया। डॉ. सोना यादव, डॉ. कोमल यादव, अभिषेक द्विवेदी, अमित भारद्वाज, रूना चटर्जी, पूनम मलिक, योगेश्वर दुबे, सुनील पंडित, मुकेश शास्त्री, रेखा यादव, विकास स्वामी, दिशा कक्कड़, वंदना जोली, हरिओम भारद्वाज, मीनू दुहारिया, मोनिका राव, डॉ. योगेश शर्मा, ऑलिव फर्नांडिस, राजकुमार कादीपुर, गार्गी भारद्वाज, रत्ना जैन, रितु कटारिया, मिथिलेश शर्मा, निधि चौहान, दिनेश द्विवेदी, वीरेंद्र कुमार, संगीता तरवानी को बेस्ट टीचर सरस्वती अवार्ड दिया गया। जनसेवा के क्षेत्र में विशेष रूप से नर्सिंग ऑफिसर पूनम सहराय, नर्सिंग ऑफिसर प्रियंका अरोड़ा के अलावा सोनाली बत्रा, भारती जैन, दीपक कटारिया एडवोकेट, अभिषेक ठाकुर, एकता यादव, महेंद्र यादव, दिनेश कश्यप को सरस्वती सम्मान दिया गया। संस्था के प्रमुख अजय शर्मा ने बताया कि शिक्षक दिवस प्रत्येक वर्ष की भांति ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) व गुड़गांव विकास मंच के सौजन्य से किया जाता है। इस अवसर पर अर्चना शर्मा, सौरभ अस्थाना, जितिन यादव, सोनू तायल समेत कई लोग मौजूद रहे।

राहुल मिश्रा की शेवेलियर पुरुस्कार से सम्मानित किया गया

डेन्स एल ऑड्रे डेन्स आर्ट्स और डेस लेट्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फ्रांस सरकार की और से भारत में फ्रांस के राजदूत श्री इमेनुएल लेनेन ने आज उनके आवास पर एक विशेष समारोह में फैशन डिज़ाइनर राहुल मिश्रा को शेवेलियर डान्स एल ऑड्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस (नाईट ऑफ़ द ऑर्डर्स ऑफ़ आर्ट्स एंड लेटर्स) का प्रतीक चिन्ह प्रदान किया

यह गौरव एक डिज़ाइनर के रूप में कला के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय शिल्प और जानकारी को बढ़ावा देने के लिए उनकी गहरी प्रतिबद्धता की मान्यता में आता है। यह पुरुस्कार फ्रांस और भारत के बीच सांस्कृतिक संबंधों और सहयोग में उनके स्थाई योगदान का भी सम्मान करता है। राहुल मिश्रा ने 2014 में पेरिस फैशन वीक में अपने प्रेट- ए - पोर्टर कलैक्शन के साथ दुनिया की फैशन राजधानी , पेरिस में पर्दापर्ण किया था। यह वह वर्ष भी था जब वह अंतर्राष्ट्रीय वूलमार्क पुरुस्कार जीतने वाले पहले भारतीय डिज़ाइनर बने, जिसने तत्कालीन संपादक सूजी मैनकेस को प्रेरित किया। वोग इंटरनेशनल में उन्हें राष्ट्रीय खजाना कहा। 2020 में , उन्हें फेडरेशन डे ला होट कुत्यूर एट डे ला मोड़ द्वारा प्रतिष्ठित पेरिस होट कुत्यूर वीक में अतिथि डिज़ाइनर के रूप में अपनी कृतियों को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। जो प्रसिद्ध रूप से केवल 16 होट कुत्यूर को अपने सदस्यो के रूप में मान्यता देता है भारतीय बुनाई और 3 डी हाथ की कढ़ाई के माध्यम से इंप्रेशनिस्ट कविता के निर्माता राहुल मिश्रा को स्लो फैशन या नैतिक पर सूटेबल फैशन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए विशेष रूप से स्वीकार किया गया है

अलंकरण समारोह में बोलते हुए , भारत में फ्रांस के राजदूत , श्री इमेनुएल लेनेन ने कहा , आज एक शानदार भारतीय कलाकार , राहुल मिश्रा को पहचानना मेरे लिए सौभाग्य की बात है , जिन्होंने भारतीय फैशन के परिद्रश्य को आकर देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वैश्विक मंच पर विशेष रूप से पेरिस में , एक उल्लेखनीय प्रभाव छोड़ा है, शिल्प कौशल , स्थिरता और भारतीय और फ्रांसीसी डिज़ाइनर संवेदनाओ के मिश्रण के प्रति उनका समर्पण वास्तव में सरहानीय है। इस पुरुस्कार के माध्यम से , फ्रांस राहुल मिश्रा की उत्कृष्ट उपलब्धियो और हमारे दोनों देशो के बीच गहरे संबंध बनाने में उनके योगदान का सम्मान करता है। सम्मान स्वीकार करते हुए, राहुल मिश्रा ने कहा , फ्रांस सरकार से शेवेलियर ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ आर्ट्स एंड लेटर्स का प्रतिष्ठित प्रतीक चिन्ह प्राप्त करके में बहुत आभारी हूँ। में इस सम्मान के लिए राजदूत इमेनुएल लेनेन, फ्रांस के सांस्कृतिक मंत्री और राष्ट्पति इमेनुएल मैक्रॉन का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

पंजाबी बिरादरी महासभा ने लगाया निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर

पंजाबी बिरादरी महासभा की ओर से निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर में मौजूद सदस्य।

गुरुग्राम। पंजाबी बिरादरी महासभा ने जाटव चौपाल फिरोज गांधी कालोनी नंबर-2 गुरूग्राम में एक विशाल निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाया। शिविर के आयोजन में आरडब्ल्यूए हाऊसिंग बोर्ड सेक्टर-7 के प्रधान विजय परमार और उनकी टीम का सहयोग रहा।

सभा के पूर्व उप प्रधान और पूर्व महासचिव अनुराग बख्शी ने बताया कि शिविर में 175 से भी ज्यादा मरीजों की मुफ्त चिकित्सा जांच के साथ-साथ उन्हें इलाज के लिए मुफ्त दवाईयां भी दी गई। बख्शी ने बताया कि शिविर में रोगियों के खून और शुगर की मुफ्त जांच के साथ-साथ, स्पेशलिस्ट चिकित्सकों डा. सुभाषा खन्ना (सर्जरी), डा. विक्रांत खन्ना (आर्थोपैडिक), डा. जोय चक्रवर्ती (मेडिसिन), डा. धनखड (दांत) द्वारा मरीजो की जांच कर उन्हें इलाज के लिए दवाईयां भी दी गई। भविष्य में भी पंजाबी बिरादरी महासभा द्वारा इस प्रकार के शिविरों का आयोजन होता रहेगा और सभा द्वारा दूसरे समाज सेवा कार्यों को भी गति दी जाएगी। बख्शी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर ऐसे सेवा कार्य का आयोजन और भी अधिक सार्थिक बन जाता है। इस आयोजन को सफल बनाने में सभा के पूर्व उप प्रधान हरविंद्र कोहली की अहम भूमिका रही। शिविर में सभा के पूर्व मुख्य संरक्षक एनसी वधवा, आईएएस (सेवानिवृत), तिलक राज मल्होत्रा, सुभाष खरबंदा, सुरेश चौधरी, एचएल मिगलानी ,राजेश दुआ, योगेश अरोडा, गौरव कालड़ा, हिमांशु खुराना, सोना राम मक्कड़, मनीष मदान समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

बेकाबू ट्राला ने कार को मारी टक्कर, महिला घायल व चालक समेत मालिक घायल

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

तावडू मार्ग पर घाटी से उतर रहा तेज रफ्तार से उतरते समय बेकाबू हुआ ट्राला चालक ने सामने जा रही कार को मारी टक्कर। ट्राली की टक्कर लगने से कार सामने चल रहा हाइवा डंपर से टकराई। आगे-पीछे दो वाहनों के टकराने से 80 फीसदी क्षतिग्रस्त हुई कार में महिला को लगी गंभीर चोटें तथा चालक समेत कार मालिक बाल-बाल बच गए।

सोमवार की सुबह साढ़े 9 बजे शहर निवासी नवीन अपनी ड्यूटी पर रोजाना की तरफ से कार में सवार होकर फरीदाबाद के लिए निकला था। उसके साथ दोस्त की चाची मधुबंसल भी फरीदाबाद जाने के लिए कार में बैठी थी। कार को चालक पहलू जैसे की घाटी के रास्ते से निकाल रहा था। घाटी में चलते समय तावडू की तरफ से आ रहा तेज रफ्तार ट्राला के चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मारी। ट्राला की टक्कर से बेकाबू कार सामने चल रहा हाइवा डंपर से जा टकराई। इस दौरान कार 80 फीसदी क्षतिग्रस्त हो गई। कार में पीछे बैठी मधुबंसल दो तरफ की खिड़कियां

क्षतिग्रस्त होने से कड़ी मशक्कत से बाहर निकाला। इस दौरान मधु बंसल का दाहिना कंधा पूरी तरफ से क्षतिग्रस्त हो गया। जिससे हाथ ने काम करना बंद कर दिया। कार चालक पहलू व मालिक नवीन को पहले की अपने आप सुरक्षित निकल गए थे। नवीन ने बताया कि उसने कार में से निकलने के साथा मौके से भाग रहा ट्राला को रुकवाया। बारबर की दुकान चलाने वाले सलमान ने बताया कि आस पास से दौड़कर आए नागरिकों ने पीडिता मधुबंसल को बाहर निकवाने में मदद की। पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया और पुलिस की मौजूदगी में ही घायल महिला को अस्पताल में दाखिल कराया।

शौकसंताप में थी मधू बंसल : कुछ दिन पहले मधू बंसल की जेठानी की लंबी बीमारी के बाद मौत हो गई थी। जिसके कारण मधू बंसल अभी जेठानी की मौत के गम से उभर भी नहीं पाई है। वह भी एक बहुत बड़े हादसे में बाल-बाल बच गई है। लेकिन मधू बंसल ने अपने परिजनों का हौसला टूटने नहीं दिया और वह कुछ कदम तक पैदल चलकर पास में बना निजी अस्पताल तक पहुंची।

ट्राला व चालक लिए काबू में : शहर थाना पुलिस ने हादसे को अंजाम देने वाले चालक व उसके ट्राला को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। जानकारी के अनुसार ट्राला भारी सामान लेकर घाटी से उतर रहा था। जिसके कारण घाटी से उतरते समय ट्राला भारी वजन होने पर ब्रेक नहीं लग सके।

योग निद्रा ऋषि मुनियों की पुरातन देन है : बोधराज सीकरी

आनंदमूर्ति गुरु मां द्वारा निर्देशित योग निद्रा विशेष अभ्यास सत्र का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आनंदमूर्ति गुरू मां के मार्ग-निर्देशन में पूरे भारतवर्ष के 40 से अधिक शहरों में एक ही दिन, एक ही समय पर हजारों लोगों ने एक साथ योग निद्रा के विशेष अभ्यास सत्र में भाग लिया। ऋषि चैतन्य ट्रस्ट सेवादारों की अगुवाई में एक बैंक्वेट हॉल में योग निद्रा का विशेष अभ्यास सत्र किया गया।

गुरू मां की अध्यक्षता में ऋषि चैतन्य ट्रस्ट पिछले 25 वर्षों से देश एवं विदेश से आने वाले सभी साधकों के कल्याण के लिए अथक रूप से कार्यरत है। जनकल्याण के इसी लक्ष्य को साकार रूप देने के लिए भारत के अनेक शहरों में ऋषि चैतन्य विजन की स्थापना की गई, ताकि ध्यान का रसपान करने के इच्छुक साधक हर रविवार को सुबह इन केंद्रों में जाकर योग एवं ध्यान का अभ्यास कर सकें।

गुरुग्राम में योग निद्रा के विशेष अभ्यास सत्र में भाग लेते गुरुग्रामवासी, संबोधित करते बोधराज सीकरी।

ऋषि चैतन्य विजन के सभी केंद्रों के द्वारा अपने-अपने शहर में 17 सितम्बर, रविवार सुबह 11 बजे योग निद्रा के अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। इसमें हर शहर के सेंकड़ों लोगों ने भाग लिया और शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विश्राम देने के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति में सहायता प्रदान करने वाली इस अनुपम विधि का अभ्यास किया। बहुत-से साधकों ने अभ्यास के दौरान हुए अनुभवों को भी साझा किया। ट्रस्ट के ट्रस्टी बोध राज सीकरी ने मंच संचालन किया। लोगों को योग निद्रा के गुण और लाभ बताए। उन्होंने कहा कि योग निद्रा कई बीमारियों के लिए राम बाण है। बोधराज सीकरी के कथन के अनुसार योग निद्रा ऋषि मुनियों की पुरातन देन है। दुर्भाग्यवश ये लुप्त हो गई थी। गुरु मां ने इसे फिर से जागृत अवस्था में लाकर के आमजन के लिए एक प्रसाद के रूप में दिया है। लगभग एक साथ 350 लोगों ने योग निद्रा शवासन में की।

मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हम संकल्पबद्ध: सुधीर सिंगला

शिवजी पार्क इलाके में विधायक ने सीवर लाइन सफाई के काम की कराई शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने सोमवार को शिवजी पार्क इलाके में सीवर लाइन सफाई के काम की शुरुआत कराई। उन्होंने मशीन के समक्ष नारियल फोड़ते हुए कार्य का श्रीगणेश किया। बकेट मशीन द्वारा यहां सीवरेज सफाई की जाएगी।

इस अवसर पर विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि हर क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हम, सरकार संकल्पबद्ध है। सरकार सबका साथ सबका विकास की भावना से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जन सेवा के कार्यों में सदा अग्रणी हैं। लगातार विकास कार्यों को सिरे चढ़ाया जा रहा है। बिजली, पानी, सड़कों की हालत सुधारी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यों में हम सबको भी

गुरुग्राम के शिवजी पार्क में सीवर लाइन सफाई कार्य की शुरुआत करने पहुंचे विधायक सुधीर सिंगला।

सहयोग बनना चाहिए। उन्होंने आमजन से अपील की कि सड़कों, गलियों के निर्माण में अगर घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल होने का पता चलता है तो वे बिना किसी संकोच के उच्चाधिकारियों या उन्हें शिकायत कर सकते हैं। सामग्री की जांच रिपोर्ट आने पर संबंधित आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विकास में उपयोग होने वाला पैसा विकास में सही तरीके से लगे। निर्माण में अच्छी सामग्री का इस्तेमाल हो। सभी जिम्मेदार नागरिकों को इस पर ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर शहर को स्वच्छ बनाना है। इसके लिए सभी नागरिक जिम्मेदारी से सफाई का ध्यान रखें। अपने घरों से निकलने वाली गंदगी को निर्धारित स्थान पर डालें। गलियों, नालियों, सीवरेज में ना डालें। अगर हम गंदगी को सीवर, नालियों में डालते हैं तो वे ब्लॉक हो जाते हैं। ओवरफ्लो होने से गंदगी सारी गलियों, सड़कों पर बहती है। इसका सभी को विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस अवसर पर दिनेश यादव, वीरेंद्र गुप्ता, सुभाष यादव, हंसराज, संतराम, मनपाल राघव, दिनेश मित्तल, मनोज कुमार, जॉनी यादव, जितेंद्र कुमार, अजय कुमार, संजय शर्मा, ताराचंद मित्तल व अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे।

भाजपा ने जीएल शर्मा को पांच विधानसभाओं के चुनाव प्रबंधन की सौंपी जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरग्राम

हरियाणा भाजपा के उपाध्यक्ष एवं हरियाणा डेयरी सहकारी प्रसंघ के पूर्व चेयरमैन जीएल शर्मा के कुशल चुनाव प्रबंधन पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर से भरोसा जताया है। पार्टी ने उन्हें राजस्थान विधानसभा के लिए नागौर जिले की पांच विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले भी जीएल शर्मा कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालकर सफलता हासिल करते रहे हैं।

नई जिम्मेदारी के लिए जीएल शर्मा ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वह पार्टी की उम्मीद पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में निश्चित ही भाजपा प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी। शर्मा ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें लगातार पार्टी की सेवा के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नई जिम्मेदारी उनके राजनीतिक जीवन में नए

जीएल शर्मा।

अनुभव पैदा कर रही है। बता दें कि इससे पहले जीएल शर्मा देश के पश्चिमी राज्य गुजरात और राजस्थान, दक्षिण के कर्नाटक में लगातार दो विधानसभा चुनाव, पश्चिम बंगाल तथा असम जैसे पूर्वोत्तर के राज्यों में भी यह जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। अपने कुशल चुनावी प्रबंधकीय नेतृत्व के गुण से जहां-जहां भी जीएल शर्मा को जिम्मेदारी मिली, वहां भाजपा को प्रचंड जीत हासिल हुई है। पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के दुर्गम विधानसभा क्षेत्र में भी जीएल शर्मा के नेतृत्व में पार्टी ने जीत हासिल की है।

रैपिड एक्शन फोर्स ने निकाला पैदल मार्च, वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूक किया

पायनियर समाचार सेवा। पुन्हाना

194 बटालियन कमांडेंट राकेश कुमार के नेतृत्व में ए/194 बटालियन रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा परिचित अभ्यास के क्रम में छठे दिन पुन्हाना पुलिस उप अधीक्षक अशोक कुमार से मुलाकात करके दुरत कार्य बल के परिचित अभ्यास के महत्व के बारे में चर्चा की। इसके उपरांत बिछौर और पुन्हाना के क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति व कानून व्यवस्थ, संवेदनशील तथा अति संवेदनशील इलाके तथा संस्थाओं की जानकारी प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में पैदल मार्च निकाला। साथ ही इलाके के वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी और गणमान्य व्यक्तियो से मिलकर पूर्व में हुए घटनाओं, दंगे और अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की। ताकि भविष्य में होने वाली कानून एवं व्यवस्था की ड्यूटी की आंशकाओ में आसानी से तैनात होकर स्थिति पर नियंत्रण कर सकें तथा स्थानीय पुलिस व आमजन के बीच अच्छा सामजस्य बना रहे। पुन्हाना और बिछौर थाना के अंतर्गत आने वाले गांव में पैदल मार्च निकालकर लोगों को शांति अमन भाईचारे बनाए रखने का संदेश

डीएसपी अशोक कुमार के साथ पेड़ लगाते हुए तथा पैदल मार्च निकलते हुए।

दिया। इस दौरान रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने पुलिस व आमजन के साथ मिलकर वृक्षारोपण कार्यक्रम कर पर्यावरण संरक्षण के बारे में लोगो को जागरूक किया। बटालियन कमांडेंट राकेश कुमार ने कहा कि प्रकृति के बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं है। हवा, पानी, भोजन, धूप इत्यादि सब कुछ हमें प्रकृति से ही मिलता है। बावजूद इसके हम प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने में लगे हुए हैं। अपने लालच के लिए हम हरे भरे पेड़ों को काटकर प्रकृति को नुकसान पहुंचाने में लगे हुए हैं, जबकि पेड़ हमें ऑक्सीजन देने के साथ-साथ फल फूल, छाया, बरसात लाने में सहयोगी होते हैं। पेड़ों की लगातार हो रही कटाई का नुकसान हमें ही भुगतना पड़ेगा। जलवायु में परिवर्तन इसकी शुरुआत है, लगातार प्रदूषण स्तर बढ़ता जा रहा है। हमें जरूरत है ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाए। इसी कड़ी में आज डीएसपी अशोक कुमार के नेतृत्व में सार्वजनिक स्थानो पर वृक्ष लगाकर अभियान की शुरुआत की गई। लोगों से आह्वान किया कि हमें समय-समय पर पेड़ लगाकर उनकी बड़ा होने तक सेवा करनी चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग के इस समय में सभी लोगों को अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ लगाकर उसके बड़े होने तक उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए।

मेरा बिल-मेरा अधिकार योजना के तहत हर तिमाही में सरकार देगी करोड़ों के इनाम

जागरूक ग्राहकों के लिए एक करोड़ रूपये तक जीतने का सुनहरा मौका

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

सरकार ने नागरिकों के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की हैं। इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने रिटेल और होलसेल कारोबारियों के बीच जीएसटी बिल के चलन को बढ़ाने के लिए मेरा बिल-मेरा अधिकार स्कीम की शुरुआत की है। इस योजना के तहत हर तिमाही में एक-एक करोड़ के दो बंपर इनाम, 10 हजार से लेकर 10 लाख रुपए तक के इनाम प्रतिभागियों को दिए जाएंगे। यह स्कीम को एक सितंबर, 2023 से पायलट आधार पर लॉन्च की गई है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए पोर्टल वेबडॉटमेराबिलडॉटजीएसटीडॉटजीओवीडॉटइन व एप पर इनवॉइस को अपलोड करना होगा। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (बिक्री कर) विकास परासर ने बताया कि केंद्र द्वारा जीएसटी बिल के चलने को बढ़ाने के लिए मेरा बिल-मेरा अधिकारी योजना की पायलट आधार पर एक सितंबर से शुरूआत की है। यह रिटेल और होलसेल कारोबारियों के बीच जीएसटी बिल के चलन को बढ़ाने के उद्देश्य से चलाई गई है। उन्होंने बताया कि 10 हजार से लेकर 10 लाख रुपये तक का इनाम हर महीने गुड्स सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) बिल अपलोड करने वाले लोगों में से 800 लोगों को ये इनाम दिए जाएंगे। इन में से 10 व्यक्तियों को 10-10 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। ये बंपर इनाम तिमाही के आधार पर निकाला जाएगा। इस बंपर इनाम का फायदा तिमाही में अपलोड किए गए किसी भी बिल के प्रतिभागी को मिल सकता है। उप आबकारी एवं काराधार आयुक्त विकास परासर ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि मेरा बिल-मेरा अधिकार योजना को लॉन्च करने का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को जीएसटी बिल या इनवॉयस लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने खेतों में पहुंच की फसल की गिरदावरी की पड़ताल

मेवात। उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने सोमवार को तावडू उपमंडल के गांव भाजलाका के खेतों में पहुंचकर फसल की राजस्व विभाग द्वारा की गई गिरदावरी की पड़ताल की। इस दौरान उनके साथ एसडीएम तावडू संजीव कुमार भी मौजूद रहे।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों द्वारा तैयार किए गए गिरदावरी रिकार्ड का खेतों में खड़ी फसल के साथ मिलान किया। उपायुक्त ने राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि गिरदावरी बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है, इसलिए यह कार्य बिल्कुल सही होना चाहिए। राजस्व विभाग द्वारा प्रत्येक फसल चक्र रबी व खरीफ की फसल की गिरदावरी की जाती है। इसके लिए ई-गिरदावरी प्रणाली अपनाई जाती है। पटवारी सजरे से किला नंबर देखकर आसानी से टैब में फसली ब्यौरा एकत्रित करते है, जिसकी जांच पड़ताल तहसीलदार व पटवारी सहित उच्च अधिकारी द्वारा की जाती है। उन्होंने कहा कि एकत्रित आंकड़ों के आधार पर फसल की खरीद भंडारण सहित अन्य किसान हितैषी नीति बनाने में मदद मिलती है। सभी किसानों को ऑनलाइन अपनी फसलों का ब्यौरा भरते समय सही जानकारी देनी चाहिए। मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर जो जानकारी किसानों द्वारा अपलोड की गई है, उसकी फिजिकल वैरिफिकेशन के लिए उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने मिसमैच पाए गए मेरी फसल मेरा ब्यौरा के विवरण को सजरा से मिलान किया तथा टैब पर अपलोड किया गया विवरण जांचा। उपायुक्त ने मौके पर पटवारी के सजरे से फसल का मिलान किया तथा मिसमैच को खसरा से मिलान किया। उपायुक्त ने गिरदावर व पटवारी द्वारा की गई गिरदावरी की पड़ताल की जांच की।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने दस हजार रुपए के इनामी बदमाश को दबोचा

फिरोजपुर झिरका। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुये बताया कि अपराध जांच शाखा रोजकामेव टीम को राजस्थान पुलिस के 10,000 रुपये के इनामी बदमाश को अवैध हथियार सहित दबोचने में कामयाबी मिली है । प्रभारी अपराध शाखा रोजकामेव उप-निरीक्षक बीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित एक टीम गस्त के दौरान अडबर चौक नूंह पर मौजूद थी । इस दौरान गुप्त सूचना मिली कि मुबारिक उर्फ मुब्बा पुत्र उस्मान निवासी साकरस थाना फिरोजपुर झिरका का रहने वाला है और अपने पास अवैध हथियार रखता है । जो घर पर जाने के लिये सवारी के इंतजार में गांव सलम्बा नूंह- गुरुग्राम रोड पर खडा है । सूचना के मुताबिक सीआईए टीम गुप्तचर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंची, जहां पर एक युवक पुलिस पार्टी को देखकर तेज तेज कदमों से चलने लगा । जिसे पुलिस टीम ने काबू कर लिया । पूछताछ में युवक ने अपना नाम मुबारिक उर्फ मुब्बा पुत्र उस्मान निवासी साकरस थाना फिरोजपुर झिरका बताया । जिसकी तलाशी लेने पर कब्जा से एक देसी कट्टा लोड हुआ मिला । देसी कट्टा को खोलकर चेक किया तो उसके अंदर एक जिंदा कारतूस था । जिस सम्बध में थाना सदर नूंह में सम्बधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज रिजस्टर करके मुकदमा में आरोपी मुबारिक उर्फ मुब्बा उपरोक्त को मुकदमा में नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी मुबारिक उर्फ मुब्बा पर उपरोक्त मुकदमा के अतिरिक्त वर्ष 2016 थाना खंडार जिला सवाई माधोपुर राजस्थान में चोरी का एक मामला दर्ज है । जिसमें वह फरार चल रहा है । मामले में राजस्थान पुलिस ने मुबारिक उर्फ मुब्बा उपरोक्त पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ है । राजस्थान पुलिस को भी उपरोक्त आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में सूचित कर नियमानुसार अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है ।

जेबीटी कॉलेज मरोड़ा में रोजगार मेला 21 सितम्बर को

मेवात। जेबीटी कॉलेज मरोड़ा नूंह के प्रांगण में 21 सितम्बर को प्रातः नौ बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। सभी व्यवसायों के आईटीआई पास विद्यार्थी इस रोजगार मेले में भाग लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। आईटीआई नूंह के प्रधानाचार्य सुधीर कुमार ने बताया कि 21 सितंबर को लगने वाले इस रोजगार मेले में माइक्रोमैक्स प्राइवेट लिमिटेड भिवाडी, ऑटो मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड, रोहतक,लोटे इंडिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रोहतक, पर्ल वॉटर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड 12डी, सेक्टर-37 उद्योग विहार-6, गुड़गांव, बडवे प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद (गुजरात) , जय भारत मारुति लिमिटेड ऑटोमोबाइल। कंपनी अहमदाबाद (गुजरात), मैसर्स एमएमटीसी-पीएएमपी इंडिया प्रा. लिमिटेड, नूंह, टेक्निको इंडस्ट्रीज लिमिटेड बावल प्लॉट नंबर 19-21 और 36-38, सेक्टर-06, एचएसआईआईडीसी, बावल, रेवाड़ी हरियाणा, ऑटोलिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड झज्जर, हरियाणा, स्टैम्प स्कूल और सोम्मापा स्प्रिंग प्राइवेट लिमिटेड, रोजका मेव आदि कंपनियां भाग लेंगी। हरियाणा राज्य की आईटीआईयों से पास विद्यार्थी, जिनकी आयु 18 से 27 वर्ष तक है वे इस रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी के नियमानुसार निर्धारित मानदेय दिया जायेगा। उन्होंने आईटीआई पास विद्यार्थियों का आह्वान किया है कि वे अधिक से अधिक इस रोजगार मेले में भाग लें।

दो गोवंश व टेंपो सहित चालक काबू, केस दर्ज

तावडू। उपमंडल के सोहना-तावडू मार्ग पर गांव शिकारपुर मोड़ से पुलिस ने गो तस्करी के आरोप में दो गोवंश सहित टेंपो सहित एक व्यक्ति को काबू किया है। जिसकी पहचान कन्हैया लाल पुत्र चंद्रपाल निवासी ओखला दिल्ली के रूप में हुई है,पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सदर थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सूचना मिली कि टेंपो चालक कन्हैयालाल छोटा हाथी टेंपो में दो गोवंश को तस्करी कर राजस्थान लेकर जाएगा,जिसे सोहना मार्ग शिकारपुर मोड पर नाकाबंदी कर काबू किया जा सकता है।

पायनियर क्लासीफाइड

नाम परिवर्तन

मैं, मौ0 शाद (आधार नम्बर 3360 5949 2486) पुत्र श्री मौ0 कासिम निवासी फिरोजपुर नमक तहसील व जिला नूंह ब्यान करता हूं, कि मेरे आधार कार्ड व सभी कागजात में मेरा नाम मौ0 शाद पुत्र मौ0 कासिम लिखा हुआ है, जो कि सही है, गलती से मेरे पासपोर्ट (पासपोर्ट नम्बर H4671906) में मेरा नाम शाद पुत्र श्री कासम लिखा हुआ है, जो कि गलत है, मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम मौ0 शाद पुत्र मौ0 कासिम किया जाये। मेरे द्वारा दी गई जानकारी में गलत पाया जाता हूं तो उसके लिए मैं स्वंय जिम्मेवार रहूंगा।

बेदखली सूचना

मैं, मुकेश कुमार भार्गव पुत्र श्री ग्यासी लाल भार्गव निवासी मकान नम्बर-65, गांव गाजीपुर, फरीदाबाद, हरियाणा का हूँ, अपने पुत्र सन्नी व पुत्रवधु नेहा जोशी को अपनी सभी चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल करता हूँ, जो कि मेरी आज्ञा में नहीं है, उनके द्वारा किये गये किसी सम्बन्ध, कार्य पुराना व नया पैसे का लेन-देन, झगड़ा, मार-पीट, पुलिस केस, कोर्ट केस आदि से मेरा व मेरे परिवार के किसी सदस्य का कोई सरोकार नही होगा। हमारा कोई कानूनी रिश्ता नही होगा।

बेदखली सूचना

मैं, बनवारी लाल पुत्र श्री राम प्रसाद निवासी रेलवे स्टेशन के पास, कैलाश नगर, तहसील व जिला पलवल ब्यान करता हूं, कि मेरा पुत्र हरीश कुमार व पुत्रवधु नीशा मेरे कहने-सुनने से बाहर है तथा हमसे रोजाना लड़ाई-झगड़ा करते है, इसलिए मैंने अपने पुत्र हरीश व पुत्रवधु नीशा को अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में यह दोनों किसी व्यक्ति के साथ लेन-देन या पुलिस केस व कोर्ट केस आदि करते है तो उसके लिए वह स्वंय जिम्मेवार होंगे, मेरी व मेरे परिवार के अन्य किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बेदखली सूचना

मैं, श्रीमति गीता पत्नी स्वर्गीय श्री प्रभुदयाल निवासी ग्राम दुधौला तहसील व जिला पलवल ब्यान करती हूं, कि मेरा पुत्र तिलकराज व पुत्रवधु कविता मेरे कहने-सुनने से बाहर है तथा हमसे रोजाना लड़ाई-झगड़ा करते है, इसलिए मैंने अपने पुत्र तिलकराज व पुत्रवधु कविता को अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में यह दोनों किसी व्यक्ति के साथ लेन-देन या पुलिस केस व कोर्ट केस आदि करते है तो उसके लिए वह स्वंय जिम्मेवार होंगे, मेरी व मेरे परिवार के अन्य किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बेदखली सूचना

मैं, चंदर पुत्र श्री मवासी निवासी वाल्मीकि मंदिर के पास, औरंगाबाद तहसील व जिला पलवल ब्यान करता हूं, कि मेरा पुत्र सागर मेरे कहने-सुनने से बाहर है तथा हमसे रोजाना लड़ाई-झगड़ा करते है और गलत संगत में पड़ा हुआ है, इसलिए मैंने अपने पुत्र सागर को अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में यह किसी व्यक्ति के साथ लेन-देन या पुलिस केस व कोर्ट केस आदि करता है तो उसके लिए वह स्वंय जिम्मेवार होगा, मेरी व मेरे परिवार के अन्य किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सार्वजनिक सूचना

मैं, राजवती पत्नी स्व0 गिर्राज सिंह निवासी 849, सूबेदार कॉलोनी, ऊँचा गाँव, बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद ने अपने पुत्र पंकज व पुत्रवधू रेनू रंजन जो मेरे कहने से बाहर है, के कारण मैंने इनको अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर अपने सभी संबंध समाप्त कर दिया है। भविष्य में इनसे लेनदेन करने वाले व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होंगे।

गुरुग्राम विवि के नए कैंपस में हर्बल गार्डन स्थापित

गुरुग्राम विश्वविद्यालय के नए कैंपस में पौधारोपण करते पहुंचे कुलपति, अतिथि व विद्याथी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम विश्वविद्यालय के सेक्टर-87 में निर्माणाधीन नए कैंपस में सोमवार को डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज की ओर से हर्बल गार्डन का उद्घाटन किया गया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने तुलसी का पौधा लगाकर हर्बल गार्डन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सरपंच सुंदर लाल यादव, समाजसेवी विजय सिंह चौहान नंबरदार ने भी पौधारोपण किया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने उपस्थित शिक्षकों तथा विद्यार्थियों से पौधों के औषधीय गुणों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान हर्बल गार्डन सहित पूरे कैंपस में हरियाली के लिए 10 हजार पौधे लगाने की शुरुआत भी की गई। पहले दिन 250 विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों, कर्मचारियों, स्थानीय ग्रामीणों और टीबीएफ के सदस्यों ने पौधे लगाए। नियमित तौर पर इन पौधों की देखरेख करके भविष्य में कैंपस में हरियाली बनाए रखने पर काम होगा।

हर्बल गार्डन में हरड़, इमली, जामुन, महुवा, कचनार, आंवला, अमरुद, कटमोली, अशोक, बरगद, पीपल, आम, नीम, शहतूत, कबीला सहित 50 प्रकार के हर्बल पौधे लगाए गए। जीयू की एनएसएस इकाई और टीबीएफ के संयुक्त तत्वाधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के नए परिसर में यह हर्बल गार्डन छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को भविष्य में रोग मुक्त जीवन जीने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हर्बल गार्डन से यूनिवर्सिटी के आसपास का वातावरण रोग मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि पृथ्वी को बचाने के लिए पौधारोपण के साथ उसका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। हम सभी को अपने जीवन में समय निकालकर अधिक से अधिक पौधे लगाकर धरती को सुंदर बनाने में अपना योगदान देना चाहिए।

कामकाजी महिला आवास के नवनिर्माण को लेकर एडीसी ने दिए निर्देश

एडीसी हितेश कुमार मीणा ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ किया दौरान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा ने सोमवार को सिविल लाइन स्थित कामकाजी महिला आवास का दौरा किया। इस दौरान जिला रेड क्रॉस सचिव विकास कुमार, पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन चरनदीप राणा, जेई अमन, रेड क्रॉस के लेखाकार कुणाल मंगला भी मौजूद रहे। एडीसी ने कामकाजी महिला आवास को नए सिरे से बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

गुरुग्राम के विस्तार को देखते हुए कमरों की संख्या भी बढ़ाने की बात कही। जिला रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित कामकाजी महिला आवास काफी समय पूर्व बनाया गया था। यह इमारत काफी पुरानी हो चुकी है। कमरे भी मात्र 40

कामकाजी महिला आवास का निरीक्षण करते एडीसी हितेश कुमार मीणा।

ही हैं, जबकि मांग अधिक रहती है। ऐसे में कामकाजी महिला आवास को तोड़कर नया बनाने का विचार काफी समय से चल रहा है। इसी को लेकर सोमवार को एडीसी हितेश कुमार मीणा ने यहां का दौरा किया।

जिला रेड क्रॉस सचिव विकास कुमार ने उन्हें अवगत कराया कि गुरुग्राम शहर काफी बढ़ चुका है। यहां आवास में कमरों की मांग अधिक रहती है। महिलाओं के रहने के लिए सबसे सुरक्षित स्थान कामकाजी महिला आवास है। ऐसे में यहां पर कमरे बढ़ाए जाने चाहिए। पुरानी इमारत को अधिक समय तक नहीं रखा जा सकता। इसलिए इसे तोड़कर नया बनाने पर विचार प्रशासन का सकारात्मक कदम है। कामकाजी महिला आवास की वार्डन कविता सरकार ने आवास के कमरों के बारे में बारीकी से एडीसी को जानकारी दी।

ग्राम पंचायतों के सामने आयुष्मान शिविर लेंगे 17 से 31 सितम्बर तक

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

डेंगू व मलेरिया जैसी जान ले बीमारी से बचने के तौर तरीके बताएं जाएंगे

खंड की सभी 35 ग्राम पंचायतों में केन्द्र सरकार की आयुष्मान योजना के तहत स्वास्थ्य जांच के शिविर लगाएं जाएंगे। इसके साथ-साथ ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच भी की जाएगी। ग्रामीणों को डेंगू व मलेरिया जैसी जान लेवा बीमारी से बचाव के तरीके भी बताएं जाएंगे।

पंचायत विभाग ने केन्द्र सरकार की आयुष्मान योजना को प्रत्येक नागरिक तक लाभ पहुंचाने का फैसला लिया है। ताकि आयुष्मान योजना के अंतरगर्त आने वाले नागरिक उसका पूरा लाभ उठाते हुए अपने स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रख सके। पंचायत विभाग ने खंड की सभी 35 ग्राम पंचायतों में 17 से 31 सितम्बर तक प्रत्येक पंचायत में आयुष्मान शिविर लगाने के कवायद शुरु कर दी है। यह कवायद रविवार से शुरु की गई है। सभी ग्राम पंचायतों को खंड कार्यालय से आदेश जारी करके लगने वाले शिविर की जानकारी मुनादी कराके दी जा रही है। ताकि ग्रामीण शिविर लगने वाले दिन बताएं जाने वाले स्थान पर पहुंचकर अधिक से अधिक लाभ ले सके।

डेंगू व मलेरिया से किया जाएगा जागरुक :आयुष्मान शिविर में डॉक्टरों की टीम भी मौजूद रहेगी। डॉक्टरों की टीम ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करेगी। साथ में नागरिको बरसाती मौसम के बाद फैसलने वाले डेंगू व मलेरिया जैसी जान ले बीमारी से बचने के तौर तरीके बताएं जाएंगे।

आयुष्मान कार्ड की जानकारी : ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड योजना क्या है। इस योजना का नागरिकों को क्या-क्या स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। नागरिकों को कौन-कौन से अस्पताल में अपना 5 लाख रुपये तक का उपचार एक साल में फ्री मिलेगा। कौन-कौन सी बीमारियों को फ्री में उपचार सुविधा नागरिक ले सकेंगे। आयुष्मान कार्ड बनवाना क्यो जरुरी समेत केन्द्र सरकार की इस योजना से क्या-क्या लाभकारी योजनाएं जुड़ी है।

शहर में सीवर लाइन चौक की जैटिक मशीन से खोले जाएंगे

जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा सोहना बंद सीवर लाइन को जैटिक मशीन से खोलते हुए।

> **शहर** में सीवर कनेक्शन लेने वालों की संख्या कम और उसका उपयोग करने वालों की संख्या पांच से छह गुणा अधिक है। सीवर लाइन की सफाई के बाद अवैध सीवर कनेक्शनों को अभियान चालकर बंद किया जाएगा।
>
> **(ओमप्रकाश-एसडीओ जनस्वास्थ्य विभाग)**

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

जनस्वास्थ्य विभाग ने शहर में सीवर लाइन चौक की समस्या से निपटने के लिए जैटिक मशीन का बंद सहारा लिया है। शहर में जहा-जहा सीवर लाइन चौक होने से गंदा पानी आम रास्ते व सड़कों पर आ रहा है। वहा-वहा उक्त मशीन को लगाकर चौक हो रही सीवर लाइनों को खुलावाने की कवायद शुरु कर दी है।

जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर में फैली करीब 105 किलोमीटर लंबी लाइन की देखरेख के लिए पिछले चार माह से एजेंसी की तलाश कर ही है। जिसके लिए विभाग द्वारा तीन बार टेंडर लगाकर एजेंसी को बुलाया गया है। लेकिन तीनों बार में विभाग को किसी ना किसी कारण के एजेंसी नहीं मिली है। वहीं दूसरी तरफ शहर में चरमराई सीवर लाइन चौक होने की समस्या दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। विशेष रुप से बरसात होने पर तो सीवर लाइन चौक होने की समस्या सबसे अधिक हो बढ़ जाती है। विभाग ने अब स्वयं ही सीवर लाइन की समस्या से निपटने का मन बना लिया है। विभाग ने किराए पर जैटिक मशीन को हायर किया है। जिसके माध्यम से शहर में जहां-जहा सीवर लाइन जाम हो रही है। वहा पर प्राथमिकता के आधार पर लाइनों को खुलवाने की कवायद शुरु कर दी है।

वार्ड- 6 से की सीवर लाइन की शुरुआत : जनस्वास्थ्य विभाग ने करीब चार साल पहले शहर की नई कॉलोनियों में सीवर लाइन डाली गई थी। लेकिन नागरिकों द्वारा सीवर कनेक्शन न लेने के कारण लाइन को चालू नहीं किया गया था। जिससे अब यह समस्या विकरा रुप ले चुकी थी। वार्ड 6 के पार्षद राकेश रोहिल्ला ने बताया कि हरिनगर, अंबेडकर कॉलोनी और फेंड्स कॉलोनी में नई व पुरानी सीवर लाइन चौक होने से आम रास्तों में गंदा पानी बह रहा है।

विभाग करेगा 5 हजार चैम्बरों की सफाई : शहर के अंदर बिछी करीब 105 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन पर बनें 5 हजार से 5500 चैम्बरों की सुफाई जैटिक मशीन से सफाई की जाएगी। ताकि सीवर चौक होने की समस्या से छुटकारा मिल सके। वर्तमान समय में 20 से 30 फीसदी चैंबर चौक होने के कारण बंद पानी उगल रहे है। शहर के अंदर 40 फीसदी नई आबादी वाले क्षेत्र में ही सीवर लाइन चौक है। विभाग के जेई अंकित कुमार ने बताया कि सीवर चौक के सबसे बड़ा कारण नालियों शहरवासियों द्वारा गंद से भरी पोलीबैग को फेंकना।

गांव शिकारपुर में पहुंचे एसडीम, ग्रामीण विकास में नहीं आएगी कमी

तावडू। उपमंडल के गांव शिकारपुर में सोमवार को तावडू उपमंडल अधिकारी संजीव कुमार ग्रामीणों की समस्याएं सुनने पहुंचे,जहां पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।सरकारी योजनाओं को धरातल पर लागू करने के लिए सभी ग्रामीणों को ग्राम पंचायत का सहयोग करने की जरूरत है।इस दौरान एसडीएम ने ग्राम पंचायत की कार्यशैली से प्रसन्न होकर सरपंच प्रतिनिधि व पूर्व विधायक शहीदा खां की प्रशंसा करते हुए कहा कि जो गांव कल तक मादक तस्करी के लिए दूर-दूर तक बदनाम था आज उसी गांव के युवा नशे की लत को छोड़ आगे बढ़ रहे हैं। एसडीएम ग्रामीणों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि प्रशासन की तरफ से गांव के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।गांव में जो जल भराव की समस्या है उसका भी निदान किया जाएगा। पंचायत विभाग के अधिकारियों को इसके निर्देश दे दिए गए हैं।शिकारपुर चौराहा सोहना-तावडू मार्ग पर जो जल भराव के चलते सड़क टूट चुकी थी उसके कारण भारी जाम लगता था,उसको भी कंक्रीट का बनाया जाएगा। इसके साथ ही केएमपी पुलिया के नीचे जो सड़क टूटी हुई है सीमेंटेड रोड बनाकर लोगों को राहत दी जाएगी। एसडीम संजीव कुमार ने युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत का साथ देकर जो उन्होंने शानदार पहल की है यह दूसरे गांवों के लिए मिसाल बन गई है। नशे के कारण ही युवा पीढी अपराध की ओर बढ़ रही हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गांगुली, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

निपाह वायरस
संकट का कारण

निपाह वायरस गंभीर संकट का कारण बन सकता है, इसलिए उससे निपटने की फौरन कार्रवाई होनी चाहिए। मानव जीवन पर न केवल निकट भविष्य में अनुमान योग्य बड़े खतरे, जैसे धरती की छुद्र ग्रह से टक्कर या नाभिकीय युद्ध सामने आ सकते हैं, बल्कि अदृश्य रोगकारकों में भी मानव जाति को समाप्त करने की क्षमता है। तीन साल पहले कोरोनावायरस-19 ने जिस भयानक विभीषिका को जन्म दिया था, उसे देखते हुए ऐसे खतरों के लिए किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। उसने सारी दुनिया को घुटने टेकने पर मजबूर किया था तथा आवश्यक सामग्री की इतनी कमी हो गई थी कि लोगों को सामूहिक अंतिम संस्कार करने पड़े थे। ईश्वर की कृपा से इतनी गंभीर व व्यापक समस्या फिलहाल नहीं है, पर हमें एक और झटका लगा है। एक और घातक वायरस निपाह मानव जीवन को खतरे में डाल रहा है, हालांकि इसकी व्यापकता कम है। निपाह वायरस

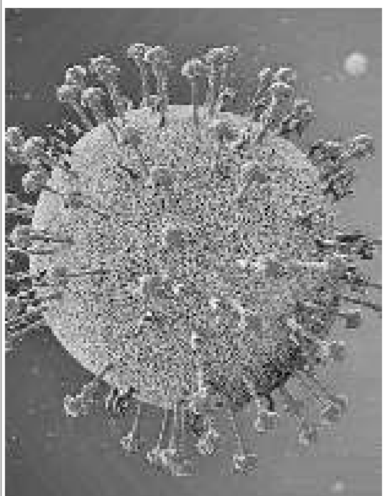

वर्तमान समय में केरल में बहुत तेजी से फैल रहा है। इसके कारण पांच लोगों की जान जा चुकी है तथा सैकड़ों अन्य में भी लक्षण दिख रहे हैं। निपाह वायरस एक खतरनाक 'ज़ूनोटिक' रोगकारक है और हालिया वर्षों में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए चिन्ता का कारण बन गया है। अधिकारियों को केरल में शिक्षा संस्थान बंद करने पड़े हैं और पूरा देश अत्यधिक सतर्क है। वायरस का संक्रमण पहले जानवरों से मनुष्यों में होता है और कभी-कभी यह मनुष्यों से मनुष्यों में फैलता है। निपाह वायरस प्राकृतिक रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों में पाए जाते हैं। ये चमगादड़ अपनी लार, मूत्र व मल के संपर्क में आने वाले फलों तथा अन्य सतहों को प्रदूषित कर देते हैं।

प्रदूषित फल खाने या संक्रमित जानवरों के निकट संपर्क में आने से वे वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। मानव से मानव में संक्रमण, संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक द्रवों के सीधे संपर्क में आने से होता है और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। जलवायु परिवर्तन तथा शहरीकरण से निपाह वायरस के भौगोलिक विस्तार में सहायता मिलनी संभव है क्योंकि इससे फल खाने वाले चमगादड़ों का भी विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार होता है। 2018 में भारत में इसके संक्रमण के समय 21 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। निपाह वायरस की पहचान सबसे पहले 1999 में मलेशिया में हुई थी और वहां से यह भारत, फिलीपीन्स व बांग्लादेश समेत कई देशों में फैला। कोविड-19 और निपाह वायरसों में काफी समानतायें हैं। निपाह अत्यधिक घातक है, इसकी मृत्यु दर 40-70 प्रतिशत हो सकती है, इसका कोई इलाज नहीं है तथा यह तेजी से फैलता है। अच्छी खबर यह है कि कोझीकोड में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-आईसीएमआर को इसकी 'मोनोक्लोनल एंटीबाडी' मिल गई है जिससे संक्रमित लोगों का इलाज किया जा सकता है। सरकार के पास फिलहाल इससे निपटने के लिए एंटीवायरल इलाज एकमात्र विकल्प है, लेकिन इसकी प्रभावशीलता चिकित्सकीय रूप से पुष्ट नहीं है। इस परिदृश्य में एकमात्र समझदारी वाला व्यावहारिक दृष्टिकोण वायरस को सीमित रखना तथा इसके प्रसार पर निगरानी है। इसके लिए बिना घबराहट पैदा किए जन-जागरूकता की जरूरत है। वैक्सीन की खोज जारी है। प्रभावी वैक्सीन से ज्यादा संकट वाले लोगों, जैसे स्वास्थ्यरक्षा कर्मियों व अधिक संक्रमण वाले क्षेत्रों में रहने वालों को सुरक्षा दी जा सकती है। हमें निपाह वायरस से उसी प्रकार संघर्ष कर उसे पराजित करना है जिस प्रकार हमने कोरोनावायरस के मामले में किया है।

छात्रों की आत्महत्या पर लगाम जरूरी

कॅरियर तलाशने वालों की समुचित काउंसेलिंग जरूरी है ताकि उनको परीक्षा संबंधी तनाव से बचा कर अवसाद व निराशा से बचाने का प्रशिक्षण दिया जा सके।

देवेश विजय
(लेखक, सेवानिवृत्त असोसिएट प्रोफेसर हैं)

हाल ही में प्रमुख स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अनेक छात्रों की आत्महत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। अनेक टिप्पणीकारों ने स्वाभाविक रूप से अपने जीवन के चरम समय पर आत्महत्या की प्रवृत्ति रोकने पर चिन्ता प्रकट की है। अनेक लोगों द्वारा इस विभीषिका से निपटने के लिए परीक्षाओं का दबाव रोकने के उपायों का सुझाव दिया गया है। इसके साथ ही विविध क्षेत्रों में कॅरियर विकल्पों के विस्तार की बात भ्भी कही गई है क्योंकि वर्तमान समय में उनके लिए विकल्प बहुत सीमित हैं। इसके साथ ही उन कोचिंग संस्थानों पर नियंत्रण के सुझाव भी दिए गए हैं जो छात्रों के दृष्टिकोण व प्रतिभा पर गौर किए बिना अधिकाधिक प्रवेश लेने का प्रयास करते हैं। इसके लिए माता-पिता व छात्रों को सही सूचनायें नहीं दी जाती हैं, जबकि उनको कॅरियर संबंधी सही सलाह मिलना बहुत जरूरी है। वैसे तो ये सुझाव ठीक हैं, पर अवसाद व निराशा की विभीषिका से बचाने के लिए काफी नहीं हैं जो लगातार ज्यादा से ज्यादा किशोरों को अपने दायरे में समेट रहे हैं। वास्तव में छात्रों की आत्महत्याओं के कारण व्यापक रूप से समझने की जरूरत है। इसके साथ ही ऐसे आंशिक उपायों से बचने की भी जरूरत है जो समस्याओं का समाधान निकालने के बजाय वास्तव में अपरिहार्य रूप से समस्याओं को बढ़ा देते हैं। समस्या के संपूर्ण समाधान के लिए हमें छात्रों की मानसिक स्थिति समझने की जरूरत है।

हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि आत्महत्या की समस्या केवल छात्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह 15-29 आयुवर्ग के युवाओं में भी व्यापक रूप से पाई जाती है। इसके साथ ही पूरी जनसंख्या में भी आत्महत्या की प्रवृत्ति देखी जाती है, हालांकि इसकी दर यहां थोड़ी कम है। दूसरा, यह परिघटना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्यादा खतरनाक रूप से अमेरिका, रूस, ब्रिटेन आदि देशों में भी पाई जाती है। यह समस्या लड़कियों व युवा महिलाओं में भी है। भारत में छात्र आत्महत्यायें 2017 से 2021 के बीच 9905 से बढ़ कर 13089 हो गई हैं। हालांकि, इसी कालखंड में हमारी पूरी जनसंख्या में आत्महत्या की दर 10.5 प्रति लाख से बढ़ कर 12 प्रति लाख हो गई है। इसके साथ ही यह तथ्य ज्यादा चिन्ताजनक है कि युवाओं की आत्महत्या की दर सभी आत्महत्याओं की तुलना में खतरनाक ढंग से बढ़ी है और वर्तमान समय में यह कुल आत्महत्याओं में एक तिहाई हो गई है। लेकिन ये आंकड़े राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार केवल पंजीकृत आत्महत्याओं के हैं।

आशंका है कि कुल वास्तविक आत्महत्याओं में से केवल पांचवां या दसवां हिस्सा ही पंजीकृत मामलों के रूप में सामने आता है। इसका कारण आत्महत्या से जुड़ी भावनाओं, पूर्वाग्रहों तथा इस कृत्य से जुड़ी आपराधिक परिणामों से है। यह बात 'इंडियन जर्नल आफ साइकोलोजी' में प्रकाशित कई अध्ययनों से स्पष्ट होती है। जैसा कि पहले संकेत किया जा चुका है, 2000 के दशकांत में दुनिया के अधिकांश देशों में आत्महत्या की दरों में वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में 15-19 साल के किशोरों में 2012 में आत्महत्या के मामले प्रति लाख 8 थे जो 2021 में बढ़ कर प्रति लाख 12 हो गए।

इस प्रकार नौजवानों में आत्महत्या के पीछे परीक्षाओं के कारण पैदा होने वाला तनाव केवल आंशिक कारण है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि 1995 से 2020 के बीच पैदा 'जेनरेशन जेड' और पिछले दशक में पैदा होने वाली 'जेनरेशन अल्फा' में आत्महत्याओं की स्थिति और खराब है। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों की तुलना में पश्चिमी देशों में समस्या अधिक गंभीर है। पिछले वर्षों में नौजवानों की संस्कृति में ऐसी अनेक चीजें घट रही हैं जो चिन्ता का कारण हैं। नौजवानों में परेशानी के कारणों को व्यापक रूप से समझने के लिए सरकारों तथा सिविल सोसाइटी की सहभागिता जरूरी है।

इसके साथ ही सरकार व सिविल सोसाइटी को आत्महत्याओं की बढ़ती प्रवृत्ति रोकने के लिए समुचित कार्रवाई भी करनी चाहिए। युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं का कारण उनके जीवन के भीतर तथा उसके बाहर मौजूद है। बाहरी कारकों को देखें तो आज दुनिया के सभी देशों में नौजवानों की दुनिया में बहुत कुछ ऐसा घट रहा है जिससे पहले की तुलना में उनका जीवन ज्यादा आरामदेह हुआ है। आज अनेक मामलों में प्रगति से नौजवानों का आगे बढ़ना आसान हो गया है। इसमें राज्य द्वारा कल्याणकारी गतिविधियों में वृद्धि, अनेक गैजेटों व सुविधाओं की वृद्धि तथा सभी संस्कृतियों में युवाओं को मिलने वाला ज्यादा सम्मान व स्वतंत्रता शामिल हैं। इसके साथ ही जीवन मानकों में सामान्य सुधार, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, साक्षरता व जागरूकता, आदि के कारण पोस्ट-मार्डन दुनिया में 'स्वतंत्रताओं' का विस्तार हुआ है। इसके साथ ही पिछली दो पीढ़ियों में शिक्षाशास्त्र, तथा छात्रों के प्रति शिक्षकों व माता-पिता के दृष्टिकोण में भी सुधार हुआ है। इससे छात्रों तथा नौजवानों पर दबाव कम होने की उम्मीद की जाती है। लेकिन उम्मीदों के विपरीत नौजवानों में बीमारियों, मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों तथा आत्महत्याओं में वृद्धि दिखाई पड़ रही है। इस विरोधाभासी प्रवृत्ति को अक्सर उम्मीदों के 'विस्फोट' और उसके कारण पैदा समस्याओं के रूप में देखा जाता है। इसमें सोशल मीडिया की भी भूमिका है जिसने नौजवानों को प्रभावित किया है। 2000 के दशकांत में इसका प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों तक फैल गया है। इसके साथ ही भारत में कोचिंगों का आक्रामक विस्तार भी कारण है जो छोटे कस्बों व शहरों तक फैल गई हैं। शिक्षित नौजवानों के लिए रोजगारों की कमी के कारण हमारे संघर्षशील नौजवानों में चौतरफा निराशा का माहौल व्याप्त हो गया है।

लेकिन सोशल मीडिया से संपर्क तथा रोजगार का निराशाजनक परिदृश्य ही हमारे नौजवानों को वर्तमान समय में ग्रस्त करने वाली एकमात्र समस्या नहीं है। नशीली दवाओं की संख्या में वृद्धि, पारिवारिक व अन्य संबंधों में विघटन, बढ़ते तलाक व बिना बच्चों वाले युगलों की बढ़ती संख्या, जंक फूड व आरामतलब जीवनशैली के कारण पैदा समस्यायें, एयरकंडीशन जीवनशैली तथा खासकर नौजवानों में घटता 'विश्वास' लगातार संवेदनशील किशोर सोच पर भयावह प्रभाव डाल रहे हैं।

परोक्ष रूप से वर्तमान पोस्ट-मार्डन दुनिया में फर्जी विचारधाराओं की वृद्धि ने भी युवा मस्तिष्कों को 'पंगु' बना दिया है। इसके चलते हर संभव प्रकार के अल्पसंख्यकों को बढ़ावा मिल रहा है जो स्वयं को पीड़ित की तरह पेश करते हैं। हमें यह सोचने व इस पर शोध करने की आवश्यकता है कि 'साफ्ट पैरेंटिंग' तथा छात्रों में तनाव घटाने के लिए 'स्व-शिक्षण' जैसी गतिविधियां मानसिक परेशानी बढ़ा कर आत्महत्या के ऐसे कारण पैदा कर सकती हैं जो हमारे पूर्वजों में कभी नहीं पाए जाते थे। ऐसे में सवाल उठता है कि इस विरोधाभासी परिदृश्य में समस्याओं का समाधान कैसे किया जाए?

एक प्रमुख रणनीति शिक्षाशास्त्र या शिक्षा में सुधार करना है जिसमें औपचारिक शिक्षा के साथ ही दबाव कम करने व चरित्र निर्माण पर ध्यान दिया जाए। इसके लिए ध्यान व फिटनेस प्रशिक्षण तथा जीवनियों व बायोपिक्स का चयन किया जा सकता है। छात्र स्वयं इनका चयन पुस्तकालयों से या आनलाइन कर सकते हैं। छात्रों का हर स्तर पर मूल्यांकन करने के लिए इनका महत्व रेखांकित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही कॅरियर गाइडेंस व कौंसिलिंग को सभी सीनियर स्कूलों में उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि छात्रों को कॅरियर के बारे में सही जानकारी मिल सके। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर ऐसे अनजाने ट्रोल पर लगाम लगाने के लिए उपयुक्त कानून बनने चाहिए जो परिवार मूल्यों को नष्ट करते हैं। हमारी आदिमकालीन पुलिस व्यवस्था, अधीनस्थ न्यायपालिका तथा कल्याणकारी उपायों की डिलीवरी में लंबित सुधार फौरन किए जाने चाहिए। इससे जेनरेशन अल्फा का मनोबल बढ़ेगा तथा रोजगार व सामाजिक जीवन में आई गंभीर तकनीकी बाधाओं के प्रभाव से मुक्ति मिलेगी।

खेलों से वंचित पहाड़ी क्षेत्रों की लड़कियां

> उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में युवा महिलाओं को खेल की सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए ताकि वे पसंद के खेलों में उत्कृष्टता हासिल कर सकें।

मीना लिंग्दिया
(लेखिका, बागेश्वर के एक विद्यालय की छात्रा हैं)

हाल ही में वायरल सनसनी में, फ्रांसीसी पुरुष फुटबॉल टीम के दो मिनट के एक मनमोहक वीडियो ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। क्लिप में खिलाड़ियों को मैदान पर बेजोड़ जुनून और असीम ऊर्जा दिखाते हुए दिखाया गया। लेकिन यहां एक ऐसा मोड़ आया जिसने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया- आधे रास्ते में, यह खुलासा हुआ कि प्रदर्शन पर उत्साही एथलीट पुरुषों की टीम नहीं थे, बल्कि बेहद प्रतिभाशाली महिला फुटबॉल टीम थी। इस रहस्योद्घाटन को और अधिक दिलचस्प बनाने वाली बात यह थी कि पूरा असेंबल, वास्तव में, एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया डीपफेक था। इस रचनात्मक विज्ञापन ने एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य किया कि खेल की दुनिया में, लिंग कभी भी एक सीमित कारक नहीं होना चाहिए।

हालांकि, भारत में खेल काफी हद तक पुरुषों और पुरुषत्व से जुड़ा हुआ है क्योंकि महिलाएं इस क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं। 2020 में बीबीसी द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट से पता चला कि 30 प्रतिशत से कम भारतीय महिलाएं कोई खेल खेलती हैं। इससे यह भी पता चला कि 37 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि महिला एथलीटों में पर्याप्त स्त्रैणता नहीं है, और 38 प्रतिशत ने कहा कि महिलाओं की विशेषता वाले खेल पुरुषों की विशेषता वाले खेलों की तरह मनोरंजक नहीं हैं। खेल के क्षेत्र में ये लैंगिक पूर्वाग्रह विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट हो जाते हैं, जहां महिलाओं को अपने घरों से बाहर निकलने की बुनियादी स्वतंत्रता को सुरक्षित करने के लिए गहरे पैठ वाले पितृसत्तात्मक मानदंडों और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, खेल को तो छोड़ ही दें।

उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के गरूर ब्लॉक के सुदूर गांवों में आज भी लड़कियों को खेलने के अवसर से वंचित रखा जाता है। यहां तक कि स्कूलों में भी उन्हें खेलों में भाग लेने से हतोत्साहित किया जाता है। खेलों में रुचि के बावजूद, गनीगांव गांव की 12वीं कक्षा की छात्रा कविता जैसी लड़कियां प्रतिबंधित महसूस करती हैं। कविता

कहती हैं, लड़कियों के लिए खेलना ज़रूरी है। जब मैं 10वीं कक्षा में थी, तो मुझे खेलने की बहुत इच्छा थी, लेकिन मेरे परिवार ने मुझे बाहर जाने की इजाज़त नहीं दी। उन्होंने कहा, खेलने से क्या फायदा? फोकस तुम्हारी पढ़ाई पर, लेकिन मेरा मानना है कि खेल को अब शिक्षा के अंतर्गत एक विषय माना जाना चाहिए। स्कूल और कॉलेज खेल को एक विषय के रूप में पढ़ाना शुरू कर रहे हैं, जहां लड़कियां अपना भविष्य बना सकती हैं। हालांकि, हमारे गांव में, लड़कियों को अभी भी खेलने से हतोत्साहित किया जाता है। उसी गांव की एक और 18 वर्षीय लड़की हेमा रावल का कहना है कि उनके गांव में लड़कियों को खेलने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता है। अगर कोई लड़की खेलों में आगे बढ़ना चाहती है और उसमें अच्छी है तो भी उसे खेलने नहीं दिया जाता। ऐसे मामलों में, परिवार के सदस्यों का तर्क है कि शादी के बाद खेल के लिए समय नहीं मिलेगा और घर के काम प्राथमिकता पर रहेंगे। यही कारण है कि हमारी प्रतिभा, पहचान और आकांक्षाएं दब जाती हैं क्योंकि हमें अवसर नहीं मिलते। लमचुला की 25 वर्षीय लड़की गीता देवी कहती हैं, यह सच है कि जिस तरह लड़कों के लिए खेलना जरूरी है, लड़कियों के लिए भी उतना ही जरूरी है। जो आजादी लड़कों को है वह लड़कियों को भी मिलनी चाहिए। अपनी शर्तों पर जीवन जीने का अधिकार। अगर कोई लड़की खेल में अपना भविष्य बनाना चाहती है, तो उसे यह अधिकार मिलना चाहिए। हमारे गांव में, हमें लड़कियों के खेलने के लिए आवाज उठानी होगी क्योंकि लोग सोचते हैं, लड़कियां इससे क्या हासिल करेंगी खेल रहे हैं? आखिरकार, उन्हें शादी और घर के कामों को प्राथमिकता देनी होगी।

45 साल की उम्र में रजनी देवी अपने बचपन को याद करती हैं जब वह और उनकी सहेलियां जोशीले खेल में व्यस्त रहती थीं। जब भी वे गुल्ली-डंडा जैसे खेल खेलते तो दर्शक उनका मज़ाक उड़ाते। यह तो लड़कों का खेल है, ताने मारेंगे। इससे रजनी ने सवाल उठाया कि ऐसी सीमाएँ क्यों मौजूद हैं। वे हमारे पसंदीदा खिलौनों से भी नहीं खेल सकते थे। उन्हें यह उन जैसी लड़कियों के लिए एक अनावश्यक प्रतिबंध जैसा लगा, जो एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से थीं। उस समय, उन्हें खेल की व्यापक दुनिया से बहुत कम संपर्क था, जहां लड़कियां लड़कों की तरह ही अपनी किस्मत बना सकती थीं। आज, जैसे-जैसे लड़कियां विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रही हैं, खेल के क्षेत्र में लैंगिक भेदभाव लगातार बना हुआ है। कभी-कभी, यह हैरान करने वाली बात होती है कि समाज यह समझने में कैसे विफल रहता है कि खेल खेलना लड़कियों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्हें भी, अपने जुनून के अनुसार अपने जीवन को आकार देने का अधिकार है। पास के चारसन गांव की सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रैंडी इस बात पर जोर देती हैं कि स्वस्थ रहने के लिए खेलना उतना ही जरूरी है जितना कि खाना और शिक्षा। लड़कियों के लिए खेल उतने ही आवश्यक हैं जितने लड़कों के लिए। यह प्रचलित लैंगिक पूर्वाग्रह है जो लड़कियों की खेल तक पहुंच को जटिल बनाता है। इस मुद्दे को हल करने के लिए, हमें मानसिकता बदलने का प्रयास करना चाहिए और साथ ही एक ऐसा वातावरण स्थापित करना चाहिए जो लड़कियों को खेलने की सुविधाएं प्रदान करे।

आप की बात

अमेरिका में हड़ताल

15 सितम्बर से अमेरिका में शुरू तीन ऑटोमोबाइल कार कंपनियों के 13 हज़ार कर्मचारियों की हड़ताल अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक है। इससे पहले इतने बड़े पैमाने में ऑटो सेक्टर में हड़ताल कभी नहीं हुई थी। दूसरे विश्व युद्ध के पहले 1936 में जनरल मोटर्स के कामगरों ने हड़ताल पर जाने का फैसला लिया था। हालांकि, फिलहाल जनरल मोटर्स, फोर्ड और क्रिसलर के सिर्फ असेंबली संयत्र के कर्मचारियों तक ये हड़ताल सीमित है। लेकिन अगर बात बिगड़ी तो शायद अन्य विभागों के कामगार भी हड़ताल करने को बाध्य हो जायेंगे। मजेदार बात है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन भी हड़ताल में शामिल यूनियन के साथ खड़े हो गए। उन्होंने मालिकों से अपील की जल्द से जल्द वार्ता करके हड़ताल को समाप्त किया जाय। मजदूरों ने 40 फीसदी वेतन वृद्धि की मांग की है, जबकि प्रबंधन 20 फीसदी तक देने को राजी हुए हैं। अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी इस मामले में चुप है क्योंकि वे उद्योगपतियों का साथ देते आ रहे हैं। इस हड़ताल में मजदूरों के साथ खड़े होकर डेमोक्रेटिक पार्टी ने सम्पूर्ण अमेरिकी श्रमिक वर्ग का दिल जीतने का प्रयास किया है। यदि जो बाइडेन श्रमिकों को ज्यादा लाभ दिला पाते हैं तो इसका लाभ निश्चित रूप से उनको चुनाव में मिलेगा।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

पाकिस्तान से खतरा

अमेरिकी परमाणु वैज्ञानिकों के अनुसार पाकिस्तान के पास परमाणु बम की संख्या बढ़कर 170 हो गई है और 2025 तक यह 200 के लगभग हो जाएगी। पाकिस्तानी आतंकवादी पूरे विश्व के लिए परेशानी का सबक बन रहा है। अफगानिस्तान की तरह यदि आतंकवादियों ने पाकिस्तान सत्ता पर भी कब्जा कर कर लिया तो आणविक आयुधों के कब्जे में आने के बाद पूरा विश्व विध्वंस की जद में आ जाएगा। एक और तो पाकिस्तानी जनता आटे के लिए तरस रही है तथा बिजली बिल व पेट्रोल के दामों को लेकर सड़क पर उतरी हुई है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान सेना के आदेश पर सरकार लगातार परमाणु बम बनाए जा रही है। पाकिस्तान से बढ़ते खतरे को देखते हुए उसे सैन्य सहायता देने में आगे रहे चीन व अतीत में सहायक रहे अमेरिका को भी पाकिस्तानी परमाणु बमों पर अपना नियंत्रण रखना चाहिए। भारत को भी पड़ोसी देश की आंतरिक गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए पूरी सावधानी बरतनी होगी। पाकिस्तान के हाथ में इतने बम होना किसी बंदर के हाथ में उस्तरा होने के समान है। सारी दुनिया को समय रहते पाकिस्तानी से खतरे के प्रति सतर्क हो जाना चाहिए।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

परेशान विपक्ष

विपक्षी गठबंधन ने घोषणा की है कि वह विभिन्न टीवी चैनलों के 14 एंकरों के कार्यक्रमों का बहिष्कार करेगा। टीवी एंकरों के बहिष्कार के निर्णय से यह साफहो गया है कि अनेक विपक्षी नेता न सच्चाई सुनना चाहती है और न जानना चाहती हैं। तमाम वीडियो-ऑडियो के बावजूद विपक्षी सच को झूठ और झूठ को सच ठहराने में अपना पूरा जोर लगा देते हैं। जब एंकर उनके झूठ की पोल खोलता है और तथ्य बताता है तो वह उस पर तुरंत बीजेपी का आदमी होने का आरोप लगा देते हैं और एक ही झूठ बार-बार बोलते रहते हैं। टीवी चैनलों का काम सच पर आधारित तथ्य दिखाना है, पर कुछ चैनल अनेक कारणों से ऐसा नहीं करते हैं। एंकरों के बहिष्कार से विपक्ष की तानाशाही प्रवृत्ति सामने आती है जिसके बीज आज भी कांग्रेस व उसके सहयोगी विपक्षी दलों में छुपे हुए हैं। इस निर्णय से लगता है कि विपक्ष बहुत परेशान है, लेकिन अपनी परेशानी में वह अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है। यदि विपक्ष की जीत पूर्णत: सुनिश्चित न हो तो भला कौन टीवी चैनल या एंकर विपक्ष की आवाज बनना पसंद करेगा। यह स्थिति चिन्ताजनक है।

– **अतिवीर जैन,** मेरठ

अनर्गल प्रलाप

धर्म और धर्मग्रन्थ सर्वोपरि हैं और राजनीति गौण। किन्तु पिछले कुछ समय से कतिपय स्वार्थी राजनीतिज्ञ अपनी ओछी मानसिकता के चलते ऊलजुलूल बयानबाजी कर रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नसीहत के बावजूद वहां के शिक्षामंत्री चंद्र शेखर सिंह भी बरम्बार धार्मिक ग्रन्थ रामचरित मानस की चौपाइयों व गोस्वामी तुलसीदास की सोच पर अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। वे रामायण को जाति-विरोधी व पोटेशियम साइनाइड बता चुके हैं। हमारा देश लोकतांत्रिक है तथा हर नागरिक को बोलने की संवैधानिक आजादी है, लेकिन इस आजादी के नाम पर प्राचीन ग्रंथों के अपमान का अधिकार किसी को नहीं मिल जाता है। चंद्रशेखर सिंह या अन्य लोगों की ऐसी टिप्पणियों से रामचरितमानस की लोकप्रियता व विश्वसनीयता तो प्रभावित नहीं होगी, उल्टे वे ही जनता की नजरों में और गिर जाएंगे। समय आ गया है कि राजनीतिक दलों के सर्वोच्च नेता या तो ऐसे बड़बोले नेताओं पर लगाम लगाएं अथवा बेलगाम होने पर उनको पार्टी से निकाल बाहर करें।

–**शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते है।

आवासीय इलाको में व्यावसायिक निर्माण वाला हिस्सा व्यावसायिक करने की तैयारी

हरियाणा में चार सौ और कॉलोनी नियमित की जाएगी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि शहरों के आवासीय इलाकों में कुछ लोगों ने व्यवसायिक इमारतें व शोरूम बना लिए हैं इनके लिए सरकार जल्द से जल्द एक नीति लेकर आएगी। इसके तहत उन आवासीय इलाकों में व्यवसायिक हो चुके इलाके को व्यवसायिक कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां अभी आवासीय इलाकों को व्यवसायिक किया जा रहा है, उन्हें नोटिस जारी किए जाएं। यदि इसके बाद भी कोई नहीं माने तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री रविवार देर सायं अम्बाला शहर के एसए जैन महाविद्यालय के सभागार में आयोजित जनसंवाद में बोल रहे थे।

जन संवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने नगर निगम के अधीक्षण अभियंता विवेक गिल से शहर में आवासीय इलाकों में हो रहे व्यवसायिक निर्माण पर सवाल किया तो, वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस पर मुख्यमंत्री ने अधीक्षण अभियंता विवेक गिल का तबादला करने के आदेश दिए। वहीं कॉलोनियों को नियमित करने के बारे में मनोहर लाल ने कहा कि उन्होंने पिछले दिनों प्रदेश में 450 कॉलोनियों को नियमित किया है। अभी तक 1800 कॉलोनियां अनधिकृत हैं। जल्द ही प्रदेश की 400 और कॉलोनियों को भी नियमित किया जाएगा।

आबादी के हिसाब से तय की शहरों की ग्रांट

जनसंवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले शहरों व ग्रामीण क्षेत्र में अपने मन मुताबिक विकास कार्यों के लिए ग्रांट दी जाती थी, लेकिन अब हमने तय किया है कि आबादी के हिसाब से ग्रांट दी जाएगी। किसी भी शहर की 31 दिसंबर को जो आबादी होगी, उसके हिसाब से अगले वर्ष प्रति व्यक्ति 2500 रुपये की ग्रांट शहर को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसा भी परिवार पहचानपत्र की वजह से संभव हो पाया है। हर शहर में कितनी आबादी है, परिवार पहचानपत्र में सभी का रिकॉर्ड है। इसी वजह से आज घर बैठे लोगों की पेंशन बन रही हैं और अनेक काम हो रहे हैं।

हमने पुराने सिस्टम को बदलकर लीकेज रोकी

मनोहर लाल ने कहा कि पिछले 9 वर्ष के कार्यकाल में विकास के कार्यों के मामले में हमने पिछली सरकार से ज्यादा काम करवाए हैं और कम पैसों में करवाए हैं। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में उनके प्रधानमंत्री खुद कहते थे कि वे गांवों के लिए 1 रुपया भेजते हैं लेकिन धरातल पर बस 15 पैसे पहुंचते हैं। हमने सरकार बनाकर सिस्टम की इस लीकेज को रोका है। हमने व्यवस्था परिवर्तन का काम किया है। पहले छोटे-छोटे काम के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे लेकिन अब घर बैठे काम हो रहे हैं। राज्य सरकार ने आयुष्मान और चिरायु हरियाणा के माध्यम से 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी है। इसके अतिरिक्त कांग्रेस के कार्यकाल में कैसे सरकारी नौकरियां मिलती थी, सभी को पता है लेकिन हमने बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरी देने का काम किया है।

अम्बाला शहर में बनेगा इंटिग्रेटिड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर

मुख्यमंत्री ने अम्बाला शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने के सवाल पर निर्देश दिए कि अम्बाला शहर में जल्द ही इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) बनाया जाएगा। इसका पैसा सरकार देगी। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम, करनाल की तर्ज पर यहां भी इंटिग्रेटिड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बने, ताकि ट्रैफिक व अपराधियों पर और पैनी नजर रखी जा सके। मुख्यमंत्री ने जिला उपायुक्त को निर्देश दिए कि शहर का सर्वे करवाया जाए, जहां-जहां सीसीटीवी नहीं है, वहां सीसीटीवी लगाने की व्यवस्था की जाए। शहर की मार्किट में दुकानदार, अनाज मंडी में आढ़ती और बाजार में नगर निगम कैमरे लगाए। इन कैमरों को पुलिस इंटिग्रेटिड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से कंट्रोल करे।

नवनियुक्त डीसी प्रशांत पंवार ने संभाला पदभार

कैथल। नवनियुक्त डीसी प्रशांत पंवार ने सोमवार को पदभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद प्रशांत पंवार ने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और विभिन्न विभागों की विकास योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सरकार द्वारा निर्धारित किए गए समय अवधि के दौरान में अपने कार्यालय में नागरिकों से अवश्य मिले और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर निपटाए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को देने में देरी ना करें। जिला में पहुंचने पर आईएएस प्रशांत पंवार का एसडीएम कपिल कुमार, एसडीएम गुहला कृष्ण कुमार, सीईओ जिला परिषद अक्षनी मलिक सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि प्रशांत पंवार वर्ष 2015 बैच के आईएएस है। इससे पहले वे मत्स्य विभाग के अतिरिक्त सचिव, रोहतक में प्रशासक एचएसवीपी, अतिरिक्त निदेशक अर्बन एस्टेट, नगर निगम कमिश्नर अंबाला, डीसी नूंह, डीसी अंबाला, डीसी फतेहाबाद सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

मामन खान और मोनू मानेसर के मामले अदालत और जांच एजेंसियों के अधीन : मनोहर लाल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा के मामले में कांग्रेस विधायक मामन खान का रविवार को 2 दिन का रिमांड बढ़ने और भाजपा सांसद द्वारा मोनू मानेसर के समर्थन पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार देर शाम अंबाला में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मामन खान का 2 दिन का रिमांड बढ़ा है, यह कोर्ट और जांच एजेंसी का काम है। वहीं, मोनू मानेसर पर कहा कि पुलिस की मामले गहनता से जांच कर रही है, जो सही निष्कर्ष तक पहुंचेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्?डा द्वारा पोर्टल खत्म करने के बयान पर सीएम मनोहर लाल ने कहा कि वे (हुड्?डा) कुछ भी कहते रहें, लेकिन भाजपा सरकार ने जितने भी पोर्टल शुरू किए हैं, उनका लाभ जनता को मिल रहा है। घर बैठे कई योजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। फैमिली आईडी से गरीब जनता के राशन कार्ड बनाए गए हैं। लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है। यही नहीं, चंद मिनटों में पेंशन तक बन रही है। सीएम ने कहा कि वे 80 जन संवाद कर चुके हैं, सभी में जनता ने पोर्टल की सराहना की है।सीएम मनोहर लाल ने कहा कि सरकार ने बाढ़ के कारण हुए नुकसान का अनुमान लगा लिया है। जल्द ही बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा जारी किया जाएगा।

मनोहर लाल ने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रम में जितनी भी शिकायतें आती है, उनके निवारण के लिए, उनकी टीम गहन जांच के बाद एक्शन ले रही है,जो शिकायतें मौके पर निपटाई जा सकती है, उनका मौके पर समाधान कर रहे हैं।

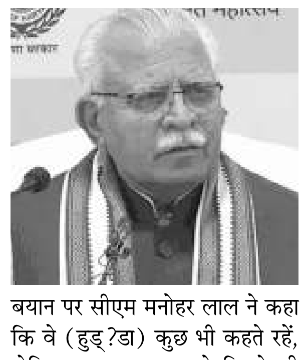

सरकारी आईटीआई मेहरचंद में चार कोर्सो में 26 सीटें खाली 22 तक करवाएं रजिस्ट्रेशन

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

सरकारी आईटीआई में दाखिला लेने के लिए अंतिम तारीख अब करीब आ गई है। सरकारी आईटीआई मेहरचंद में अभी भी चार कोर्सों में कुछ सीटें खाली पड़ी है, जिसमें इच्छुक उम्मीदवार दाखिला ले सकते हैं। सरकारी आईटीआई मेहरचंद में ड्राफ्टसमैन कोर्स, मैकेनिकल, स्टेनोग्राफर अंग्रेजी, ट्रैक्टर मैकेनिक डीएसटी कोर्स में 26 सीटें खाली हैं। सरकारी आईटीआई के प्रिंसिपल जसमिंदर सिंह ने बताया कि खाली सीटों में 22 तक रजिस्ट्रेशन और 23 तक उम्मीदवार दाखिला ले सकते है। बता दे कि सरकारी आईटीआई मेहरचंद में एक दर्जन से अधिक कोर्सों में करीबन 320 सीटें हैं, जिसमें 93 फीसदी सीटें भर चुकी हैं। 21 को सरकारी आईटीआई में करवाई जाएगी वर्कशॉप प्रिंसिपल जसमिंदर सिंह ने बताया कि 21 को सरकारी आईटीआई में एक वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्कशॉप में अप्रेंटिसशिप पोर्टल के बारे में बताया जाएगा, जिसमें स्टूडेंट्स कैसे अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं और कैसे इंडस्ट्रीज के पास पोर्टल के जरिए सीवी भेजकर जॉब पा सकते हैं। इस पोर्टल से माध्यम से उम्मीदवारों को नौकरी पाने में आसानी होगा।

उपभोक्ताओं की समस्याओं का निवारण किया जाएगा

यमुनानगर। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम परिचालन परिमंडल के अधीक्षक अभियंता जेसी शर्मा ने बताया कि आम उपभोक्ताओं की बिजली से संबंधित की समस्याओं एवं शिकायतों के निवारण हेतु उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम का सर्कल स्तर पर विभाग द्वारा गठन किया गया है, जिसके द्वारा 19 सितंबर 2023 को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अधीक्षक अभीयतां उत्तर हरियाणा बिजली वितरण परिचालन परिमंडल के कार्यालय मे उपभोक्ताओं की समस्याओं का निवारण किया जाएगा। उन्होने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे फोरम के समक्ष निर्धारित समय पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्र स्तरीय ऑन लाइन क्विज में मेघा ने तीसरे स्थान पर जमाया कब्जा

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

इंदिरा गांधी पीजी कॉलेज की छात्रा मेघा ने राष्ट्र स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पर कब्जा कर कॉलेज का नाम रोशन किया। कॉलेज प्रबंधक समिति के प्रधान रामबहादुर खुरानिया ने बताया कि संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज बरारा में मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर साइंस विभाग के अंतर्गत राष्ट्र स्तरीय ऑन लाइन क्विज का आयोजन किया गया। क्विज में विभिन्न महाविद्यालयों के अनेक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में आईजी कालेज कैथल की एमएससी फाइनल की छात्रा मेघा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर नकद पुरस्कार प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. आरती गर्ग ने छात्राओं को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया साथ ही छात्रा बधाई देते हुए पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मौके पर कॉलेज के सांयकालीन सत्र की प्रिंसिपल इंचार्ज सुरभि शर्मा व प्राध्यापकवर्ग से अंकिता गोयल उपस्थित रहे।

सरला ढिल्लों फतेहाबाद यूथ कांग्रेस इंचार्ज नियुक्त

सिरसा। युवा कांग्रेस हरियाणा द्वारा गांव जोधपुरिया निवासी मनीष ढिल्लों की धर्मपत्नी सरला ढिल्लों को फतेहाबाद विधानसभा के लिए, यूथ कांग्रेस का इंचार्ज नियुक्त किया गया है। सरला ढिल्लों यूथ की प्रदेश महासचिव भी हैं। सरला ढिल्लों ने अपनी नियुक्ति पर पार्टी हाईकमान के साथ-साथ सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा, हरियाणा प्रभारी प्रदीप सूर्या व सह प्रभारी अरुणा महाजन का आभार जताया। सरला ढिल्लों ने अपनी नियुक्ति पर पार्टी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी पार्टी की ओर से सौंपी गई है, उस पर वे पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करेंगी।

फसल अवशेष प्रबंधन-फायदे के साथ परेशानी से छुटकारा : उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार

पायनियर समाचार सेवा। यमुनानगर

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा है कि बहुत से लोग अब फसलों के अवशेष से लाखों रुपए कमा रहे हैं। अब फसल अवशेष परेशानी नहीं है। तकनीक के माध्यम से फसलों के अवशेषों का कई प्रकार से प्रयोग किया जा सकता है। उपायुक्त ने आमजन से अपील की है कि वे खेतों में फसल अवशेष न जलाएं बल्कि इसे पशु चारे के प्रयोग में लाएं।

उन्होंने बताया कि लगभग सभी किसानों के लिए फसल अवशेष का प्रबंधन काफी बड़ी परेशानी होती थी। कोई फसलों के अवशेष को खेतों में जला देता था। इससे न केवल उस जमीन को नुकसान होता था बल्कि पर्यावरण भी प्रदूषित होता था। सरकार ने फसल अवशेष प्रबंधन की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कई योजनाएं चलाई और योजनाओं को लेकर किसानों को जागरुक किया। सरकार की धारा 188 के इस कदम से फसल अवशेष प्रबंधन को बल मिला और आज कई लोग केवल फसल के अवशेषों से ही लाखों रुपए कमा रहे हैं। फसल अवशेष का प्रयोग अब बिजली और प्लाई बोर्ड बनाने आदि कामों में भी होने लगा है। उन्होंने कहा कि जिला के किसानों को भी फसल अवशेष प्रबंधन की ओर कदम बढ़ाते हुए काम करना होगा।

विभिन्न तरीको से कर सकते हैं अवशेष का प्रयोग

संक्षिप्त समाचार

सीटी ग्रुप में फहराया 25 मीटर का प्रभावशाली राष्ट्रीय ध्वज

जालंधर। सीटी ग्रुप ने 25 मीटर का विशाल राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जो देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 2 पंजाब बटालियन एनसीसी, जालंधर के कर्नल विनोद जोशी इस समारोह में पहुँचे। इस कार्यक्रम में सीटी ग्रुप के एनसीसी कैडेटों का अनुशासित और प्रभावशाली मार्च पास्ट देखने को मिला, जिसमें राष्ट्रीय ध्वज के प्रति उनका समर्पण और सम्मान देखने को मिला। समारोह की अध्यक्षता कर रहे कर्नल विनोद जोशी ने कार्यक्रम की सराहना की और सम्मानित व्यक्तियों की उपस्थिति का उल्लेख किया। इस अवसर पर सीटी ग्रुप के वाइस हरप्रीत सिंह, कैंपस डायरेक्टर डॉ. जीएस सिद्धू, छात्र कल्याण विभाग के डीन डॉ. अर्जन सिंह, स्टाफ़ और छात्र उपस्थित थे। कर्नल जोशी ने छात्रों के बीच देशभक्ति और एकता की भावना पैदा करने में ऐसे आयोजनों के महत्व बताते हुए उनको प्रेरित किया । सीटी ग्रुप के वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह ने समारोह के लिए हार्दिक आभार जताया और कहा कि यह सीटी ग्रुप के लिये यह बहुत गर्व की बात है। 25 मीटर का झंडा राष्ट्र के प्रति हमारे प्रेम को दर्शाता है।

जींद में होगी एतिहासिक रैली : पीबीएसएस

सोनीपत। पेंशन बहाली संघर्ष समिति जिला कार्यकारिणी सोनीपत द्वारा विभिन्न विभागों का दौरा किया तथा 10 अक्तूबर को दिल्ली में होने वाली पेंशन शंखनाद महारैली के लिए कर्मचारियों को आमंत्रित किया। जिला रोजगार कार्यालय व राजकीय आईटीआई, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुरतुर्क, अहमदपुर, गढ़ शहजानपुर, शाहपुर तुर्क के विद्यालय में जनसंपर्क किया गया। जिसमें प्रदेश मुख्य सलाहकार प्रमोद ईश्टकान व प्रदेश उपाध्यक्ष देवराज बाल्यान उपस्थित रहे। प्रदेश मुख्य सलाहकार प्रमोद ईश्टकान व प्रदेश उपाध्यक्ष देवराज बाल्यान ने कहा कि पेंशन शंखनाद महारैली दिल्ली में रिकॉर्ड संख्या पहुंचेगी। जिसमें पूरे देश में हरियाणा की संख्या सबसे अधिक रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा जींद बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि दिल्ली में हरियाणा से भारी संख्या में कर्मचारी पहुंचेंगे तथा हरियाणा में एक बार फिर पेंशन बहाली संघर्ष समिति एक बड़ी रैली जींद में करेगी, जिसकी घोषणा प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल दिल्ली में पेंशन शंखनाद महारैली के मंच से करेंगे साथ ही वाट फोर ओपीएस की मुहिम पूरे हरियाणा में तेज की जाएंगी ?।

जिला अस्पतालों में जल्द शुरू होंगी कार्डियक और न्यूरो सर्जरी : डॉ. बलबीर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

अगले महीने से पंजाब में फरिश्ते योजना शुरू हो जाएगी

निजी अस्पतालों में कार्डियो और न्यूरो संबंधी बीमारियों का महंगा इलाज नहीं करा पाने वाले आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बड़ी राहत देते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार जल्द ही जिला अस्पतालों में कार्डियक और न्यूरो सर्जरी कराएगी। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सम्मेलन के बाद प्रेस को स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान के निर्देशों के अनुसार सुपर स्पेशलिटी सेवाएं प्रदान करने के लिए जल्द ही क्रिटिकल केयर इकाइयां स्थापित की गई हैं। सरकारी अस्पताल। जहां जाकर कार्डियोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, आईसीसी और ट्रॉमा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इन क्रिटिकल केयर इकाइयों को मेडिकल कॉलेजों से जोड़ा जाएगा, जिससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी और लोगों को इलाज पर अपनी बचत खर्च नहीं करनी पड़ेगी।

डॉ. बलबीर सिंह ने यह भी घोषणा की कि फरिश्ते योजना अगले महीने से शुरू की जा रही है और किसी भी सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों को 24 घंटे के भीतर मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले घंटे के दौरान दुर्घटनाग्रस्त मरीज की जान बचाने के लिए आपातकालीन और एम्बुलेंस सेवाओं को भी और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा, जो मरीज की जान बचाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय होता है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के शिकार लोगों को अस्पताल लाने और भर्ती कराने वाले व्यक्ति को पंजाब सरकार 2000 रुपये की सम्मान राशि देगी। डॉ. बलबीर सिंह ने यह भी कहा कि अब तक 664 आम आदमी क्लीनिकों में 50 लाख लोगों का उनके घरों के पास इलाज किया गया है।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 125 मरीजों की हुई जांच

सिरसा। शहर के कंगनपुर रोड स्थित दुर्गा मंदिर में मंदिर की संचालिका सीमा सोनी द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में डा. प्रदीप गोदारा ने अपनी सेवाएं दीं। सीमा सोनी ने बताया कि शिविर सुबह 9 बजे शुरू हुआ और सांय 3 बजे तक चला। डा. प्रदीप गोदारा ने शिविर में करीब 125 मरीजों की एनालाइजर मशीन से जांच की और उचित परामर्श भी दिया। जिस प्रकार किसी भी मशीन की समय-समय पर देखभाल न की जाए तो वह खराब हो जाती है, ठीक उसी प्रकार शरीर रूपी इस मशीन की भी समय-समय पर देखभाल न की जाए तो यह बीमार पड़ जाता है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि कोई भी समस्या हो तो तुरंत चिकित्सक से सलाह लें और उचित उपचार करवाएं, ताकि समय रहते बिमारी को रोका जा सके।

क्षमा का भाव मन में बहुत जरूरी: रमेश मुनि

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

श्री एसएस जैन सभा गुड़ मंडी सोनीपत के तत्वाधान जैन स्थानक में ओजस्वी वक्ता गुरुदेव रमेश मुनि महाराज के सानिध्य में चल रहे पर्युषण महापर्व की धर्म श्रृंखला में प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज पर्युषण महापर्व का अंतिम दिवस है, जिसको संमत्सरी महापर्व कहा जाता है, जिसमें क्षमा याचना समस्त जीवों से क्षमा मांगी जाती है। मुकेश मुनि महाराज ने कहा कि क्षमा का भाव मन में बहुत जरूरी है, क्षमा का अर्थ सहना भी होता है, भले ही लड़ लेना, झगड़ लेना, पिट जाना, पीट देना, मगर बोलचाल बंद मत करना, क्योंकि बोलचाल के बंद होते ही सुलह के सारे दरवाजे बंद हो जाते हैं। गुस्सा बुरा नहीं है, मगर गुस्से के बाद जो आदमी वैर पाल लेता है, वह बुरा है। क्षमाशील मानव कभी बदले की भावना मन में नहीं रखेगा। आज घर परिवार, समाज में जो लड़ रहे ये क्षमा के अभाव के कारण है। शिवजी ने भी जहर पिया था, तभी तो वे महान बने थे। उन्होंने कहा कि मानव जीवन को देव दुर्लभ कहकर पुकारा गया है। मानव जीवन पाने के बाद भी सही धर्म श्रवण का शुभ सुअवसर मिलना और भी दुर्लभ है।

जैन स्थानक में प्रवचन करते मुनि महाराज।

चंद्रयान की सफलता ने भारत को दिलाई नई ऊंचाइयां: डॉ. महाश्वेता

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

गौड़ ब्राह्मण शिक्षण महाविद्यालय रोहतक में सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में चंद्रयान विषय पर पोस्टर मेकिंग एवम् स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ महाश्वेता ने बताया कि यह प्रतियोगिता एन आर सी एवम् यू जी सी द्वारा मनाए जा रहे चंद्रयान उत्सव में एक्टिविटी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित की गई हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के गौरवशाली वैज्ञानिक कथानक को चंद्रयान की सफलता ने नए आयाम दिए हैं। यह तो केवल शुरुआत है आगे चलकर भारत की विज्ञानीक पहुंच दूसरे ग्रहों तक भी होगी और हम विश्व को नई दिशा दे पाएंगे। कहीं ना कहीं यह भारत के विश्वगुरु बनने की ओर एक मजबूत पहल है। प्रतियोगिता में बीएड के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया एवम् अपने भाव सुंदर कालकृतियों एवं स्लोगन द्वारा कागज़ पर उतारे। कार्यक्रम का आयोजन डॉ विनोद कुमार, डॉ मोना मल्होत्रा,पूनम अत्री के संरक्षण में हुआ। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ गीता रानी,डॉ सविता,डॉ रानी देवी आदि उपस्थित रही। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में नितिन व रिया प्रथम भावना,काजल द्वितीय, विद्या और दिव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

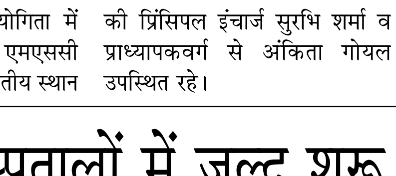

चंद्रयान सफलता पर आयोजित प्रतियोगिता में पोस्टर दिखाते प्रतिभागी व स्टाफ

औद्योगिक क्षेत्रों में ओवरलोडिंग से कट लगने की समस्या का समाधान

उपायुक्त ने कुंडली व राई औद्योगिक क्षेत्रों की बिजली की समस्या के समाधान के लिए ली बैठक

कुंडली व राई औद्योगिक क्षेत्रों को निर्बाद्ध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया मंथन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को बेहतरीन विद्युत आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों को सफलता भी मिल रही है, जिससे कुंडली व राई औद्योगिक क्षेत्रों में ओवरलोडिंग के चलते लगने वाले बिजली के अघोषित कट खत्म किये गये हैं।

लघु सचिवालय में सोमवार को विशेष रूप से कुंडली व राई औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की स्थिति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त कर रहे थे। बैठक में यूएचबीवीएन तथा एचवीपीएन और एचएसआईआईडीसी के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उपायुक्त ने कुंडली तथा राई औद्योगिक क्षेत्रों में वर्तमान में बिजली की स्थिति की गंभीरता से समीक्षा की, जिसमें संबंधित अधिकारियों ने जानकारी दी कि ओवरलोडिंग से कटों की समस्या समाप्त की जा चुकी है। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों में निर्बाद्ध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। इसके लिए हर संभव कदम उठायें, जिसमें प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। यदि कहीं नया सब स्टेशन स्थापित करने की जरूरत है तो स्थापित करें, जिसके लिए जमीन आदि आवश्कताओं की पूर्ति की जाएगी। इसके लिए प्रस्ताव तैयार करें। इसके अलावा भी यदि प्रशासन की ओर से कोई आवश्यकता है तो उसे पूर्ण किया जाएगा। उपायुक्त ने कुंडली व राई औद्योगिक क्षेत्रों की बिजली की मांग तथा आपूर्ति की विस्तार से समीक्षा की। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी दस वर्षों में होने वाली बिजली की मांग की पूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए योजना तैयार करें। यह निर्देश सिर्फ कुंडली व राई ही नहीं अपितु खरखौदा इत्यादि अन्य क्षेत्रों के लिए भी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी क्षेत्र में बिजली की समस्या नहीं होनी चाहिए।

एचवीपीएन तथा यूएचबीवीएन के अधिकारियों ने उपायुक्त को विस्तृत रूप में औद्योगिक क्षेत्रों में दी जा रही बिजली आपूर्ति की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए किये जा रहे प्रयासों से भी अवगत करवाया। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि दोनों निगमों के अधिकारी संयुक्त रूप से एक नोट तैयार करें, जिसमें जानकारी दी जाये कि एक माह पहले इन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की क्या स्थिति थी और सुधारीकरण के कदमों के बाद अब कैसी स्थिति है। ग्रैप के समय में विद्युत आपूर्ति के लिए, क्या तैयारियां हैं। उन्होंने निर्देश दिए, कि औद्योगिक क्षेत्रों में निर्बाद्ध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण प्रयास करें।

कुंडली व राई औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति को लेकर बैठक लेते डीसी।

हरियाणा के सीएमओ और नौकरशाही ढांचे में बदलाव की तैयारी

अनिल मलिक की केंद्र में प्रतिनियुक्ति को मंजूरी दे दी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री के कार्यालय में बदलाव की तैयारी है। इसके साथ ही प्रदेश की नौकरशाही ढांचे में बड़ा बदलाव किया जा सकता है। आईएएस आशिमा बराड़ और इनके पति मंदीप सिंह बराड़ में से किसी एक की नियुक्ति सीएमओ में की जा सकती है। 1991 बैच के आईएएस अनिल मलिक की केंद्र में प्रतिनियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए नौकरशाही में इस बदलाव का खाका मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर खुद तैयार कर रहे हैं। इस बदलाव के कारण मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से अफसरों के विदेश दौरे पर भी रोक लगा दी गई है। हरियाणा के पांच आईएएस अफसरों ने विदेश जाने के लिए आवेदन किया था, लेकिन सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने उनके आवेदन पर रोक लगा दी। इनमें चार ऐसे अफसर थे, जिन्होंने अपने खर्चे पर विदेश जाने के लिए आवेदन किया था। हरियाणा सीएमओ में राजेश खुल्लर के आने के बाद बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होना था, जिसके तहत अभी सिर्फ प्रशासनिक सचिवों के ही स्थानांतरण किए गए हैं। बड़ा फेरबदल होना अभी बाकी है। चूंकि अगले एक साल में ही लोकसभा और विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए अब जिन अफसरों को क्षेत्र में तैनात किया जाएगा, उनकी तैनाती चुनाव तक होगी।

इस महीने के अंत तक हरियाणा ब्यूरोक्रेसी में इस बदलाव की सूची जारी की जा सकती है। इस बदलाव में कई जिलों के उपायुक्त के नाम भी शामिल होंगे मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी अब पूरी तरह से चुनावी मुद्रा में हैं।

उनके साथ उनकी कैबिनेट भी फील्ड में दिखाई दे रही है। वह अब कामों के लिए सीधे अफसरों को बोल रहे हैं। साथ ही मौके पर ही सख्त निर्णय भी ले रहे हैं। जनसंवाद कार्यक्रमों में सीएम खुद ही मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतों को सुन रहे हैं। उन्होंने अफसरों को भी कहा है कि वह सीधे काम पर लग जाएं।

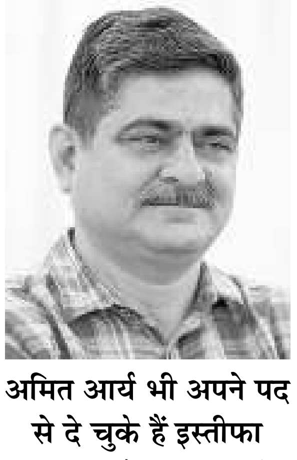

अमित आर्य भी अपने पद से दे चुके हैं इस्तीफा

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के मीडिया एडवाइजर अमित आर्य भी अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार भी किया जा चुका है, अब यह पद खाली है। 2014 में मनोहर लाल के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही मीडिया एडवाइजर के पद पर उनकी नियुक्ति हुई थी। वह लगातार करीब 9 साल से सीएम के मीडिया एडवाइजर का काम देख रहे थे।

बार रूम में मनाया प्रधान मंत्री का जन्म दिन

कैथल। भारतीय जनता पार्टी लीगल सेल की ओर से आज बार रूम में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिन मनाया गया। इस मौके पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश संयोजक नरेन्द्र गुज्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे जबकि अध्यक्षता जिला बार एसोसिएशन के प्रधान वेद प्रकाश ढुल ने की। मंच का संचालन एसोसिएशन के पूर्व सचिव मनीष राठी दीवाल ने किया। बार रूम में आने पर प्रधान वेद प्रकाश ढुल, पार्टी के लीगल सैल के जिला संयोजक अमित राणा एडवोकेट, पूर्व सचिव मनीष राठी दीवाल सहित बार की कार्यकारिणी ने उनका स्वागत किया। उन्होंने भारत माता के चित्र के सामने पुष्प अर्पित करके नमन किया। अपने संबोधन में नरेन्द्र गुज्जर ने प्रधान मंत्री को जन्म दिन की शुभ कामनाएं देते हुए उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री की अथक मेहनत और सोच का परिणाम है कि देश नई बुलंदियों को छू रहा है। भाजपा की नीति सबको साथ लेकर चलने की है। उन्होंने कहा कि सभी की भागेदारी से ही देश आगे बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से 2 अकतूबर तक देश में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है जिसके तहत प्रत्येक को कोई ना कोई सेवा कार्य करना चाहिए। वकीलों की मांग पर उन्होंने कहा कि वकीलों के लिए टोल फ्री करने, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट और वकीलों के बीमे करवाने बारे गंभीर होना पड़ेगा।

हुड्डा कर रहे दूर, अभय हुए मजबूर, शामिल करे जरूर

गठबंधन में शामिल होने से मिलेगी इनेलो को संजीवनी

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

अभय चौटाला ने अपने लंबे कद के भतीजों का राजनैतिक कद बौना समझने की जो भूल की है उसने अभय को गैरों को सामने झुकने का मजबूर कर दिया। अभय चौटाला के मुख्यमंत्री बनने का सपना उनके दिल में इतना बस गया था कि उनको ये भी आभास नहीं रहा होगा कि उनके भतीजे इस स्तर की बगावत कर देगें। अभय चौटाला अजय पुत्रों को नादान समझकर उन्हें पार्टी से निकालकर उन्हें मात्र धमकी देना चाह रहे थे लेकिन उनको क्या पता था कि उनको यह बात पार्टी को इस कदर तोड़ देगी कि हरियाणा जिस इनेलो की तूती बोलती थी लेकिन आज वही इनेलो अपने अस्तित्व को बचाने के लिए तीसरे मोर्चे के शीर्ष नेताओं की शरण में है। इंडिया गठबंधन में शामिल होने को लेकर अभय चौटाला और बड़े चौटाला साहब दिन रात नेताओं से संपर्क कर रहे। ताऊ देवीलाल के जन्म दिन पर कैथल में आयोजित समारोह के लिए पसीना बहा रहे अभय चौटाला जिस प्रकार हलकों में जाकर स्थानीय नेताओं पर भीड़ जुटाने का दबाव बना रहे उसको देखकर यही कहा जा सकता है कि रैली की सफलता ही इनेलो का भविष्य निर्धारित करेगी। राजनैतिक से जुड़े लोगों की जिज्ञासा को अजय चौटाला के ब्यान ने और बढ़ा दिया कि चौधरी देवीलाल की विचार धारा सदा कांग्रेस के विरोध की रही है और आज उस विचार धारा के स्वंभू ठेकेदार बने अभय कांग्रेस की झोली में बैठने की जबरदस्ती कर रहे है। वहीं अभय चौटाला का हुड्डा से कोई दुश्मनी नहीं वाले ब्यान की भी खूब चर्चा हो रही है। हुड्डा से दुत्कार मिलने के बाद भी अभय हुड्डा से कोई दुश्मनी या विरोध न होना कहना इस बात का प्रमाण है कि किसी ना किसी तरह इनेलो अपने आप को इंडिया गठबंधन में शामिल करवाना चाहते है। गठबंधन में शामिल होने से इनेलो का फायदा ही फायदा है एक तो बड़े चौटाला को राष्ट्र स्तर का मंच मिल जायेगा वहीं हरियाणा में इनेलो का ग्राफ बढ़ेगा। राजनैतिक जानकारों का मानना है कि अभय के पास इस समय गठबंधन के अलावा कोई रास्ता नहीं है क्योंकि यदि वो गठबंधन में शामिल नहीं हो पाते तो उनकी अपनी सीट ऐलनाबाद को बचाना भी मुश्किल हो सकता है और ऐसे में उनका अपने राजनैतिक भविष्य पर विराम लग सकता है। वरिष्ठ पत्रकारों का कहना है कि अब अभय चौटाला अपने को राजनीति में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे है ना कि मुख्यमंत्री बनने के लिए। हुड्डा के सामने झुकने की बात पर इनेलो समर्थक बेबसी से कह रहे है कि गैरों से गिला क्या करें जब अपने बदल गये। वहीं भूपेंद्र हुड्डा भी इस बारे में अब बहुत सोच समझकर कदम उठा रहे है कि उनकी छोटी सी गलती कहीं हाईकमान को नाराज न कर दे। कांग्रेस से जुड़े विश्वस्त सुत्रों से जानकारी है कि भूपेंद्र हुड्डा सुरजेवाला और राहुल की भविष्य की योजनाओं को भांप नहीं पा रहे कि अंदर खाते क्या हो रहा है। हुड्डा को सुरजेवाला की चाल से भयभीत है कि कहीं उनका भी भजनलाल वाला हर्ष न हो जाये। फिलहाल भूपेंद्र हुड्डा की यही कोशिश है कि किसी प्रकार का कोई गठबंधन न हो ताकि एसआरके गुट के साथ अभय जैसा कोई दबंग नेता शामिल न हो पाये ताकि उनका मुख्यमंत्री बनने की डगर में कोई अवरोधक न बन पाये।

वैश्य मोटर साइकिल चेतना यात्रा का सोनीपत में हुआ भव्य स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

वैश्य मोटर साइकिल चेतना यात्रा का स्वागत करते रोहतक रोड के दुकानदार।

वैश्य समाज में अलख जगाने निकली वैश्य मोटर साइकिल चेतना यात्रा का जिले में एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में मोटर साइकिल पर वैश्य युवाओं का जत्था महाराजा अग्रसेन के संदेश देते हुए आगे बढ़ रहे थे। मोटर साइकिल चेतना यात्रा 15 सितम्बर को पंचकूला से चली थी, जिसका समापन 25 सितम्बर को सिरसा में होगा। यात्रा का नेतृत्व हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष राजीव जैन व पूर्व मंत्री कविता जैन कर रही थी। मोटर साइकिल यात्रा का शहर में विभिन्न स्थानों पर वैश्य समाज के साथ-साथ अन्य समाज के लोगो ने भी स्वागत किया। मोटर साइकिल यात्रियों पर शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने माल्यार्पण करते हुए गुलाब के फूलों की वर्षा की। यात्रा का नेतृत्व कर रहे प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष राजीव जैन एवं युवा अध्यक्ष मुनीश गोयल समेत 18 महाराजा अग्रसेन के 18 गोत्रों पर आधारित 18 मोटर साइकिल का जत्था महाराजा अग्रसेन चौक पहुंचा तो पूर्व मंत्री कविता जैन और महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति, अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मलेन, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन, अग्रोहा विकास ट्रस्ट एवं अन्य समाज की संस्थाओं के सैंकड़ो प्रतिनिधियों ने स्वागत कर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और एक अक्टूबर को जींद रैली में बढ़ चढ़ कर भाग लेने का संकल्प लिया। यात्रा में जिलाध्यक्ष प्रदीप बंसल, अनिल गुप्ता, पवन गुप्ता, संजय सिंगला, निगम पार्षद अतुल जैन, जितेंद्र गुप्ता, सुरेश गुप्ता, अशोक गर्ग, अजय गोयल, राजेंद्र गोयल, जगदीश गर्ग, पंकज जैन, राजेंद्र अग्रवाल, अमित जैन, नीरज, प्रवेश, संदीप, मोहित, जसबीर, वेद, मुकेश, नरेंद्र, मनोज, रविंद्र आदि सैंकड़ो वैश्य बंधु साथ में मोटर साइकिल पर चले। यात्रा का मिशन चौक पर राकेश गोयल, राम नारायण गोयल, ललित गोयल, सुभाष, राकेश जैन आदि ने मोटर साइकिल पर चल रहे अग्र बंधुओं का माल्यार्पण एवं पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया।

महाराजा अग्रसेन जयंती हर्षोल्लास से मनाने का निर्णय

सिरसा। आगामी 15 अक्टूबर को सिरसा में महाराजा अग्रसेन जयंती हर्षोल्लास से मनाने को लेकर सोमवार को अग्रवाल युवा सिरसा के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक अग्रवाल पार्क में हुई। इस सिलसिले में अग्रवाल युवा के वरिष्ठ सदस्य कपिल सरावगी ने बताया कि संगठन के सभी सदस्यों ने महाराजा अग्रसेन जयंती को लेकर गहन विमर्श किया और निर्णय लिया कि 15 अक्टूबर को शाम 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक जनता भवन स्थित अग्रवाल पार्क में ही महाराजा अग्रसेन जयंती पर विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कपिल सरावगी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान डांस, गायन व चित्रकला के अलावा महाराजा अग्रसेन के जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई जाएगी और विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

आप करेगी परिवार जोड़ो अभियान की शुरूआत: गज्जन सिंह

कांग्रेस, भाजपा, जजपा व इनेलो की जनविरोधी नीतियों का करेंगे खुलासा

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

आप जिलाध्यक्ष स. गज्जन सिंह, लोकसभा अध्यक्ष सुमित हिन्दुस्तानी पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए।

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष सरदार गज्जन सिंह गोबिंदपुरा ने कैथल में आप पार्टी के परिवार जोड़ो अभियान की शुरूआत करते हुए कहा है कि अब पार्टी हर घर में दस्तक देगी और लोगों को पार्टी से जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि आप पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी हर घर में पहुंचकर आम आदमी पार्टी की नीतियों का प्रचार प्रसार करेंगे और लोगों को बताएंगे कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पंजाब में किस तरह से काम करके जनता का दिल जीत रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल की टीम राज्य के 49 लाख परिवारों तक पहुंचकर कांग्रेस, भाजपा, जजपा व इनेलो की जनविरोधी नीतियों के बारे में भी अवगत करवाएगी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आप पार्टी के नए बने चार हजार सदस्य इस काम में जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक गांव में 21 सदस्यीय कमेटी बनाई जाएगी और हर बूथ पर 10-10 लोगों को जोड़ा जाएगा। जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, इनेलो, जजपा सब भाजपा के साथ मिले हुए हैं और प्रदेश के हितों की आवाज को मिलकर दबा रहे हैं। आम आमदी पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो सड़क से लेकर संसद तक जनता की लड़ाई लड़ रही है।

युवाओं व महिलाओं की भागेदारी की जाएगी सुनिश्चित: सुमित

लोकसभा अध्यक्ष सुमित हिन्दुस्तानी ने कहा कि उनकी पार्टी अब डायरेक्ट टू होम पर काम करेगी। पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता एक एक घर में जाएंगे। वह घर या परिवार के सदस्य चाहे कोई भी पार्टी के हो लेकिन वे सबसे मिलेंगे और केजरीवाल की जनहितैषी नीतियों के बारे में बताएंगे। प्रत्येक वालंटियर व पदाधिकारी उसमें जिलाध्यक्ष भी शामिल होंगे जो पांच-पांच गांवों में जाकर लोगों से मिलेंगे। इसी प्रकार शहर में पांच पांच वार्डों में भी कमेटियां काम करेंगी। आप पार्टी द्वारा बनाई जाने वाली इन कमेटियों में हर वर्ग के लोगों को जोड़ा जाएगा और युवाओं व महिलाओं की भागेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

अर्जुन चौटाला के नेतृत्व में दर्जनों युवाओं ने थामा इनेलो का दामन

इनेलो में शामिल होते हुए युवा।

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

यहां आरके के फार्म में इनेलो नेता अर्जुन चौटाला के नेतृत्व में पार्टी के युवा नेता राहुल ठाकुर ने दर्जनों युवाओं को पार्टी ज्वाइन करवाई। पार्टी में शामिल होने वालों में अभिषेक नारायण, अंकित रंगा, मलकीत रंगा, सुनील, प्रदीप मेहरा, अवतार रंगा, प्रदीप सैनी, शोभित, गोलू भाई, सुखदेव, विक्की, सुरजीत, संजू, अनिल गंपडित, जीतू तिलरम, सतबीर, मोनू खेड़ी शामिल हैं। सभी युवकों ने इनेलो में आस्था व्यक्त करते हुए अर्जुन चौटाला को विश्वास दिलाया कि वे पार्टी के प्रचार के लिए काम करेंगे तथा अधिक से अधिक युवकों को पार्टी से जोड़ेंगे। अर्जुन चौटाला ने उन्हें विश्वास दिलाया कि उन्हें पार्टी में पूरा मान सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि सभी युवा चौ. देवी लाल की नीतियों का अनुसरण करें। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को ताऊ देवी लाल की जयंति पर कैथल में भारी भीड़ जुटेगी। इस अवसर पर शहरी प्रधान सतीश गर्ग, जिला प्रवक्ता ऋषिपाल राजराण, एससी सैल के जिला प्रधान रामचंद्र करोड़ा, महिला नेत्री बबीता चौधरी भी उपस्थित थे।

सारथी एवं सुख फाउंडेशन ने किया पौधारोपण

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

एक प्रयास, सार्थक बदलाव की ओर के उद्देश्य को सार्थकता प्रदान करते हुए एटीएल अंसल सोसाइटी में सारथी फाउंडेशन के बैनर तले सुख फाउंडेशन की संस्थापक गुरविंदर कौर की सहायता से अंसलवासियों को विभिन्न फलों एवं औषधीय गुण वाले पौधों का वितरण तथा पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। सारथी संस्था सामाजिक समस्याओं को दूर करने एवम जरूरतमंदों के आर्थिक एवम सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करती है। इसी श्रृंखला में अंसल निवासियों की मांग पर लगभग 40 पर्यावरण प्रेमियों को 150 पौधे बांटे गए। इन वृक्षों में हारसिंगार, बहेड़ा, आंवला, नीम, पीपल, बड़, सहजन, अमलतास और नीम आदि के वृक्ष शामिल थे। इस अवसर पर दीपक वर्मा ने बताया की जीव जंतुओं को भी पृथ्वी पर मनुष्य की तरह रहने का अधिकार है, उन्हें नुकसान न पहुंचाए, अक्सर लोग सांपों को भी मार देते हैं, ऐसे में सांप पकड़ने व उसे उसके वातावरण में छोड़ने के लिए उनसे संपर्क कर सकते हैं। कुछ स्थानों पर संस्था के सदस्यों वंदना आर्य, दीपक वर्मा, सारिका गुप्ता, संजय गुप्ता, गगन, राकेश भाटिया, शालिनी भाटिया, वनीता साहनी। एवं शोभा मित्तल द्वारा पौधारोपण किया गया।

ऊषा कात्याल ने सभी को समझाया की पौधों की उचित देखभाल भी करें। संस्था की कार्यकर्ता वंदना आर्य ने जनसामान्य को धरती पर बढ़ते कूड़े के लिए जागरूक करते हुए समझाया की उनके द्वारा प्लास्टिक के कोल्ड ड्रिंक की बोतल से पॉट बनाए जाते हैं, उनमें पौधे लगाकर उपहार दिए जाते हैं, सभी लोग इसी तरह वेस्ट मैटेरियल का सही प्रयोग कर सकते हैं अथवा पॉट केवल उसके लागत मूल्य पर संस्था से भी खरीद सकते हैं। कार्यक्रम में मानस्विता, अक्षय, आर्यन, मयंक आदि बच्चों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

साईक्लोथॉन यात्रा का होगा जिला में विभिन्न स्थानों पर स्वागत: सीईओ

पायनियर साचार सेवा। कैथल

जिला परिषद के सीईओ अश्वनी मलिक ने कहा कि हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला में हरियाणा को ड्रग्स फ्री हरियाणा बनाने के लिए चलाई जा रही साइक्लोथॉन यात्रा 20 सितंबर को राजौंद में प्रवेश करेगी, जहां पर उनका स्वागत किया जाएगा। इसके साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर साइक्लोथॉन का स्वागत होगा और साथ ही स्थानीय लोग भी इस यात्रा में बढ़चढ़ कर भाग लेंगे। संबंधित विभाग सभी तैयारियां समय रहते पूरी करें। जिला परिषद के सीईओ अश्वनी मलिक लघु सचिवालय में साईक्लोथॉन को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन को लेकर जिलावासियों का जोश व उत्साह पूरे चरम पर है। उन्होंने आमजन से साइक्लोथॉन में बढ़चढ़कर भागीदारी करने का आह्वान करते हुए कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है और इस बुराई से लड़ने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होना होगा। साइक्लोथॉन के जिला में प्रवेश करने पर जिला प्रशासन, जिलावासियों, सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत एवं उत्साहवर्धन किया जाएगा।

डिविजन लेवल ? प्रतियोगिता में पाया अव्वल स्थान

कैथल। आर.के.एस.डी. कालेज की लीगल लिट्रेसी सैल के विद्यार्थियों ने करनाल में हुई डिविजन लेवल ? की प्रतियोगिता में अव्वल स्थान प्राप्त किया। डॉ विनोद कुमार मान के नेतृत्व में तीन छात्राओं ने पं. चिरंजी लाल गवर्नमेंट कॉलेज करनाल में हुई दो विधाओं में भाग लिया। वैशाली एवं पूजा ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं प्रशस्ति पत्र एवं निर्धारित 5500 रुपये की राशि पारितोषिक के रूप में प्राप्त की। उनके अलावा कविता पाठ में कोमल ने द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए प्रशस्ति पत्र एवं पारितोषिक के रूप में 4000 रुपये प्राप्त किए।

बाढ़ से हुए नुकसान का तुरंत मुआवजा दे सरकार: चरणजीत

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

बैठक में विचार करते हुए मोर्चा के प्रतिनिधि।

संयुक्त किसान मोर्चा की जिला कमेटी की बैठक चरणजीत कौर की अध्यक्षता में हुई जिसमें किसानों की बाढ़ में हुए भारी नुकसान पर विस्तार से चर्चा हुई। पिछले दिनों जिले के कई गांवों में आई बाढ़ व जल भराव के कारण किसानों की हजारों एकड़ धान की खड़ी फसल बर्बाद हो गई और हरा चारा व सब्जी आदि भी खराब हो गई तथा बहुत से पशु भी मारे गये। ट्यूबवेलों व घरों को भारी नुकसान पहुंचा। इस के अलावा अभी हाल ही में हुई भारी बारिश से कई किसानों की खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा। बाढ़ से हुए नुकसान के बारे में प्रशासन को व प्रशासन के माध्यम से सरकार को भी अवगत कराया गया और उचित मुआवजे की मांग की गई लेकिन अभी तक किसी भी प्रकार का कोई भी कुछ मुआवजा सरकार द्वारा नहीं दिया गया।

इस बारे प्रशासन भी आश्वासन ही देता रहा जिससे किसानों में भारी रोष है। विचार विमर्श के बाद यह तय किया गया कि 22 सितंबर को सभी किसान संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को इकट्ठा कर के जिला सचिवालय पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जाय जिसमें किसानों की अन्य मांगों को भी प्रदर्शन के दौरान उठाया जाएगा।

जिला के 1260 बूथों में से तीन बूथों को किया जाएगा शिफ्ट : एडीसी

एक जनवरी 2024 तक 18 साल की उम्र पूरी करने वाले सभी युवा बनवाएं अपनी वोट

21 और 22 अक्टूबर व 4 और 5 नवंबर को सभी बीएलओ बूथों पर उपस्थित होकर लोगों के दावे व आपत्ति करें प्राप्त

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए जिला में पहले से बने 1260 बूथों को स्वीकृति दी गई है। मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों का युक्तिकरण, पुनर्व्यवस्था और डीएसई, पीएसई और ईपीआईसी की विसंगतियों को दूर करने का कार्य 22 अगस्त से 15 सितंबर तक किया गया। इस दौरान पाया गया कि जिला के तीन बूथों को किसी कारण से दूसरी जगह शिफ्ट करने की आवश्यकता है। अतिरिक्त उपायुक्त ने अपने कार्यालय में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर संबंधित अधिकारियों व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली।

अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सोनीपत लोकसभा में 29 राई के गांव बारोटा में एक बूथ हरिजन चौपाल में बना हुआ था, जिसे अब शिफ्ट करके गांव में बने पंचायत भवन में बनाया जा रहा है। इसके साथ ही राई के ही गांव बख्तावरपुर के प्राईमरी स्कूल में बने बूथ को मिडल स्कूल में शिफ्ट किया जा रहा है। इसके अलावा 31 सोनीपत के गांव अहमदपुर में किसी कार्यालय में बूथ बना हुआ था, जिसमें अब पुलिस चौकी बन गई है। इस बूथ को भी गांव के ही प्राइमरी स्कूल में शिफ्ट किया जा रहा है। अतिरिक्त उपायुक्त ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि अगर शिफ्ट किए जा रहे इन बूथों को लेकर कोई आपत्ति दर्ज करवाना चाहता है तो करवा सकता है। अन्यथा इनको शिफ्ट करने के लिए मुख्य चुनाव आयोग को रिपोर्ट भेजी जाएगी। बैठक के दौरान किसी भी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने शिफ्ट किए जा रहे इन बूथों को लेकर कोई आपत्ति नहीं दर्ज करवाई तो अतिरिक्त उपायुक्त ने जिला निर्वाचन तहसीलदार को निर्देश दिए कि इन बूथों को शिफ्ट करने के लिए रिपोर्ट तुरंत मुख्य चुनाव आयोग को भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 17 अक्टूबर 23 को एकीकृत ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा और 21 और 22 अक्टूबर व 4 और 5 नवंबर को विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत सभी बीएलओ अपने मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहेंगे और लोगों के दावे व आपत्ति प्राप्त करेंगे। इसके पश्चात एक जनवरी को अंतिम प्रकाशन के लिये आयोग की अनुमति लेकर 5 जनवरी 2024 तक मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त ने युवाओं का आह्वान कि एक जनवरी 2024 को 18 साल की उम्र पूरी करने वाले सभी युवा अपनी वोट अवश्य बनवाएं ताकि हम मिलकर एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करने में अपनी भूमिका अदा कर सकें। इस दौरान जिला निर्वाचन तहसीलदार ने कहा कि कोई भी व्यक्ति जिसकी आयु एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष या इससे अधिक होगी वह फार्म नंबर 6 भरकर संबंधित बीएलओ या जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा करवा सकता है। इसके अलावा एनआरआई मतदाता वोट बनवाने के लिए फार्म नंबर 6ए, आधार से वोट कार्ड को लिंक करने के लिए फार्म 6बी, मतदाता द्वारा अपनी वोट कटवाने हेतु फार्म नंबर 7 तथा बनी हुई वोट में शुद्धि हेतु फार्म नंबर 8 भर कर जमा करवा सकते हैं। ये सभी कार्य ऑनलाइन भी किए जा सकते हैं। इसके लिए पोर्टल या वोटर हेल्प लाईन मोबाइल एप का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

भाजपा ने कांग्रेस पार्टी पर थीम सांग चुराने का लगया आरोप

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस पर राज्य में अपनी जन आक्रोश यात्रा के लिए पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का थीम सांग चुराने का आरोप लगाया है। इस पर विपक्षी दल कांग्रेस ने पलटवार करते हुए दावा किया कि हरियाणा की भाजपा नीत सरकार में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पाकिस्तानी पार्टी के गाने को कॉपी किया और इसी तरह भाजपा ने राजस्थान में (चुनाव प्रचार में) इसका इस्तेमाल किया। कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा 19 सितंबर से राज्य के सात स्थानों से निकलने वाली है। प्रदेश में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

विवाद तब शुरू हुआ, जब भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई के सचिव राहुल कोठारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हाल ही में जन आक्रोश यात्रा के लिए जारी गीत चलो, चलो कांग्रेस के संग चलो में चलो इमरान के साथ की नकल की है, जो कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का थीम सांग है। भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कांग्रेस के चुनाव अभियान गीत के साथ पाकिस्तानी पार्टी के थीम सांग का वीडियो साझा किया। कोठारी ने आरोप लगाया, अब तक कांग्रेस पाकिस्तान के पक्ष में और हिंदुस्तान के विरोध में नारे लगाने वालों को अपना लेती थी। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई पाकिस्तान के संगीत को भी अपनाने लगी है।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह जन आक्रोश यात्रा के पोस्टर से गायब हैं, लेकिन वह पृष्ठभूमि संगीत दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है। उन्होंने दावा किया कि यह कोई बड़ी बात नहीं होगी, अगर कांग्रेस का झंडा जल्द ही पूरी तरह हरा हो जाए। भाजपा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम फिर आया सामने। मध्य प्रदेश चुनाव में अपने प्रचार गाने के लिए कांग्रेस ने पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी के थीम सांग को ही चुरा लिया। कांग्रेस की चोरी की आदत पुरानी है, लेकिन पाकिस्तान से इतना प्रेम क्यों? जवाब दे कांग्रेस। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने कहा, दुर्भाग्य से, जो लोग पाकिस्तान के मित्र हैं, वे कांग्रेस के प्रचार गीत पर आपत्ति जता रहे हैं। चुनावी फायदा लेने के लिए सेना के जवानों को शहीद करवाने वालों ने एक गाने पर आपत्ति जताई है।

बरेली में अध्यापक ने दलित छात्रा से छेड़छाड़ की

एजेंसी। बरेली

बरेली जिला मुख्यालय के सीबीगंज थाना क्षेत्र में एक इंटर कालेज के अध्यापक ने अनुसूचित जाति (दलित) की एक नाबालिग छात्रा के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने सोमवार को बताया कि फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के खरका गांव के आरोपी अध्यापक नरेश पाल गंगवार के खिलाफ सीबीगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस अधीक्षक (नगर) राहुल भाटी ने बताया कि आरोपी शिक्षक नरेश पाल गंगवार के खिलाफ धाराओं 354 (शील भंग के इरादे से हमला), 342 (जबरन प्रतिबंधित), 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 504 (शांति भंग के इरादे से जानबूझकर अपमान), 506 (आपराधिक धमकी) के अतिरिक्त अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति निवारण अधिनियम और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पाक्सो) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सर्वसम्मत नेतृत्व नहीं होने के कारण नाकाम होगा विपक्षी इंडिया गठबंधन : फडणवीस

सर्वोच्च नेता अन्य सहयोगी पार्टियों के प्रमुखों का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार नहीं

एजेंसी। इंदौर

इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरूद्ध विपक्षी दलों का यह गठजोड़ चुनावों में सफल नहीं हो सकता क्योंकि इसमें शामिल किसी भी दल का सर्वोच्च नेता अन्य सहयोगी पार्टियों के प्रमुखों का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार नहीं है। नवंबर में संभावित विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा के प्रचार के लिए मध्यप्रदेश आए फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से कहा, इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के (प्रमुख) नेता अन्य दलों के (प्रमुख) नेताओं का नेतृत्व स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं और वे रोज एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन में जितने दल हैं, उसके दोगुने (प्रमुख) नेता हैं। गठबंधन में शामिल दलों का एक-दूसरे के राज्य में कोई वजूद भी नहीं है। ऐसे में ये दल मिलकर भी चुनाव लड़ लें, तो इसका कोई नतीजा निकलने वाला नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने मिसाल देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के एक-दूसरे के राज्य में चुनाव प्रचार करने से इंडियौ गठबंधन को कोई फायदा नहीं होने वाला है।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म को लेकर दिए गए विवादास्पद बयान पर फडणवीस ने कहा, वैसे तो देश में किसी भी व्यक्ति को अन्य व्यक्ति के धर्म के खिलाफ नहीं बोलना चाहिए, लेकिन आप इस्लाम और ईसाई धर्म के खिलाफ बोलकर देख लीजिए तो हंगामा खड़ा हो जाएगा। उन्होंने कहा, सनातन धर्म के खिलाफ बोलने वाले लोग खुद को धर्मनिरपेक्ष बता रहे हैं। इससे बड़ी मूर्खता कोई नहीं है।

फडणवीस ने कहा कि सनातन धर्म के खिलाफ बयान देने वाले नेताओं को जनता उनकी सही जगह बताएगी। उन्होंने कहा, सनातन धर्म तो कभी समाप्त नहीं होगा, लेकिन इस धर्म के खिलाफ जो लोग अपने विचार प्रकट कर रहे हैं, उनके विचार जरूर समाप्त हो जाएंगे। तेलंगाना के आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा मतदाताओं को छह चुनावी गारंटी दिए जाने पर उन्होंने कहा कि चुनावी गारंटी के नाम पर कांग्रेस झूठ बोलकर जनता को बरगलाने की राजनीति करती है और यह पार्टी किसी भी राज्य में ऐसी कोई गारंटी पूरी नहीं कर सकी है। फडणवीस ने एक सवाल पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा और कहा कि उनके बयानों को गंभीरता से लिया जाना बहुत आवश्यक नहीं है क्योंकि वह सुबह जो बात कहते हैं, उसे शाम को भूल जाते हैं।

हरिद्वार में पुलिस ने इनामी बदमाश को दबोचा

हरिद्वार। डकैती, लूट जैसे करीब आधा दर्जन मामलों में लंबे अरसे से वांछित 25 हजार के एक ईनामी बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद धर दबोचा है। पुलिस ने बताया कि रविवार देर रात हुई मुठभेड़ के दौरान पैर मे गोली लगने से शहजाद नाम का यह बदमाश घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। हरिद्वार के पुलिस अधीक्षक (देहात) स्वप्न किशोर ने बताया कि हरिद्वार जिले के भगवानपुर क्षेत्र में खेड़ी शिकोहपुर गांव के पास पुलिस नियमित जांच कर रही थी और इसी दौरान एक युवक पुलिस को देख अपनी मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगा। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शहजाद नामक इस बदमाश का पीछा किया, तब खुद को घिरा देख उसने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिस पर पुलिस ने जवाबी फायरिंग की।

किशोर ने बताया कि मुठभेड़ में शहजाद घायल हो गया और उसे रूड़की सिविल अस्पताल मे भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि रूड़की के रहने वाले शहजाद पर डकैती और लूट के आधा दर्जन गंभीर मामले दर्ज हैं और पुलिस काफी समय से उसकी तलाश कर रही थी। उन्होंने कहा कि पुलिस इसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित कर रखी थी।

एमबीबीएस के सात छात्रों पर रैगिंग के आरोप में मामला दर्ज

10 छात्रों को निलंबित करने के बाद एक महीने के भीतर राज्य में यह दूसरी ऐसी घटना है

एजेंसी। वारंगल (तेलंगाना)

वारंगल पुलिस ने शहर के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे सात वरिष्ठ छात्रों के खिलाफ कथित तौर पर कनिष्ठ छात्र के साथ रैगिंग और मारपीट करने को लेकर मामला दर्ज किया है। काकतीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे वरिष्ठ छात्र तृतीय वर्ष में, जबकि कनिष्ठ छात्र द्वितीय वर्ष में है। यह घटना 14 सितंबर को हुई। छात्र की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

हैदराबाद स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों द्वारा कनिष्ठ छात्रों के साथ रैगिंग करने के आरोप में 10 छात्रों को निलंबित करने के बाद एक महीने के भीतर राज्य में यह दूसरी ऐसी घटना है। मत्तेवाड़ा पुलिस निरीक्षक एन वेंकटथेवर्लु ने सोमवार को कहा कि रैगिंग में शामिल छात्रों को नोटिस दिया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के रहने वाले द्वितीय वर्ष के छात्र को वरिष्ठों ने पानी लाने के लिए कहा था, लेकिन जब उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया, तब कथित तौर पर उन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। पुलिस अधिकारी ने बताया, वरिष्ठ छात्र कथित तौर पर कनिष्ठ छात्र के कमरे में गए और वहां उसके साथ मारपीट की।

पुलिस ने बताया कि केएमसी के सात छात्रों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं और रैगिंग निषेध अधिनियम, 1997 के तहत मामला दर्ज किया गया है। केमएसी के प्राचार्य डॉ दिववेला मोहनदास ने बताया कि मंगलवार को कॉलेज की रैगिंग-रोधी समिति की बैठक होगी और भविष्य की कार्वाई बैठक के नतीजे पर निर्भर करेगी।

इससे पहले, 11 सितंबर को हैदराबाद के सरकारी गांधी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे दस छात्रों को अपने कनिष्ठ छात्रों की रैगिंग करने के आरोप में एक साल के निलंबित कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया था कि रैगिंग-रोधी समिति ने जांच के बाद निलंबन आदेश जारी किए थे। जांच में पाया गया था कि आरोपी छात्र कुछ दिनों से रैगिंग में लिप्त थे।

उत्तराखंड में कांग्रेस विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

एजेंसी। देहरादून

उत्तराखंड में अल्मोड़ा जिले के द्वाराहाट से कांग्रेस विधायक मदन सिंह बिष्ट के विरूद्ध वहां एक स्थानीय इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक के आवास पर कथित रूप से हंगामा करने तथा उन्हें अपशब्द कहने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। द्वाराहाट के पुलिस क्षेत्राधिकारी तिलकराज वर्मा ने सोमवार को बताया कि विधायक के खिलाफ भारतीय दंड विधान की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि द्वाराहाट इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक के केएस मेर ने रविवार को पुलिस में शिकायत की थी, जिसके आधार पर विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि शिकायत में निदेशक ने विधायक पर शनिवार रात उनके घर में उनकी पत्नी तथा उनकी पुत्री की मौजूदगी में बातचीत के दौरान कथित रूप से अपशब्दों का इस्तेमाल करने तथा हंगामा करने का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया है कि इस दौरान विधायक के साथ उनके कुछ साथी भी थे।

निदेशक ने घटना के मददेनजर दहशत में आने और अपने तथा अपने परिवार के लिए सुरक्षा की मांग भी पुलिस से की है। मेर ने अपनी तहरीर में यह भी कहा है कि विधायक ने जब उनसे पहली बार फोन पर निविदाओं के बारे में बातचीत की थी तो वह शराब के नशे में थे।

एक ही परिवार के चार सदस्य मृत पाए गए

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले के एक मुर्गी पालन केंद्र में पश्चिम बंगाल के रहने वाले एक ही परिवार के चार सदस्य मृत पाए गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान काले सारिकी (60), लक्ष्मी सारिकी (50), उषा सारिकी (40) और पूल सारिकी (16) के रूप में हुई है। उसने बताया कि सभी पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले के रहने वाले थे और पिछले दस दिनों से कर्नाटक के डोड्डाबल्लापुर तालुक में डोड्डाबेलावंगला के पास होलेयाराहल्ली में एक मुर्गी पालन केंद्र में काम कर रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में मौत का कारण दम घुटना बताया गया है। हालांकि, मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

एमसीडी के अस्पतालों और औषधालयों का किया जाएगा कायाकल्प : महापौर

धनराशि का उपयोग 491 परियोजनाओं में किया जाएगा

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली नगर निगम (एससीडी) द्वारा संचालित अस्पतालों, औषधालयों और प्रसूति केंद्रों का कायाकल्प किया जाएगा। यहां सिविक सेंटर में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ओबेरॉय ने कहा कि निगम चिकित्सा बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए, 117 करोड़ रुपए की राशि से धन का उपयोग करेगा जो इसे दिल्ली सरकार से मिले हैं। 117 करोड़ रुपये में 54 करोड़ रुपये पूंजीगत मद के हैं जबकि 63 करोड़ रुपए राजस्व मद के है।

पूंजीगत मद के तहत प्राप्त धनराशि का उपयोग 491 परियोजनाओं में किया जाएगा। इसके तहत एमसीडी के तहत आने वाले सात बड़े अस्पतालों, एक मेडिकल कॉलेज और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार करना शामिल है। महापौर ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) शासित एमसीडी में एक अच्छा स्वास्थ्य सेवा मॉडल स्थापित किया जाएगा, जैसा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार में हुआ है। किसी का नाम लिए बिना, उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों के दौरान निगम में सत्ता में रहे लोगों ने निगम द्वारा संचालित अस्पतालों में चिकित्सा बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कुछ नहीं किया, क्योंकि जब वे सत्ता में थे तो उनके इरादे सही नहीं थे।

उन्होंने कहा कि पूंजीगत मद के तहत मिले कोष का इस्तेमाल हिंदू राव अस्पताल और इससे संबद्ध मेडिकल कॉलेज, स्वामी दयानंद अस्पताल और राजन बाबू फेफड़े एवं क्षय रोग संस्थान समेत अन्य केंद्रों का कायाकल्प करने के लिए किया जाएगा।

इंडिया गठबंधन ने विशेष सत्र में जन मुद्दे उठाने का फैसला किया

एजेंसी। नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों ने सोमवार को फैसला किया कि वे संसद के इस विशेष सत्र में भाग लेने के साथ ही जनता से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे। राज्यभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संसद भवन स्थित कक्ष में विपक्षी गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने बैठक की।

इस बैठक में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, वामपंथी दल, झामुमो, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और कुछ अन्य दलों के नेता शामिल थे। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दलों के नेताओं ने फैसला किया कि वे पांच दिवसीय सत्र के दौरान पार्टियों के बीच समन्वय जारी रखने और महंगाई, बेरोजगारी, मणिपुर हिंसा और सीमा पर चीन की आक्रामकता के मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे।

बेंगलुरु के मंदिर को ढाई करोड़ के सिक्कों और नोटों से सजाया गया

एजेंसी। बेंगलुरु

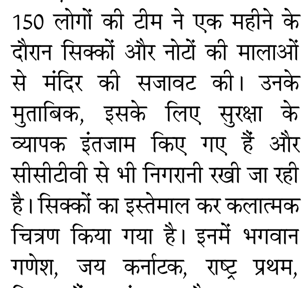

कर्नाटक के बेंगलुरु में जेपी नगर स्थित सत्य गणपति मंदिर परिसर को करीब ढाई करोड़ रुपये के सिक्कों और नोटों से सजाया गया है। बेंगलुरु और समूचे कर्नाटक में सोमवार से गणेश चतुर्थी उत्सव धार्मिक उत्साह के साथ शुरू हो गया। श्रद्धालु भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिरों और पंडालों में जा रहे हैं। अपनी अनूठी सजावट के चलते सत्यगणति मंदिर श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रहा है। न्यासियों के मुताबिक, इस मंदिर का प्रबंधन संभाल रहे गणपति शिर्डी साई न्यास ने पांच, 10 और 20 रुपये के सिक्कों की मालाएं तैयार की हैं। इसी के साथ-साथ 10, 20, 50, 100, 200 और 500 रुपये के नोटों की भी मालाएं तैयार की गई हैं। ये सभी मालाएं करीब ढाई करोड़ रुपये की हैं।

एक न्यासी ने बताया कि करीब 150 लोगों की टीम ने एक महीने के दौरान सिक्कों और नोटों की मालाओं से मंदिर की सजावट की। उनके मुताबिक, इसके लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और सीसीटीवी से भी निगरानी रखी जा रही है। सिक्कों का इस्तेमाल कर कलात्मक चित्रण किया गया है। इनमें भगवान गणेश, जय कर्नाटक, राष्ट्र प्रथम, विक्रम लैंडर, चंद्रयान और जय जवान जय किसान की छवियां शामिल हैं।

न्यायालय ने देश में एकल संवैधानिक धर्म के अनुरोध संबंधी याचिका खारिज की

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने देश में एकल संवैधानिक धर्म की मांग करने वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी और याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या वह लोगों को उनकी धार्मिक आस्थाओं का पालन करने से रोक सकता है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि ऐसी याचिका दायर करने का विचार उसे कैसे आया। पीठ ने याचिकाकर्ताओं से पूछा, आपने कहा कि एक संवैधानिक धर्म होना चाहिए। क्या आप लोगों को उनके धर्म का पालन करने से रोक सकते हैं? यह क्या है? याचिकाकर्ता पेशे से वकील नहीं हैं, लेकिन उसने अदालत में खुद अपनी दलीलें पेश कीं। यह याचिका मुकेश कुमार और मुकेश मानवीर सिंह नामक व्यक्तियों ने दायर की थी।

अदालत ने अपने समक्ष पेश एक याचिकाकर्ता से पूछा, यह क्या है? आप इस याचिका के जरिए क्या चाहते हैं।

समय से पहले राष्ट्रगान की धुन बजने पर लोकसभा में हंगामा

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को समय से पहले राष्ट्रगान की धुन बजने पर विपक्षी दलों के कुछ सदस्यों ने विरोध जताया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से हस्तक्षेप की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष ने इसे तकनीकी चूक बताते हुए जांच कराने की बात कही। लोकसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही शुरू होते समय अध्यक्ष बिरला के आसन ग्रहण करने से पहले ध्वनि यंत्रों से राष्ट्रगान की धुन सुनाई देने लगी। इस चूक पर ध्यान जाते ही राष्ट्रगान की धुन को बजाना बंद कर दिया गया। संसद के किसी भी सत्र के पहले दिन राष्ट्रगान जन गण मन की धुन के साथ बैठक प्रारंभ होती है।

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और बहुजन समाज पार्टी के दानिश अली समेत कुछ सदस्यों को लोकसभा अध्यक्ष के सदन में पहुंचने से पहले राष्ट्रगान की धुन बजने पर विरोध जताते हुए देखा गया।

गौरव सिंह को सीबीआई में एसपी के पद पर नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी गौरव सिंह को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में पुलिस अधीक्षक (एसपी) के पद पर तैनात किया गया है। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि महाराष्ट्र काडर के 2012 के आईपीएस अधिकारी को पांच साल के लिए केंद्रीय एजेंसी में तैनात किया गया है। एक अन्य आदेश में मंत्रालय ने कहा कि सीबीआई में मनोज वर्मा के प्रतिनियुक्ति कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है।

कांग्रेस की झूठी चुनावी गारंटी पर भरोसा नहीं करेगा : मंत्री रामाराव

एजेंसी। हैदराबाद

कांग्रेस के आधी सदी के शासनकाल को धोखाधड़ी, छल और विश्वासघात से भरा होने का आरोप लगाते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने कहा कि बुद्धिमान तेलंगाना झूठ और काल्पनिक (चुनावी) गारंटी पर विश्वास नहीं करेगा। तेलंगाना के मंत्री रामा राव ने व्यंग्य करते हुए एक्स पर कहा कि यदि तीन रंग वाले गिरगिट (कांग्रेस ध्वज का हवाला) पर विश्वास किया गया, तो किसानों को मिल रही मुफ्त बिजली की सुविधा बंद होनी तय है। आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस ने रविवार को छह चुनावी गारंटी की घोषणा की।

मानवीय जीवन के ग्रह की नौ सीमाओं में से छह का उल्लंघन हो रहा : शोध

एजेंसी। नई दिल्ली

मानवीय गतिविधियां ग्रह को लगातार प्रभावित कर रही हैं, जिसके चलते पृथ्वी की समग्र परिस्थितियों में भारी परिवर्तन का जोखिम बढ़ गया है। ग्रहीय सीमा ढांचा के अद्यतन शोध में यह जानकारी सामने आई है। शोधकर्ताओं ने कहा कि मानवीय जीवन की बेहतरी के लिए नौ ग्रहीय सीमाएं वैश्विक पर्यावरण के घटकों का प्रतिनिधित्व करती हैं जो ग्रह की स्थिरता और लोगों के लिए रहने की स्थितियों के लिहाज से उसको नियंत्रित करती हैं।

उन्होंने कहा कि सुरक्षित ग्रहीय सीमा स्तरों के उल्लंघन का अनुपात मानव-संचालित गतिविधियों पर निर्भर करता है, जो घटकों को प्रभावित करता है। ग्रहीय सीमाओं की रूपरेखा मानवता के लिए रहने के सुरक्षित स्थान की पहचान करने के वास्ते पृथ्वी के तंत्र के कामकाज की नवीनतम वैज्ञानिक समझ को लागू करती है। यह उस सीमा का निर्धारण करता है, जिस हद तक मानवीय गतिविधियों को पृथ्वी की उन स्थितियों में संभावित परिवर्तन के जोखिम की अनुमति दी जा सकती है, जो मानव जीवन को प्रभावित नहीं करे।

शोधकर्ताओं ने कहा कि पहली बार, सभी ग्रहीय सीमाओं के लिए पैमाना प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पाया गया कि इसकी छह सीमाओं का अतिक्रमण किया गया है और पृथ्वी की ओजोन परत के क्षरण को छोड़कर सभी सीमाओं का उल्लंघन बढ़ रहा है। शोधकर्ताओं के अनुसार, जलवायु को लेकर वैश्विक स्तर पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उनके मुताबिक, पृथ्वी प्रणाली मॉडल विकसित करना एक तत्कालिक प्राथमिकता है, जो ग्रहीय सीमाओं, विशेष रूप से जलवायु और जीवमंडल के बीच संबंधों को सटीक तौर पर नए सिरे से पेश करता है। जर्नल साइंस एडवांसेज में प्रकाशित शोध आठ अलग-अलग देशों के 29 वैज्ञानिकों द्वारा किए गए ग्रहीय सीमा ढांचे के तीसरे अद्यतन अध्ययन को पेश करता है। डेनमार्क में कोपेनहेगन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर और अध्ययन की नेतृत्वकर्ता कैथरीन रिचर्डसन ने कहा कि ग्रहीय सीमाओं के बढ़ते उल्लंघन की प्रवृत्ति चिंताजनक है। रिचर्डसन ने कहा, छह ग्रहीय सीमाओं का उल्लंघन करने से यह जरूरी नहीं है कि कोई आपदा आएगी, लेकिन यह एक स्पष्ट चेतावनी संकेत है। हम इसे अपने रक्तचाप के रूप में मान सकते हैं। उन्होंने कहा, 120180 से अधिक का रक्तचाप दिल के दौरे की गारंटी नहीं है, लेकिन इससे दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, हम इसे नीचे लाने की कोशिश करते हैं। अपने और अपने बच्चों के हित के लिए हमें इन छह ग्रहीय सीमाओं पर दबाव कम करने की जरूरत है।

पायनियर
हरियाणा, मंगलवार, 19 सितंबर, 2023

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

दो दिन बंद रहेंगे नोएडा के स्कूल-कॉलेज

आंगतुकों दर्शकों की भारी भीड़ और यातायात की व्यवस्था को देखते हुए लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत पूरे गौतमबुद्धनगर जनपद के स्कूली बच्चों के लिए यह खबर खुश करने वाली है। खबर यह है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और दादरी समेत पूरे जिले के स्कूल कालेज लगातार दो दिन के लिए बंद रहेंगे।

स्कूल कालेजों की छुट्टी को लेकर जिला शिक्षा विभाग की ओर से बाकायदा आदेश भी जारी कर दिया गया है। इस आदेश का अनुपालन सभी स्कूल कालेजों के प्रबंधकों को करने करना होगा। नोएडा के डीएम मनीष कुमार वर्मा के आदेश पर शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को बंद रखने को कहा है। यह आदेश नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी समेत पूरे गौतमबुद्धनगर में लागू होगा। आदेश

आईएसटीएमएस का निरीक्षण करती पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह।

में कहा गया है कि यूपी ट्रेड इंटरनेशनल शो की वजह से यह फैसला लिया गया है। नोएडा में आयोजित होने जा रहे ट्रेड शो की वजह से सड़कों पर वाहनों की आवाजाही में बढ़ोत्तरी और जाम

- मोटो जीपी के लिए भी गाइडलाइन जारी

लगने की संभावनाओं की वजह से स्कूल कालेजों को दो दिन के लिए बंद किया जा रहा है।

नोएडा गौतमबुद्धनगर के जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से सभी सरकारी और निजी स्कूलों के प्रिंसिपल को इस संबंध में सूचना भेजी गई है।

आदेश में कहा गया है कि जनपद गौतमबुद्धनगर में आगामी 21 से 25 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 और 22 से 24 सितंबर तक बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में बाइक रेस मोटो जी आयोजित किया जा रहा है। जिससे आंगतुकों दर्शकों की भारी भीड़ होने की संभावना और कानून, सुरक्षा

व्यवस्था एवं यातायात की व्यवस्था के दृष्टिगत छात्र-छात्राओं, अभिभावकों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 21 सितंबर को अपराह्न 2 बजे के उपरांत और दिनांक 22 सितंबर को कक्षा नर्सरी से कक्षा 12 तक समस्त बोर्ड के समस्त विद्यालयों में अवकाश रहेगा। उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

धर्मांतरण कराने के आरोप में 15 महिला-पुरुष गिरफ्तार

- पीड़िता ने पुलिस को बताया, पैसों का लिया जा रहा लालच

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस ने सोमवार को 15 महिला-पुरुषों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये लोग ईसाई धर्म से जुड़े हुए हैं और प्रार्थना सभा के बहाने हिन्दू लोगों को धर्मांतरण के लिए बहला-फुसला रहे थे।

गांव करहैड़ा निवासी सुभाष चंद जाटव ने इस संबंध में थाना साहिबाबाद में कराई है। सुभाष चंद ने बताया 17 सितंबर की शाम 4 बजे गांव का दिनेश मुझे मिला और बताया कि आज हमारे घर पर प्रोग्राम है। मेरा परिवार और अन्य लोग उस कार्यक्रम में चले गए। वहां पर कुछ महिला-पुरुष बैठे हुए थे, जो ईसाई धर्म के बारे में बता रहे थे। ये भी कह रहे थे कि अगर वे ईसाई धर्म अपना लेते हैं तो उन्हें पैसे भी दिए जाएंगे। वे पैसे का प्रलोभन देकर धर्मांतरण के लिए कह रहे थे। गिरफ्तार महिला.पुरुषों ने बताया हम लोगों ने बचपन में ही ईसाई धर्म अपना लिया था। 17 सितंबर को करहैड़ा गांव निवासी दिनेश ने हमें प्रार्थना सभा के लिए अपने घर पर बुलाया था।

साहिबाबाद थाना पुलिस ने इस मामले में सोमवार को दिनेश, चंद देव राय, बबलू, राजन वर्मा, जॉय, अशमत उस्मान, अजय, राजकुमार, अनीता, जयादास, मीनू, रेखा कुमारी, रूचिका, मीनू कुमारी और गुड़िया को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें ज्यादातर दिल्ली में बदरपुर, जेजे कॉलोनी मदनपुर, सरिता विहार के रहने वाले हैं। भास्कर वर्मा ने बताया साहिबाबाद क्षेत्र के करहैड़ा गांव निवासी सुभाष चंद की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करते हुए 8 पुरुष और 7 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दो बच्चे हिंडन नदी में डूबे, हड़कंप

- गोताखों की टीम तलाश में जुटी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कमिश्नरेट पुलिस में उस समय हड़कंप मच गया कि जब किसी ने नन्दग्राम थाना पुलिस को सूचना दी कि सिटी फॉरेस्ट के पास दो बच्चे रहस्यमय हालात में डूब गये हैं।

उक्त सूचना के मिलते ही नन्दग्राम पुलिस व आला अधिकारी गोताखोरों की कई टीम के साथ मिलकर हिंडन में डूबे दोनों बच्चों की तलाश में जुट गए। इस

विलाप करते परिजन।

सनसनीखेज घटना की जानकारी देते हुए एसीपी नन्दग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नन्दग्राम की नई बस्ती में रहने वाले दो बच्चे जिनके नाम 9 वर्षीय बड्डी उर्फ बड्डे पुत्र विशाल व 13 वर्षीय गौरव पुत्र मलखान सिटी फॉरेस्ट के पास डूब गये हैं। सिंह ने बताया कि इस सूचना के मिलते ही गोताखोरों की कई टीम हिंडन् नदी में डूबे बच्चों की तलाश में जुट गई।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मिलेगा बढ़ावा, नोएडा में चलेंगी 100 ई-बस

- सेक्टर-80 सिटी बस टर्मिनल और सेक्टर-90 से संचालन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ाया जाएगा। इसके लिए यहां 100 एसी ई.बस चलाई जाएंगी। बस का संचालन परिवहन विभाग करेगा। इनको इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राधिकरण देगा।

ये बस सेक्टर-80 सिटी बस टर्मिनल और सेक्टर-90 से चलेंगी। बस चार्ज करने के लिए यहां स्टेशन बनाए जाएंगे। पहले फेज में नोएडा से ग्रेटर नोएडा बस चलेंगी। इस रूट पर शेल्टर बने हुए है। वहीं इंटरनल मार्ग

के लिए शेल्टर बनाने का काम भी प्राधिकरण करेगा।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने एक बैठक के दौरान स्पष्ट कहा था कि यहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बेहद कमी है। यही वजह है कि लोग अपने प्राइवेट वाहनों का प्रयोग ज्यादा करते है।

मेट्रो और टैंपो के अलावा सिटी बस सेवा भी काफी महत्वपूर्ण है। इसलिए प्रधानमंत्री ई बस योजना के तहत यहां बस का संचालन करने पर विचार किया गया। इसके लिए प्राधिकरण ने शासन को पत्र लिखा। इसके बाद एक बैठक हुई। बैठक में डिमांड के अनुसार पहले फेज में 100 ई बस पर सहमति बनी। साथ ही तय किया गया कि इन बसों का संचालन परिवहन निगम करेगा। और इन्फ्रास्ट्रक्चर नोएडा प्राधिकरण देगा।

नोएडा.ग्रेटर नोएडा में अभी तक कोई सिटी बस सेवा का संचालन नहीं किया जा रहा है। यहां केवल रोडवेज की और डीटीसी की बसें कुछ रूट पर चलती हैं। मार्च 2020 तक नोएडा.ग्रेनो के बीच नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन एनएमआरसी की तरफ से 50 एसी बसें चलाई जा रही थीं, जो अब बंद हो चुकी हैं। बताया गया कि कंपनी को लगातार घाटा होने के चलते कंपनी से कांट्रैक्ट खत्म किया गया। इन बसों के रूट को दोबारा से फाइनल किया जाएगा। इसमें देखा जाएगा कि सबसे ज्यादा मुसाफिर किस रूट पर है। साथ ही लास्ट माइल कनेक्टिविटी को देखा जाएगा।

सभी ट्रांसपोर्ट सिस्टम एक दूसरे से जुड़े हो इस पर ध्यान रहेगा। ताकि लोग आसानी से इन ट्रांसपोर्ट के जरिए आवाजाही कर सके।

बैठक में एनएमआरसी की तरफ से सेक्टर-90 में ई.बसों के लिए डिपो बनाने को सहमति दी गई। पहले यहां पर एनएमआरसी का डिपो था। इसके अलावा सेक्टर-82 स्थित सिटी बस टर्मिनल से बसें चलाने को लेकर सहमति दी गई। डिपो और बस टर्मिनल, दोनों जगह चार्जिंग की भी सुविधा दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर बुजुर्गों की सेवा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक नई पहल संस्था ने बुजुर्गो को नन्द नगरी स्थित आशियाना वृद्ध आश्रम में जरुरत का सामान भेट किया। यह वृद्ध आश्रम अखिल भारतीय विकलांग, विधवा, वृद्धा सेवा समिति द्वारा संचालित किया जाता है, आशियाना आश्रम में वह बुजुर्ग रहते है जो पुलिसकर्मियों को रास्तों भटकते हुए मिलते है पुलिसकर्मी इन बेसहारा बुजुर्गो को आशियाना वृद्ध आश्रम पहुंचा देते है। संस्था की तरफ से तेज प्रकाश सिंघल ने कहा बुजुर्ग सेवा ब्रह्मा सेवा के समान है ओर ऐसे बुजुर्ग जो बेसहारा हो उनकी सेवा करना किसी तीर्थ यात्रा से कम नहीं है। कार्यक्रम में मौजूद डॉ छवि गुप्ता ने कहा सबसे बड़ी सेवा बुजुर्गों की सेवा है। इस जगह आकर कई बुजुर्गो की सेवा करने का मौका मिला यह मेरा सौभाग्य है। इस मौके पर सत्य प्रकाश सिंघल, नीरज गुप्ता, परवीन पुंढीर, रेनू सिंघल, पवन, मौंसी, शिरीष, संजीव,रमन झा और कविता यादव उपस्थित थी।

वकीलों ने किये चेंबर बंद, हापुड़ रवाना

गाजियाबाद। पिछले दिनों हापुड़ में वकीलों के ऊपर हुए लाठी चार्ज का प्रकरण बार काउंसिल ऑफउत्तर प्रदेश व शासन के बीच हुए समझौते के बाद भी थमता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज गाजियाबाद बार एसोसिएशन की अगुवाई में जहां अधिवक्ताओं के द्वारा कचहरी में स्थित सभी चेंबर बंद करवा दिये गये वहीं धरना प्रदर्शन करते हुए अधिवक्ताओं ने हापुड़ के लिये कूच करने का ऐलान भी कर दिया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने कचहरी के गेट पर जमकर प्रदर्शन करके हुए शासन व सरकार के ख्लिाफनारेबाजी भी की। सूत्रों के अनुसार गाजियाबाद कचहरी में विधिक कार्य करने वाले अधिवक्ताओं ने यह ऐलान भी किया है कि वकील वो उस समय तक रोजाना हापुड़ जानकर धरना प्रदर्शन करेंगे कि जब तक शासन उनकी सभी मांगों को नहीं मान लेता है। इस संदर्भ में जब बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश त्यागी कैली से पूछा तो उन्होंने कहा कि बार वहीं करेगी जो अधिवक्ता चाहेंगे।

चोरी के खुलासे की मांग को लेकर भाकियू का प्रदर्शन

गाजियाबाद। मोदीनगर के भाकियू टिकैत के एनसीआर के उपाध्यक्ष सतेन्द्र त्यागी ने बताया कि कस्बा निवाडी में बदमाश गून मार्ग से दो बिजली के ट्रांसफॉर्मर चोरी करके ले गए। इसके अलावा पूर्व सभासद का शीश पाल जाटव के खेत से भूसा चोरी हो गया। इसके अलावा तीन दिन पहले पांच किसानों के टयूबवेल से मोटर चोरी हो गए। उनका आरोप है कि निवाड़ी पुलिस रात्रि गश्त पर ध्यान नहीं दे रही है। जिस कारण बदमाशों के हौसले बुलंद है। उनके नेतृत्व में किसानों ने प्रदर्शन कर जमकर हंगामा किया। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द घटना में शामिल बदमाश नहीं पकड़े गए, तो निवाड़ी थाने का घेराव किया जाएगा। इस मौके पर ब्लॉक प्रभारी मनोज त्यागी, मनीष त्यागी, सोनू, सचिन कुमार सहित अन्य किसान मौजूद थे।

घर में घुसकर पड़ोसी युवती को दी धमकी

गाजियाबाद। मोदीनगर के मुरादनगर थाना क्षेत्र में एक गांव में घर में घुसकर युवक ने शादी करने पर युवती को जान से मारने की धमकी दी। डर के चलते युवती ने जहरीला पदार्थ पी लिया। गंभीर हालात में युवती को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गांव के ही एक युवक के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। एक गांव में एक व्यक्ति परिवार सहित रहते है। उन्होंने अपनी 18 वर्षीय पुत्री का रिश्ता तय कर दिया है। आने वाले दिनों में उसकी शादी होने वाली है। आरोप है कि युवती को घर में अकेले देखकर पड़ो दीवार कूदकर घर के अंदर आ गया।

जिला अस्पताल की लिफ्ट में 30 मिनट तक फंसे रहे 6 लोग, पैनिक बटन नहीं कर रहा था काम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा सेक्टर-39 के जिला अस्पताल की लिफ्ट में 2 साल का बच्चा समेत 6 लोग 30 मिनट तक फंस रहे। लिफ्ट में लगा पैनिक बटन भी काम नहीं किया, तो लोगों ने शोर मचाना शुरू किया। इस दौरान 2 साल का मासूम लगातार रोता-बिलखता रहा। जब लोगों ने लिफ्ट पीटना शुरू किया, तब अस्पताल स्टाफ ने इन लोगों की आवाज सुनी।

इसके बाद इलेक्ट्रीशियन ने इन लोगों को सुरक्षित निकाला। यहां पर लिफ्ट में फंसने की ये पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी अस्पताल और ऑफिस की लिफ्ट में लोग फंस चुके हैं। ताजा मामला रविवार शाम का है। जब जिला अस्पताल में रविवार की शाम करीब 5 बजे मरीज से मिलकर एक पुरुष, 2 बच्चे और 3 महिलाएं ग्राउंड फ्लोर पर आ रहे थे। इसी दौरान एकाएक लिफ्ट बंद हो गई। लिफ्ट बंद होने की स्थिति में उन लोगों ने लिफ्ट के अंदर से पैनिक बटन दबाया। आवाज लगाई और जानकारों के पास कॉल भी की। लेकिन तुरंत कोई नहीं आया।

पीड़िता दीपिका ने बताया करीब 30 मिनट बाद अस्पताल के इलेक्ट्रिशियन ने इन लोगों को लिफ्ट से निकाला। हमारे साथ 2 साल की एक बच्ची भी थी। हम सभी लोग 5वें फ्लोर पर अपने भर्ती मरीज से मिलने गए थे। वहीं जिला अस्पताल की सीएमएस डॉ रेनू अग्रवाल ने बताया लिफ्ट बंद होने के 10 मिनट के अंदर लोगों को बाहर निकाल लिया गया था। किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। लिफ्ट में कोई मरीज नहीं था। अचानक बिजली सप्लाई रुकने से लिफ्ट बंद हुई थी। जिला अस्पताल और ऑफिस में 12 लिफ्ट हैं। एक भी लिफ्ट में ऑपरेटर नहीं है। जिससे लिफ्ट में फंसने के तुरंत बाद लोगों को निकाला जा सके। वहीं अस्पताल में एक शिफ्ट में एक ही इलेक्ट्रीशियन है।

नोएडा में अवैध पटाखों की खेप जब्त, दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा थाना सेक्टर-24 पुलिस ने अवैध पटाखों के साथ दो लोगों को दबोचा है। आरोपी दीवाली पर बेचने के लिए हरियाणा से पटाखे खरीदकर ला रहे थे। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने अवैध पटाखों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

इनके पास से चार बोरे पटाखे बरामद हुए हैं। आरोपी दीवाली पर बेचने के लिए हरियाणा से पटाखे खरीद कर ला रहे थे। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर नोएडा के सेक्टर-57 की रेड लाइट पर एक होंडा सिटी कार को जांच के लिए रोका गया।

कार की तलाशी लेने पर उसमें से पटाखों से भरे हुए चार बोरे बरामद हुए। पुलिस ने कार सवार मनीष जैन व निखिल को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि दीवाली पर नोएडा एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध होने के कारण वह अभी से हरियाणा से पटाखे लाकर स्टॉक कर रहे हैं। ज्ञात हो पुलिस ने बॉर्डर पर सख्ती की है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप, पुलिस ने दबोचा

नोएडा। शादी का झांसा देकर युवती के साथ बलात्कार करने के आरोप में वांछित चल रहे आरोपी को थाना फेस-3 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवती ने आरोपी के खिलाफ फरीदाबाद के थाना सराय ख्वाजा में जीरो एफआईआर दर्ज कराई थी।

थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर अमित काजी पुत्र अबुल बशर निवासी ग्राम जैतपुर थाना जैतपुर दिल्ली को सेक्टर-62 मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी अमित के खिलाफ युवती ने 13 मई को बलात्कार के आरोप में जीरो एफ आईआर दर्ज कराई थी।

पुलिस से मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली

- आरोपी पर हत्या, लूट व डकैती जैसे एक दर्जन मामले थे दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के कासना थाना में पुलिस की बाइक सवार बदमाश से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इस बदमाश पर हत्या, लूट व डकैती जैसे एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज है। दरसअल रविवार रात को थाना कासना पुलिस क्षेत्र के अंतर्गत डाढा गोलचक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। तभी एक मोटरसाइकिल पर पुलिस को संदिग्ध आता हुआ दिखाई दिया। जिसे पुलिस ने रुकने का इशारा किया। लेकिन वह नहीं रुका, पुलिस ने जब पीछा किया, तो उसने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। बदमाश की फायरिंग करने पर पुलिस ने भी फायरिंग की। इस दौरान बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस ने घायल बदमाश को पकड़ लिया। बदमाश की पहचान बुलंदशहर के गुलावठी निवासी चंद्रभान के रूप में हुई। घायल होने के कारण उस बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, तमंचा कारतूस व

अन्य सामान बरामद किया। उसे बदमाश के बारे में जानकारी जुटाना पर पता चला कि यह एक शातिर किस्म का लुटेरा है। जिस पर हत्याए डकैती व लूट के करीब एक दर्जन मुकमदे गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, हापुड़ में पंजीकृत हैं।

यह ग्रेटर नोएडा में भी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए आया था। ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल हुआ है। इस बदमाश पर एक दर्जन से ज्यादा लूट, डकैती और हत्या के मुकदमे दर्ज हैं। इसके अन्य आपराधिक इतिहास की और ज्यादा जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं एक अन्य घटना में ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

जीआरपी दनकौर को सूचना मिली कि रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। जीआरपी ने मृतक की पहचान करवाई, तो उसकी पहचान राजेंद्र केसरी के रूप में हुई। जीआरपी ने परिजनों को हादसे की सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ड्यूटी से वापस आ रहे ऑटो-सवार के साथ लूट

गाजियाबाद। मोदीनगर के मुरादनगर में दिल्ली.मेरठ मार्ग पर गांव मिल्क दुहाई के सामने बाइक सवार बदमाशों ने ऑटो से आ रहे एक युवक के हाथ से मोबाइल लूटकर फरार हो गए। युवक ने एक किलोमीटर तक पैदल ही बदमाशों का पीछा किया। लेकिन वह हाथ नहीं आए। पीड़ित ने इस संबंध में मुरादनगर थाने में तहरीर दी है।

नगर की नूरगंज कॉलोनी निवासी आरिफ परिवार सहित रहते और गाजियाबाद एक निजी कंपनी में नौकरी करते है। आरिफ सुबह को मुरादनगर से गजियाबाद ऑटो से जा रहे थे। 9 बजे के आसपास जब उनका ऑटो दिल्ली-मेरठ मार्ग पर एचएलएम कॉलेज के सामने गांव मिल्क दुहाई गेट के सामने पहुंचे, तो अचानक बाइक सवार तीन बदमाश आरिफ से हाथ से मोबाइल लूटकर फरार हो गए।

ई-साइकिल चलाकर लोगों को दिया स्वच्छता का संदेश

- नोएडा स्टेडियम में प्राधिकरण की तरफ से साइक्लाथान का किया गया आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

इंडियन स्वच्छता लीग के तहत सेक्टर.21.ए स्थित नोएडा स्टेडियम में नोएडा प्राधिकरण की तरफ से साइक्लाथान का आयोजन किया गया। साइकिल रैली में ई-साइकिल चलाई गई। इसके जरिए ई-साइकिल चलाकर स्वच्छता का संदेश देने के साथ डीजल एवं पेट्रोल वाहनों से होने वाले प्रदूषण एवं ई-साइकिल से पर्यावरण को होने वाले फायदों के विषय में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकरण के डीजीएम एसपी सिंह, परियोजना अभियंता विजय रावल, गौरव बंसल, शामिल हुए रहे।

साथ ही नोएडा नाइट्स टीम कप्तान आरजे गिन्नी, चैलेंजर्स ग्रुप से प्रिंस गुप्ता, गाइडेड फार्च्यून समिति सदस्य एवं भारी संख्या में लोगों

ने प्रतिभाग किया। इंडियन स्वच्छता लीग कार्यक्रम के अंतर्गत नोएडा के विभिन्न स्कूल में छात्र.छात्राओं के मध्य वेस्ट टू आर्ट कंप्टीशन कराया गया। प्रतियोगिता में छात्र.छात्राओं द्वारा पुराने अखबार, टूटे खिलौने आदि जैसी चीजों से पेंटिंग व खिलौने आदि बनाए गए। प्रतियोगिता के विजेताओं को जन स्वास्थ्य विभाग उप महाप्रबंधक एसपी सिंह द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एसपी सिंह ने लोगों को बताया गया कि नोएडा प्राधिकरण स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रतिभाग कर रहा है। विगत कुछ वर्षों में नोएडा ने बेस्ट सस्टेनेबल सिटी, गार्बेज फ्री शहरों की रैंकिंग में फाइव स्टार रैंकिंग जैसी कई उपलब्धियां हासिल की हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में नोएडा को पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए लोगों से सहयोग करने की अपील की।

आरजे गिन्नी ने सफाई कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करने के साथ सीवर की सफाई करने वाले सफाई मित्रों का अभिवादन किया। उन्होंने अनुरोध किया कि सफाई कार्य करते समय आवश्यक सावधानी बरतें व व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करें। ग्राम सदरपुर स्थित जल निकाय पर एक्वा रिवाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सदरपुर के जल निकाय का कायाकल्प किया गया। जलाशय को साफकर एसटीपी से शोधित पानी का उपयोग किया गया।

अपने मनोभावों को क्षीण न होने दें!

महामारी से प्रेरित लॉकडाउन ने जीवन शैली का रूप ले लिया है। कुछ मनोवैज्ञानिकों से बात करने के बाद क्रिस्टी वर्गीज को पता चला कि वास्तविकता के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बदलना कितना महत्वपूर्ण है, जब हम यथार्थ को नहीं बदल सकते।

जबकि भारत में कोरोना वायरस का पहला मामला 27 जनवरी, 2020 को पता चला था, इसने आम नागरिकों को मार्च के अंत तक प्रभावित नहीं किया, जब तीन सप्ताह के देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की गई थी। और फिर हमारे जीवन में बड़े बदलाव आए, जिस तरह से हम इसे जानते थे। परीक्षाएं अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गईं। पिछले साल से एकेडमिक कैलेंडर अस्त-व्यस्त हो गया है। कई छात्रों के लिए, ऑनलाइन कक्षाएं एक विलासिता थी क्योंकि उनके पास उपकरणों या डेटा कनेक्शन तक पहुंच नहीं थी। कार्यालयों ने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया, उनमें से कुछ ने इस तरह के बदलाव को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध कराए। घरेलू सहायिका महीनों तक नौकरी से बाहर रहीं। लेकिन धीरे-धीरे चीजें नियमित होती गईं। परिवार, जो दिन के एक बड़े हिस्से के लिए अलग रहते थे, तब से लंबे समय तक एक-दूसरे के आसपास रहने के आदी हो गए हैं। नौकरानियां काम पर लौट आई हैं। बच्चे ऑनलाइन कक्षाओं में बस गए हैं, भले ही वे इससे पूरी तरह खुश न हों।

अगर हम कहें कि इन 14 महीनों में चीजें बदल गई हैं, तो यह लगभग एक खामोशी जैसा होगा। देखने योग्य घटनाओं के अलावा, पृष्ठभूमि में होने वाली अन्य घटनाएं भी हैं, जो उतनी ही उल्लेखनीय हैं, यदि अधिक नहीं। जबकि, सतह पर, बच्चों और वयस्कों को अपने साथियों और सहकर्मियों से दूर रहने की आदत हो गई है, अन्य मुद्दे उनके मानसिक स्वास्थ्य को दूर कर रहे हैं। मनोचिकित्सक और द हैप्पी ट्री, डी-एडिक्शन एंड मेंटल हेल्थ हॉस्पिटल के संस्थापक और निदेशक, डॉ. अनुनीत सभरवाल के अनुसार, 'यह आसानी से देखा जा सकता है कि संरचना और दिनचर्या की कमी बच्चों में महत्वपूर्ण तनाव पैदा कर रही है। कॉलेज के छात्र और स्कूल जाने वाले बच्चे समान रूप से चिंता के स्तर में वृद्धि का अनुभव कर रहे हैं क्योंकि वे अपने दोस्तों से मिलने और शारीरिक रूप से कक्षाओं में भाग लेने में सक्षम नहीं हैं। इसी तरह, वर्क फ्रॉम होम (डब्ल्यूएफएच) ने मजदूर वर्ग के लिए कई मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियां पैदा की हैं क्योंकि यह देखा गया है कि इसी नाम के मॉडल ने अधिक भावनात्मक थकावट और संज्ञानात्मक संकट पैदा किया है। शारीरिक संबंध और सामाजिक समर्थन की कमी, जिसकी किसी को अपने सहकर्मियों से आवश्यकता होती है, अधिक तनाव का कारण बन रहा है। सीमाएं निर्धारित करना मॉडल का एक अभिन्न अंग होता है, जिसके अभाव में लंबे समय तक काम करने की इच्छा बढ़ती है, जिससे तनाव और चिंता का स्तर बढ़ जाता है, जिससे कर्मचारियों की दीर्घकालिक उत्पादकता प्रभावित होती है।'

हालांकि, मनोवैज्ञानिक, लेखक और हार्वर्ड के पूर्व छात्र, डॉ. रजत मित्रा, इसे एक अलग दृष्टिकोण से देखते हैं और मानते हैं कि इसमें सकारात्मकता का भी हिस्सा है। उन्होंने साझा किया कि एक प्रमुख लाभ जिसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है, वह परिवारों के इर्द-गिर्द घूमता है, जो अधिकांश दिन एक-दूसरे से दूर बिताते हैं। ऐसे परिवारों का गठन करने वाले लोगों को अपने और अपने निकट (अनपेक्षित) और प्रियजनों के साथ अपने संबंधों की जांच करने का अवसर मिला है। उनका कहना है, 'जबकि माता-पिता अभी भी काम में तल्लीन हैं, अब उनके पास पूरे दिन अपने बच्चों को देखने का मौका है, जबकि पहले, वे सप्ताह के दिनों में काम से घर आने के बाद उनके साथ बातचीत करने के लिए बहुत थक जाते थे। लॉकडाउन ने कामकाजी माता-पिता को अपने बच्चों के साथ जुड़ने और जुड़ने का अवसर प्रदान किया है। कई माता-पिता जो मुझसे सलाह लेते हैं, वे इस तथ्य से दुखी होते हैं कि उनके बच्चे बचपन का अनुभव उस तरह से नहीं करते जैसा उन्होंने किया, जबकि इन समयों में यह अपरिहार्य है, मैं उन्हें अपने बच्चों के साथ बातचीत करने और उनके साथ डिजिटल दुनिया से एक ब्रेक लेने की सलाह देता हूं। इनडोर खेलों में शामिल होने जैसी सरल गतिविधियां कैरम या लूडो अनफिल्टर्ड इंटरैक्शन को प्रोत्साहित करते हुए विलुप्त होने में एक लंबा रास्ता तय करती हैं।'

डॉ. मित्रा ने भी अपने विचार व्यक्त किए कि कैसे महामारी हमारे मनोवैज्ञानिक तारों को बदल सकती है। उन्होंने कहा, 'हम यहां अनुकूलन क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। हम, मनुष्य, लचीला प्राणी हैं और समय इस तथ्य का एक वसीयतनामा है कि हम अपनी इच्छानुसार अनुकूलन कर सकते हैं। हम इस महामारी से बचे रहेंगे, इसमें कोई शक नहीं है। हालांकि, हम कुछ पहलुओं में बदल गए होंगे। उदाहरण के लिए, विभिन्न अध्ययनों ने संकेत दिया है कि अंतर्मुखी लोग बहिर्मुखी लोगों की तुलना में लॉकडाउन से बेहतर तरीके से निपट रहे हैं, जिन्हें अपना कीमती समय और ऊर्जा विकसित करने वाले तंत्र विकसित करने में खर्च करना पड़ा है, जो कि इन समय के अनुरूप हैं। आज नियोक्ताओं द्वारा अंतर्मुखी लोगों को उच्च सम्मान दिया जा रहा है, जबकि महामारी से पहले ऐसा नहीं था।'

वह यह भी महसूस करता है कि इस बात की अच्छी संभावना है कि हमने कुछ नए तंत्रिका सर्किट विकसित किए हैं क्योंकि हमें इन समय की जरूरतों के अनुकूल होना है। डॉ. मित्रा कहते हैं, 'मुझे याद नहीं है कि पिछली बार मैं कक्षा में अपने छात्रों से कब मिला था। जब से दुनिया को डिजिटल बनाया गया है, मैंने महसूस किया है कि मैंने अवचेतन रूप से अपने छात्रों को उनकी आवाज के आधार पर पहचानना सीख लिया है। यहां तक कि जब मैं बाहर निकलता हूं, तो लगभग सभी के पास नकाब होता है और मेरे मानस को समायोजित करने के लिए मजबूर किया जाता है, जबकि पहले किसी का चेहरा उनका सबसे प्रमुख पहचानकर्ता था, अब मैं लोगों को उनकी आवाज से पहचानता हूं।'

सूचना अधिभार के कारण ठहराव का समय भ्रम और अव्यवस्था से रेखांकित होता है। सीधे शब्दों में कहें, सूचना अधिभार (इन्फोबेसिटी, इन्फोक्सिकेशन, सूचना चिंता और सूचना विस्फोट के रूप में भी जाना जाता है) किसी मुद्दे को समझने और उस मुद्दे के बारे में बहुत अधिक जानकारी होने पर प्रभावी ढंग से निर्णय लेने में कठिनाई है। एक लेखक और नैदानिक मनोवैज्ञानिक पुलकित शर्मा ने कहा, 'इस डिजिटल समय में बहुत सारी जानकारी आसानी से उपलब्ध है। महामारी से संबंधित इसमें से अधिकांश सच हो सकता है, लेकिन मेरा विश्वास करो, बहुत सारी फर्जी खबरें प्रसारित की जा रही हैं। क्या यह सब प्रासंगिक है? बिल्कुल नहीं। जबकि इस डिजिटल युग के अपने वरदान हैं, असीमित जानकारी तक पहुंच एक बड़ा नुकसान साबित हो रहा है। इससे जनता में थकान और निराशावाद की भावना बढ़ती जा रही है। समाचार या सोशल मीडिया में खुद को डूबने की जरूरत नहीं है जो आपको केवल चिंता और घबराहट की ओर ले जाएगा। रिपोर्टों ने निर्धारित किया है कि जो लोग कोविड-19 से पीड़ित थे, उनमें से 98 प्रतिशत बच गए। हां, वास्तविकता यह है कि महामारी की मृत्यु दर सिर्फ दो प्रतिशत है, लेकिन हम चीजों को अनुपात से बाहर कर रहे हैं।' 'हमें यह समझना होगा कि ऐसे समय होते हैं जब हम अपनी वास्तविकता को नहीं बदल सकते। हालांकि, उन उदाहरणों में, उस वास्तविकता के प्रति हमारी प्रतिक्रिया पर हमारा नियंत्रण होता है। इसलिए, इस समय मेरा मानना है कि हमारा ध्यान खुद पर होना चाहिए और हम जीवन के इस उपहार को कैसे सार्थक बना सकते हैं।'

डॉ. मित्रा द्वारा प्रतिध्वनित एक भावना, 'ऑनलाइन परामर्श के दौरान, मैंने देखा कि अधिक से अधिक लोग अंदर की ओर मुड़ रहे हैं और बिना किसी जबरदस्ती के आत्मनिरीक्षण कर रहे हैं। यह एक वैश्विक घटना है, ईमानदार होने के लिए, जिसे इतिहास में अनसुना किया गया है।' दोनों मनोवैज्ञानिक इस तथ्य पर सहमत थे कि यह अंततः इस बात पर निर्भर करता है कि कोई व्यक्ति चीजों को कैसे देखता है। डॉ शर्मा कहते हैं, 'लंबे समय तक, शहरी जंगल में हर किसी ने महसूस किया कि उन चीजों को करने का समय नहीं है जो वे करना चाहते हैं। अब वह समय प्रचुर मात्रा में है, उसके लिए आभारी होना चाहिए और उसी का उपयोग करना चाहिए। वर्क फ्राम होम मॉडल का पालन करने वाले श्रमिक वर्ग के लिए, एक शेड्यूल बनाना और उस पर टिके रहना बहुत महत्वपूर्ण है। उन चीजों के प्रति सचेत रहना जो आप करना चाहते हैं और उन्हें अपने शेड्यूल में शामिल करना एक बहुत ही अच्छा अनुभव है। दूसरी ओर, एक शेड्यूल बनाने के बाद यदि आप शुरुआत में ही उसका पालन करने में विफल रहते हैं, तो बाकी शेड्यूल बेकार चला जाता है। इसलिए, एक कार्यक्रम बनाने या योजना बनाने का सरल कार्य तत्काल भविष्य में दिमाग का सही ढांचा होने का एक अभ्यास है। यह व्यक्ति को उपस्थित होने और रचनात्मक रूप से समय का उपयोग करने में सक्षम बनाता है।' इसके अतिरिक्त, डॉ. सभरवाल ने इस अनिश्चित समय में खुद को कैसे रखा जाए, इस पर एक संक्षिप्त मार्गदर्शिका प्रदान की। उन्होंने कहा, 'उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें जिन्हें आप नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, उन चीजों पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करने के बजाय जिन्हें आप नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। जितनी बार हो सके अपने प्रियजनों के साथ चेक-इन करें। नियमित रूप से कुछ हल्के व्यायामों में शामिल होने का प्रयास करें जैसे कि खींचना, चलना क्योंकि वे आपको बेहतर महसूस करने में मदद कर सकते हैं और आपको सक्रिय रहने की अनुमति देंगे।

खामोशी है आपकी सबसे बड़ी दुश्मन

एक समाज के तौर पर हमने मानसिक सेहत के क्षेत्र में कुछ प्रगति की है। मगर क्या वाकई में स्थिति वैसी ही है जैसी कि बताई जाती है? गिरीश दत्त शुक्ला बता रहे हैं कि जिस पर हम भरोसा करते हैं, उससे बात करना व्याधि से उबरने की दिशा में उठने वाला पहला कदम होता है।

अवसाद आजकल बहुत आम हो गया है। आप इसके बारे में पॉप संस्कृति में सुनते हैं, इसके बारे में किताबों में पढ़ते हैं और यहां तक कि इसके बारे में स्वयं ऑनलाइन टिप्पणी भी की होगी, लेकिन क्या हम इसके आसपास की गंभीरता और पेचीदगियों को समझते हैं? अपने सिर के अंदर फंसना कैसा लगता है? दुनिया को उसकी सारी महिमा में देखने के लिए लेकिन किसी कारण से, इसमें भाग लेने में सक्षम नहीं होने के कारण? यदि केवल आप इंद्रधनुष के सभी रंगों को महसूस कर सकते हैं। लेकिन क्या यही है डिप्रेशन? जीवन के सभी रंग नहीं देख पाने के लिए? हम सिक्के को कैसे उछालें और इसके दूसरे स्पेक्ट्रम की खोज कैसे करें? जब आप अपने और अपने आस-पास के बारे में बहुत अधिक जागरूक हों तो क्या होगा? क्या यह संभव है कि बहुत अधिक भावना भी आपको छेद से नीचे धकेल दे? चाहे कुछ भी हो लेकिन परिणाम दुख की बात है कि आम है। अपने आप से और दुनिया से हटना और अत्यधिक शीतलता जो आपको रसातल में छोड़ सकती है। हमने, एक समाज के रूप में, मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कुछ प्रगति की है। इसको लेकर स्वस्थ चर्चा चल रही है। कई मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के सार को समझने के लिए शोधकर्ता अपना समय और पैसा लगा रहे हैं। ये निश्चित रूप से सकारात्मक कदम हैं, खासकर यह ध्यान में रखते हुए कि हम ऐसी चीजों को गलीचे के नीचे छिपाने की तुलना में कितनी दूर आ गए हैं। लेकिन क्या यह सब गुलाबी है, जैसा कि वे कहते हैं? क्या हम इसके बारे में बात कर सकते हैं?

दुनिया प्रकाश-वर्ष आगे बढ़ सकती है, लेकिन इससे आपके अपने विकास में तेजी नहीं आती है। आप मानसिक स्वास्थ्य के बारे में स्वस्थ बातचीत के बीच में हो सकते हैं, लेकिन शर्म महसूस कर सकते हैं या अपने स्वयं के राक्षसों के बारे में खोलने के लिए बहुत कमजोर महसूस कर सकते हैं। आप क्या खा रहे हैं, इसके बारे में बात करना मुश्किल है। आप कितने समय से पीड़ित हैं, यह समझने के लिए कोई समयरेखा या सरल रोडमैप नहीं है। कुछ के लिए यह वही है जिसके साथ उन्हें रहना है क्योंकि वे कोई दूसरा रास्ता नहीं जानते हैं। क्या आप खुश महसूस कर सकते हैं और हर समय इस क्षण में रह सकते हैं और इस अदृश्य खरगोश के छेद में नहीं पड़ सकते जो केवल आपके लिए मौजूद है? क्या यह बेहतर हो सकता है? क्या आप किसी को बता सकते हैं कि यह कैसा लगता है? कि आपको लगता है कि आप इस दुनिया में अकेले हैं, भले ही आप उन सभी लोगों से घिरे हों जिन्हें आप प्यार करते हैं। अपने भावनात्मक निशान दिखाना, खोलना कठिन है। इसे खुले में रखना और अपनी आंतरिक पीड़ा को दिखाना।

कुछ के लिए, यह साझा करने वाला हिस्सा है जो उन्हें बात करने से रोकता है। कुछ के लिए यह केवल सुसंगतता की बात है, यह वर्णन करने में सक्षम नहीं है कि यह कैसा महसूस होता है। कुछ के लिए, यह उदास व्यक्ति के रूप में लेबल किए जाने का डर है, लेकिन ऐसा नहीं है कि वे कौन हैं। आप कैसे खुलते हैं और क्या इससे मदद मिलेगी? अधिक बार नहीं, ये भयावह भय हैं जो आपको चुप रहने पर मजबूर करते हैं लेकिन मौन ही एकमात्र ऐसी चीज है जो मदद नहीं करेगी। यह आवश्यक है कि आप अपने भीतर देखें और इसके बारे में बात करने की ताकत पाएं, एक ऐसे व्यक्ति को खोजें जिस पर आप विश्वास करते हैं और भरोसा करते हैं और यह बताएं कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। यहां कोई सही शब्द नहीं हैं, उपचार का सार कमजोर होने में है। जो लोग लंबे समय से अवसाद से पीड़ित हैं, वे महसूस कर सकते हैं कि जीने का यही एकमात्र तरीका है और यह भावना उज्ज्वल और खुशहाल भविष्य की किसी भी आशा में छाया डाल सकती है। आपको लग सकता है कि जीवन बहुत कठिन है। चलते रहने का उद्देश्य क्या है? इसके साथ आने वाली निरंतर थकान को सहन करना कठिन हो सकता है लेकिन ऐसे समय पर पहुंचना अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है। यह समझना जरूरी है कि यह एक ऐसी बीमारी है जिसका इलाज किसी भी अन्य बीमारी की तरह किया जाना चाहिए और हां, सुरंग के अंत में रोशनी है। हालांकि, यात्रा की ओर पहला कदम खुल कर बात करना है।

लेखक कम्प्यूटर इंजीनियर हैं।

अभिव्यक्ति ही है असली स्वतंत्रता

जब हम कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, स्व-प्रतिरक्षित बीमारियों वाले लोगों की जीवन शैली का निदान और चिंतन करने में समय लगाते हैं, तो हम पाते हैं कि 90 प्रतिशत मामलों में भावनाएं एक समानता हैं। हमारे परामर्शों में भी, हम अपने लगभग हर रोगी से एक प्रश्न पूछते हैं क्या आपके मन में कोई दबी हुई भावनाएं हैं? छह महीने पहले आपके जीवन में क्या हुआ था या जब आपको पहली बार इस समस्या का पता चला था?

और, मानो या न मानो, हम पाते हैं कि उनमें से प्रत्येक के जीवन में किसी न किसी प्रकार का तनाव या भावनात्मक पतन हुआ है। उनमें से अधिकांश खुलना और साझा करना शुरू कर देते हैं कि कैसे वे वर्षों से अनसुलझे भावनाओं के साथ जी रहे हैं, कुछ बचपन से। क्षमा, क्रोध, अपराधबोध, आक्रोश, ईर्ष्या, शोक, चोट वर्षों से पूरी तरह से शांत हो गए। भावनाओं का शाब्दिक अर्थ गति में ऊर्जा में अनुवाद होता है। कोई भी भावना नकारात्मक या सकारात्मक दिन के अंत में ऊर्जा होती है और इसे प्रवाहित होना चाहिए। ऊर्जा को दबाने और इसे बोतलबंद करने की अनुमति देने से हमारे स्वास्थ्य पर भारी प्रभाव पड़ सकता है। यहां तक कि विज्ञान ने भी स्थापित किया है कि असंसाधित भावनाएं भौतिक शरीर में किसी न किसी रूप में प्रकट होती हैं। यदि आप कम

भावनाओं को दबाने से बिगड़ सकती है सेहत

महसूस कर रहे हैं, उदास हैं और भावनाओं से जूझ रहे हैं, तो आपके पास व्यक्त करने की क्षमता की कमी है।

एक्सप्रेस, एक्सप्रेस, एक्सप्रेस... यह सब कुछ है और यह बहुत स्वाभाविक है। इसके लिए चाहे कुछ भी करना पड़े। यह बात करने, लिखने, अपने स्वयं के वॉयस नोट को रिकॉर्ड करने और हटाने, जर्नलिंग या यहां तक कि किसी विशेषज्ञ जीवन कोच या भावनात्मक परामर्शदाता के साथ परामर्श स्थापित करने के माध्यम से हो सकता है। बस दबी हुई भावनाओं को साझा करने से, ग्राहक बहुत बेहतर महसूस करने लगते हैं, इसलिए कल्पना करें कि नियमित रूप से भावनाओं को व्यक्त करने से क्या हो सकता है। मनुष्य के रूप में हमें संवाद करने के लिए डिजाइन किया गया है और यह जीवन का निर्माण खंड है। इसमें पहला कदम यह सीखना है कि ठीक न होने के साथ कैसे ठीक होना है। एक बुरा दिन होना ठीक है। असफल होना ठीक है। किसी रिश्ते में झगड़ा या वाद-विवाद होना ठीक है। हर उस भावना को महसूस करें जिससे आप गुजर रहे हैं। अगर यह आपको रुलाता है, रोओ और उन आंसुओं को बहाओ। एक कारण है कि जब हम दुखी होते हैं तो मनुष्य के रोने का तंत्र होता है। जब हम इन भावनाओं को महसूस करते हैं, तभी हम उन्हें उनकी स्वाभाविक मौत मरने देते हैं। हम सोचते हैं कि बाहरी साधनों जैसे शराब पीना, अधिक खाना, देखना, ड्रग्स, खरीदारी आदि का उपयोग करना इसका समाधान है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। यह केवल आपकी वास्तविक भावना को आपके भीतर और गहरा कर रहा है, आपकी आत्मा को जंग लगा रहा है।

अभिव्यक्ति ही सच्ची मुक्ति और स्वतंत्रता है।

संकट काल में तनाव मुक्ति के रास्ते

ऐसे प्रतिकूल समय में तनाव का प्रबंधन करने के लिए स्कूल कैसे छात्रों और अभिभावकों की मदद कर सकते हैं, इस संबंध में आने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत कर रहे हैं ग्रीन एक्रीस एकेडमी के एमडी रोहन पारेख।

वर्तमान में हम एक अलग किस्म की स्थिति का सामना कर रहे हैं। जैसा कि हम देखते हैं कि दुनिया धीरे-धीरे महामारी से उबर रही है, भविष्य के बारे में चिंता और तनाव का भाव प्रबल होना स्वाभाविक है। यदि हम, वयस्कों के रूप में, इस तरह महसूस करते हैं, तो यह तर्कसंगत है कि हमारे बच्चे भी इसे महसूस करेंगे, और हो सकता है कि उनके पास दुनिया की वर्तमान स्थिति को तर्कसंगत बनाने की समान क्षमता न हो। ऐसी स्थिति में सामाजिक-भावनात्मक अधिगम द्वारा प्रदान किया गया तंत्र विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होता है। शिक्षकों और स्कूलों की अब महत्वपूर्ण भूमिका माता-पिता को सही मार्गदर्शन, सलाह और सहायता प्रदान करने में होगी ताकि छात्रों को उनके तनाव का प्रबंधन करने में मदद मिल सके। यहां तीन मुख्य बातें हैं जो माता-पिता को अपने बच्चों की मदद करते समय ध्यान में रखनी चाहिए :

p मौजूदा स्थिति के बारे में उनसे बात करें

महामारी काफी समय से है, और इसके प्रभाव अच्छे और बुरे दोनों तरह से बने रहेंगे। कठिन बातचीत से बचना बच्चों के लिए मामलों को और अधिक भ्रमित और तनावपूर्ण बना देगा। माता-पिता को चाहिए कि वे शांति से बच्चों को वर्तमान परिदृश्य समझाएं और उनकी भावनाओं के माध्यम से उनके साथ काम करें। ऐसा करने से, माता-पिता उन्हें अनिश्चित परिस्थितियों के लिए बेहतर तरीके से तैयार करेंगे और भविष्य में वे इससे कैसे निपट सकते हैं। उन परिस्थितियों में सच्चे रहना याद रखें जहां आपके पास उत्तर नहीं हो सकता है। बच्चे ईमानदारी की सराहना करेंगे और सीखेंगे कि यह ठीक है कि हम हमेशा सब कुछ नहीं जानते। ऐसा दिखावा न करें कि कुछ भी गलत नहीं है। बच्चे हमारे विचार से अधिक सहज होते हैं और जब चीजें सही नहीं होती हैं तो वे उठा सकते हैं। उनके डर की भावनाओं को स्वीकार करना और उन्हें मान्य करना महत्वपूर्ण है, और उन्हें बताएं कि उन भावनाओं का होना ठीक है। कुछ अच्छी खबरें भी साझा करना सुनिश्चित करके बातचीत को संतुलित करें, उन्हें बताएं कि यह सब बुरा नहीं है। और सबसे महत्वपूर्ण बात, सुनिश्चित करें कि रूपांतरण निरंतर है। उन्हें आपसे बात करने के लिए प्रोत्साहित करें, सुनिश्चित करें कि वे आपके साथ संवाद करें और तथा समय-समय पर उनकी भावनाओं का परीक्षण करें।

p बड़ी और कठिन भावनाओं से निपटने में उनकी मदद करें

हम सभी भावनाओं की एक पूरी मेजबानी से गुजर रहे हैं, कभी-कभी यह लगभग एक रोलरकोस्टर की तरह होता है। हालांकि इस तरह की भावनाओं का अनुभव करना पूरी तरह से ठीक है, लेकिन व्यथित रहना अच्छा नहीं है। संकट की स्थिति में रहना व्यक्ति को स्पष्ट रूप से सोचने से रोकता है और उसकी शिक्षा को भी प्रभावित कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मस्तिष्क लड़ाई या उड़ान की स्थिति में चला जाता है और मस्तिष्क सबसे तेज प्रतिक्रिया की तलाश में है, लेकिन सबसे अच्छी प्रतिक्रिया नहीं है। छात्रों को इसके माध्यम से काम करने में मदद करने के लिए, हमें उन्हें यह सिखाना होगा कि पहले उनकी भावनाओं को कैसे पहचाना जाए। अपने बच्चों को सिखाएं कि संकट में होने का क्या मतलब है या कैसा महसूस होता है, और वे कौन सी विभिन्न भावनाएं हैं जो इसका कारण बन सकती हैं। क्या यह क्रोध, निराशा, निराशा आदि है। एक बार जब वे भावनाओं की पहचान कर लेते हैं, तो अगला कदम उन्हें यह सिखाना है कि इससे कैसे निपटना है। बच्चों को भावनाओं को प्रबंधित करने में मदद करने के लिए उन्हें कुछ उपकरण दें, जैसे बच्चों को सुरक्षित या गहरी सांस लेने के लिए गले लगाना, शरीर की धीमी गति से उनके मन और भावनाओं को धीमा करने में मदद करना। एक बार जब उन्होंने अपनी बड़ी भारी भावनाओं का सामना कर लिया, तो अब समस्या को हल करने का समय आ गया है। उन्हें सिखाएं कि एक बार जब वे शांत अवस्था में पहुंच जाते हैं, तो उनका दिमाग समस्या के सबसे तेज समाधान के बजाय सबसे अच्छे समाधान के बारे में सोचने के लिए बेहतर जगह पर होगा। तो अब, आप दोनों एक साथ समस्या पर फिर से विचार कर सकते हैं और आकलन कर सकते हैं कि समस्या से निपटने के लिए आप कौन से संभावित समाधान निकाल सकते हैं।

p आपके परिवार को सुरक्षित महसूस कराने के सक्रिय तरीके

सक्रिय उपकरण या रणनीतियां वे हैं जो हमें अपने निर्णय लेने और समस्या-समाधान का कार्यभार संभालने में मदद करती हैं। ये हमें विशिष्ट मुद्दों या परिदृश्यों की योजना बनाने में मदद करते हैं जो उत्पन्न हो सकते हैं और उनके लिए तैयार रहें। तैयार और तैयार होने से ही बच्चों को स्थिति आने पर अधिक आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलेगी क्योंकि वे खो नहीं जाएंगे या प्रतिक्रिया करने के तरीके से भ्रमित नहीं होंगे। बच्चों को लैस करने के लिए महत्वपूर्ण सक्रिय उपकरण उन्हें अपना दिन निर्धारित करने और दिनचर्या का पालन करने में मदद कर रहे हैं। अगर वे जानते हैं कि दिन कैसा रहने वाला है, तो इससे उन्हें भावनात्मक और मानसिक रूप से अधिक तैयार होने में मदद मिलती है। बच्चों के लिए अन्य महत्वपूर्ण उपकरण पर्याप्त व्यायाम, नींद, भोजन और पानी हैं।

विश्व कप जीत सकता है भारत : कपिल देव

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि भारतीय टीम अपनी धरती पर वनडे विश्व कप जीत सकती है लेकिन उन्होंने कहा कि प्रबल दावेदार का ठप्पा लगाना सही नहीं है क्योंकि बहुत कुछ तकदीर पर निर्भर करेगा। कपिल ने कहा, अगर हम शीर्ष चार में आ गए तो यह महत्वपूर्ण होगा। इसके बाद से किस्मत की बात है। उन्होंने जम्मू तवी गोल्फ कोर्स पर चार से सात अक्टूबर तक होने वाले जे एंड के ओपन के तीसरे सत्र के लांच से इतर कहा, हम अभी नहीं कह सकते कि हम प्रबल दावेदार हैं। हमारी टीम अच्छी है। दिल कुछ कहता है और दिमाग कहता है कि अभी काफी मेहनत करनी होगी। मैं अपनी टीम को जानता हूं लेकिन दूसरी टीमों को नहीं जानता। ऐसे में जवाब देना गलत होगा। उन्होंने कहा, जहां तक भारत का सवाल है तो यह टीम जीत सकती है। उन्हें जुनून के साथ खेलना चाहिए। भारत ने श्रीलंका को एशिया कप फाइनल में दस विकेट से हराकर खिताब जीता।

उन्होंने कहा, सिराज ने शानदार गेंदबाजी की। मुझे खुशी है कि अब हर देश में हमारे तेज गेंदबाज दस विकेट ले रहे हैं। यह सोने पे सुहागा है। एक समय पर हम स्पिनरों पर निर्भर थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। यही इस टीम की ताकत है। कपिल ने यह भी कहा कि बतौर प्रशंसक वह करीबी मुकाबला देखना चाहते हैं, एशिया कप की तरह एकतरफा मुकाबले नहीं। उन्होंने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर मुझे करीबी मुकाबले देखना पसंद है। लेकिन बतौर खिलाड़ी मैं चाहूंगा कि उन्हें 30 रन पर आउट करके मैच जीत लूं। एक दर्शक के तौर पर मैं करीबी मुकाबले देखना चाहूंगा। कपिल ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा, यह ऐसा युवा खिलाड़ी है जो भारतीय क्रिकेट का भविष्य है। भारत में इस तरह का खिलाड़ी होना गर्व की बात है। शिखर धवन, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे सीनियर खिलाड़ी विश्व कप टीम में जगह नहीं बना सके। कपिल ने हालांकि चयनकर्ताओं का बचाव करते हुए कहा, जो टीम में जगह नहीं बना सके, उनको लेकर बात हो रही है। सभी की अपनी राय है। चयनकर्ता हमसे बेहतर जानते हैं क्योंकि वे आपस में सलाह मशविरा करके सर्वश्रेष्ठ टीम चुनते हैं। उन्हें उनका काम करने दीजिए।ऊंलाी उठाना आसान है।

दीक्षा स्विस लेडीज ओपन में संयुक्त सातवें स्थान पर

होल्जहौसर्न (स्विटजरलैंड)। भारत की दीक्षा डागर ने लेडीज यूरोपीय टूर गोल्फ में अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए वी पी बैंक स्विस लेडीज ओपन में संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया। दीक्षा ने तीसरे और आखिरी दौर में चार अंडर 68 स्कोर किया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अमनदीप द्राल संयुक्त 43वें स्थान पर रहीं जबकि वाणी कपूर कट में प्रवेश नहीं कर सकी। लेडीज यूरोपीय टूर में अब छोटा ब्रेक होगा जिसके बाद फ्रांस में लेडीज लाकोस्टे ओपन खेला जाएगा। इस साल पांच और टूर्नामेंट बाकी है।

कई भारतीय खिलाड़ियों के लिए आखिरी होंगे हांगझोउ एशियाई खेल

एजेंसी। नई दिल्ली

टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना से लेकर हॉकी के दिग्गज गोलकीपर पी आर श्रीजेश और महान टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल तक, भारत के कई धाकड़ खिलाड़ी हांगझोउ में एशियाई खेलों से विदा लेंगे। शरत और रोहन चालीस पार करने के बाद भी विश्व स्तरीय प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि 35 वर्ष के श्रीजेश अभी भी भारतीय हॉकी की दीवार हैं। अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया, स्क्वाश स्टार दीपिका पल्लीकल, टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना और चक्काफेंक खिलाड़ी सीमा पूनिया के लिए भी यह आखिरी एशियाई खेल हैं। ए सभी कैरियर के आखिरी पड़ाव पर भी पदक के दावेदार हैं।

रोहन बोपन्ना

43 वर्ष के बोपन्ना ने इस साल पुरुष युगल वर्ग में विम्बलडन सेमीफाइनल और अमेरिकी ओपन फाइनल खेला। उन्होंने कल ही डेविस कप से विदा ली और हांगझोउ में पुरुष युगल एशियाई खेलों में उनकी आखिरी स्पर्धा होगी। इक्कीस साल पहले एशियाई खेलों में पदार्पण करने वाले बोपन्ना गत चैम्पियन हैं। उन्होंने 2018 में दिविज शरण के साथ खिताब जीता था। वह हांगझोउ में युकी भांबरी के साथ उतर सकते हैं।

अंकिता रैना

सानिया मिर्जा के बाद एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना इस बार भी पदक की दावेदार है। वह महिला युगल और मिश्रित युगल में भी खेल सकती है।

सीमा पूनिया

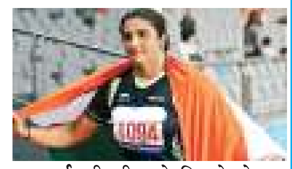

40 वर्ष की सीमा ने पिछले दो सत्रों में स्वर्ण और कांस्य पदक जीता। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में वह पदक नहीं जीत सकी थी। एशियाई खेल उनके पास पोडियम पर खड़े होने का आखिरी मौका है।

शरत कमल

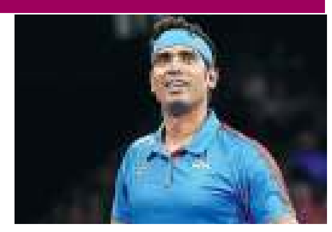

41 वर्ष के टेबल टेनिस स्टार शरत कमल अब तक एशियाई खेलों में दो पदक जीत चुके हैं। यह उनका पांचवां और आखिरी टूर्नामेंट है। उन्होंने पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण पदक जीते थे। पुरुष टीम ने पिछली बार कांस्य पदक जीता था और इस बार भी पदक की प्रबल दावेदार है। एशियाई खेलों में प्रतिस्पर्धा का स्तर राष्ट्रमंडल खेलों से काफी कठिन रहता है। शरत ने पिछली बार मनिका बत्रा के साथ कांस्य जीता था लेकिन इस बार मनिका एशियाई खेलों में जी साथियान के साथ उतरेंगी।

बजरंग पूनिया

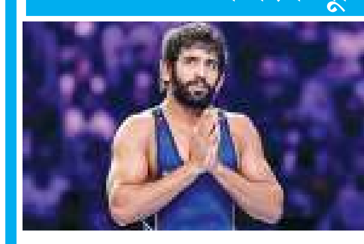

29 वर्ष के पहलवान पूनिया भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न के मामले में प्रदर्शन की अगुवाई करने के बाद पहली बार मैट पर लौटेंगे। वह 65 किलोवर्ग में गत चैम्पियन हैं। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूनिया तीसरी बार एशियाई खेलों में भाग लेंगे। वह 2014 में इंचियोन में रजत पदक जीत चुके हैं।

पी आर श्रीजेश

भारतीय हॉकी की दीवार श्रीजेश एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर फोकस कर रहे हैं। यह उनके आखिरी एशियाई खेल हैं जिनमें स्वर्ण पदक जीतकर अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाइ करना भारतीय टीम का लक्ष्य है। भारत के लिए 2006 में सीनियर स्तर पर पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद वह तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। जकार्ता में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम को अगर पदक का रंग बदलना है तो उसमें श्रीजेश की अहम भूमिका होगी।

दीपिका पल्लीकल

दो बच्चों की मां दीपिका का यह चौथा और आखिरी एशियाई खेल है। वह एशियाई खेलों में दो एकल और दो टीम पदक जीत चुकी है। वह इस बार मिश्रित युगल में हरिंदर पाल संधू के साथ खेलेंगी। दीपिका ने बच्चों के जन्म के बाद जोशना चिनप्पा और सौरव घोषाल के साथ दो विश्व खिताब जीते। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में भी मिश्रित युगल कांस्य जीता था।

हम प्रशंसकों के लिए विश्व कप जीतने को लेकर प्रतिबद्ध: कोहली

कहा,अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हैं

12 साल के सूखे को खत्म करने को बेताब

पायनियर समाचार सेवा। चेन्नइ

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह और टीम के उनके साथी स्वदेश में होने वाले आगामी एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हैं जिससे कि भारतीय प्रशंसकों के सपने को एक बार फिर साकार कर सकें। भारत ने दो बार एकदिवसीय विश्व कप जीता है और टीम ने पिछली बार 2011 में खिताब अपने नाम किया था जब उसने बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ मिलकर टूर्नामेंट की संयुक्त मेजबानी की थी। भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को फाइनल में छह विकेट से हराकर खिताब जीता था। कोहली अब खिताब के 12 साल के सूखे को खत्म करने को बेताब हैं। भारतीय टीम इससे पहले 2015 में ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड और 2019 में इंग्लैंड में खिताब जीतने में नाकाम रही है।कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, जज्बा और प्रशंसकों का समर्थन विश्व कप जीतने की आपकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा, पिछली विश्व कप जीतों की यादें, विशेषकर 2011 की ऐतिहासिक जीत, हमारे दिलों में बसी हुई है और हम अपने प्रशंसकों के लिए नई यादें तैयार करना चाहते हैं। कोहली ने कहा, इस शानदार अभियान का हिस्सा बनकर मैं रोमांचित हूं, हमारे प्रशंसकों की भावनाएं इससे जुड़ी हैं और उनके सपने को साकार करने के लिए हम अपना सब कुछ झोंकने के लिए तैयार हैं।

आलराउंडर रविंद्र जडेजा ने भी कोहली के सुर में सुर मिलाया।उन्होंने कहा, एक क्रिकेटर के रूप में इससे अधिक प्रेरणादाई कुछ नहीं है कि करोड़ों प्रशंसक आपके पीछे खड़े हैं, आपकी सफलता के लिए हौसला अफजाई कर रहे हैं। जडेजा ने कहा, यह अभियान हमारे प्रशंसकों के जज्बे और दीवानगी की झलक पेश करता है जो टीम इंडिया को जीतते हुए देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, यह ऐसी यात्रा है जिस पर हम एक साथ पूरे देश के साथ चलेंगे और हम मैदान पर अपने प्रदर्शन से हमारे प्रशंसकों को गौरवांवित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत आठ अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा।

विश्व कप के पहले चरण में नहीं खेल सकेंगे हेड, लाबुशेन के लिए रास्ते खुले

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

बाएं हाथ में फ्रेक्चर के कारण ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड भारत में विश्व कप के पहले चरण में नहीं खेल सकेंगे जबकि टूर्नामेंट के बाकी हिस्से में भी उनका खेलना संदिग्ध है जिससे फॉर्म में चल रहे मार्नस लाबुशेन के लिए रास्ते खुल गए हैं। हेड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे वनडे के दौरान तेज गेंदबाज गेराल्ड कोत्जी की गेंद बाएं दस्ताने पर लगी थी।

मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने बताया कि हेड भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला नहीं खेल सकेंगे। उन्हें आपरेशन की जरूरत नहीं है लेकिन विश्व कप टीम में उन्हें शामिल करने के जोखिम पर आस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं को विचार करना होगा। मैकडोनाल्ड ने कहा, अच्छी बात यह है कि उसे सर्जरी की जरूरत नहीं है। वह कुछ समय के लिए बाहर रहेगा और पहले चरण में नहीं खेल सकेंगे। हमें अंतिम 15 पर फैसला लेना है लेकिन मैं समय सीमा नहीं बता सकता।

विश्व कप पांच अक्टूबर से शुरू होगा और फाइनल 19 नवंबर को होना है हेड की चोट से लाबुशेन के रास्ते खुले हैं और आस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम में नहीं है लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन से उन्होंने ध्यान खींचा है। टीम में बदलाव 28 सितंबर तक किए जा सकते हैं।

साउदी को फिटनेस साबित करने का पूरा मौका मिलेगा : स्टीड

एजेंसी। लंदन

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि तेज गेंदबाज टिम साउदी को भारत में अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का पूरा मौका दिया जाएगा।इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे के दौरान एक कैच लपकते समय साउदी के दाहिने अंगूठे की हड्डी टूट गई थी। स्टीड ने कहा कि विशेषज्ञों से राय लेकर उनके बारे में फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा, तब तक हम विश्व कप को लेकर फैसला नहीं ले सकते। हमें समय सीमा को समझना होगा और जानकारी मिलने के बाद ही हम कोई फैसला लेंगे। हम टिम को फिटनेस साबित करने का पूरा मौका देंगे। अगले दस बारह दिन उसके लिए काफी महत्वपूर्ण होंगे।

टीमें 28 सितंबर तक विश्व कप टीम में बदलाव कर सकती हैं। उसके बाद उन्हें आईसीसी से अनुमति लेनी होगी।

पंत के प्रभाव से भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाजों की मानसिकता बदली: गिलक्रिस्ट

अहमदाबाद। ऋषभ पंत भले ही आगामी विश्वकप में खेलने के लिए फिट नहीं है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट का मानना है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने पिछले छह वर्षों में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। पिछले साल दिसंबर में कार दुर्घटना में घायल होने वाले पंत अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी बेंगलुरु में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उनकी अगले साल वापसी करने की संभावना है। उनकी अनुपस्थिति में केएल राहुल विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभा रहे हैं जबकि ईशान किशन के मध्यक्रम में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलने की संभावना है। गिलक्रिस्ट ने पीटीआई से कहा, मेरा मानना है कि ऋषभ ने दुनिया भर के विकेटकीपर बल्लेबाजों को अपनी तरह खेलने के लिए प्रेरित किया।

हॉकी रैंकिंग : भारतीय पुरूष तीसरे, महिलाएं सातवें स्थान पर

एजेंसी। लुसाने (स्विटजरलैंड)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अंतराष्ट्रीय हॉकी महासंघ की ताजा रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। भारत (2771) मई 2022 में शीर्ष तीन से बाहर हो गया था। भारत की रैंकिंग में सुधार पिछले महीने एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत मिलने से हुआ है। भारत ने सात में से छह मैच जीते और एक ड्रॉ रहा। यूरो हॉकी फाइनल में नीदरलैंड से हारी इंग्लैंट टीम शीर्ष तीन से बाहर हो गई। नीदरलैंड (3113) शीर्ष पर है जबकि बेल्जियम (2989) दूसरे स्थान पर है। जर्मनी पांचवें और

आस्ट्रेलिया छठे स्थान पर है जबकि उनके बाद अर्जेटीना और स्पेन हैं। महिला रैंकिंग में नीदरलैंड शीर्ष पर है जबकि आस्ट्रेलिया दूसरे और अर्जेंटीना तीसरे स्थान पर है। बेल्जियम चौथे और जर्मनी पांचवें स्थान पर है। भारत एक पायदान चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गया है। स्पेन आठवें, न्यूजीलैंड नौवे और जापान दसवें स्थान पर है।

शुभंकर शर्मा बीएमडब्ल्यू पीजीए चैम्पियनशिप में 36वें स्थान पर

वेंटवर्थ। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा आखिरी दौर में दो अंडर 70 के स्कोर के साथ बीएमडब्ल्यू पीजीए चैम्पियनशिप में संयुक्त 36वें स्थान पर रहे। पहले दौर में 73 के स्कोर के साथ एक समय कट से बाहर होने की कगार पर थे लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन करके वापसी की।उन्होंने कुल 16 बर्डी लगाए, एक डबल बोगी और नौ बोगी किए। वह रेस टू दुबई दौड़ में एक पायदान ऊपर 48वें स्थान पर पहुंच गए। शीर्ष 50 को सत्र की आखिरी डी पी विश्व टूर चैम्पियनशिप में जगह मिलेगी जो नवंबर में दुबई में होगी।

नॉर्किया, मगाला का विश्व कप में खेलना संदिग्ध, इस सप्ताह होगा फिटनेस टेस्ट

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया और सिसांडा मगाला का भारत में आगामी विश्व कप में खेलना संदिग्ध है और उनका फिटनेस टेस्ट इस सप्ताह किया जाएगा।दोनों को विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की 15 सदस्यीय टीम में रखा गया है लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में पांच मैचों की श्रृंखला में दोनों एक एक मैच ही खेल सके। नॉर्किया को कमर में चोट है और मगाला बाएं घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम 23 सितंबर को भारत रवाना होगी। इन दोनों की उपलब्धता पर फैसला उसके पहले लिया जाएगा।

बिना अभ्यास और पर्याप्त आराम के मजबूत चीन से भिड़ेगा भारत

हांगझोउ। अंतिम क्षणों में टीम के चयन के कारण भारतीय फुटबॉल टीम अभ्यास सत्र और पर्याप्त विश्राम के बिना मंगलवार को यहां एशियाई खेलों के ग्रुप मैच में मजबूत चीन का सामना करेगी इंडियन सुपर लीग की कुछ टीमों ने अपने खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में भाग लेने की मंजूरी नहीं दी जिसके कारण भारत ने शुक्रवार को आनन-फानन में अंतिम टीम का चयन किया था। टीम रविवार को ही चीन के लिए रवाना हुई जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास सत्र में एक साथ मिलकर खेलने का मौका नहीं मिला।यही नहीं 22 सदस्यीय टीम के दो खिलाड़ी डिफेंडर कोन्सम चिंगलेनसाना सिंह और लालचुंगनुंगा बाद में टीम से जुड़ेंगे क्योंकि उनके वीजा तैयार नहीं थे।

श्रेयस-अक्षर की चोट पर रोहित का अपडेट

अय्यर की चोट चिंता की बात नहीं, अश्विन भी हमारे वर्ल्ड कप प्लान का हिस्सा

एजेंसी। कोलंबो

भारत के कप्तान रोहित शर्मा के अनुसार श्रेयस अय्यर 99ञ फिट हैं और उनकी चोट वर्ल्ड कप के लिए चिंता की बात नहीं है। अय्यर ने पीठ की चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद एशिया कप से वापसी की थी। कोलंबो में फाइनल मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए रोहित ने श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल की चोट के बारे में अपडेट दिया।

श्रेयस लगभग 99 फीसद फिट

श्रेयस लगभग 99 फीसद फिट हैं। उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है। वह घंटों तक फीलिंग कर रहे हैं और फिलहाल पूरी तरह से मैच फिट होने की कगार पर हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई चिंता की बात है। अय्यर श्रेयस एशिया कप के शुरुआती दो मैचों में खेले थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 14 रन की पारी खेली। वहीं

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो मैच बाहर हो सकते हैं अक्षर

ऐसा लग रहा है कि वो (अक्षर पटेल) एक सप्ताह या 10 दिन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। हमें इंतजार करना होगा और देखेंगे कि उनकी रिकवरी कैसी है। हालांकि, मैं निश्चित नहीं हूं, लेकिन मुझे लग रहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान अक्षर की बाईं कलाई पर चोट लगी थी और फिर उनकी जगह वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया गया था। नेपाल के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। इसके बाद उनका पीठ दर्द फिर से उभर गया और वह आगे के तीन मैचों में नहीं खेले। सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ टॉस से पांच मिनट पहले उन्हें पीठ में ऐंठन की समस्या का सामना करना पड़ा और वो भारत के बाकी मैचों में शामिल नहीं हुए।

रोहित के बयान के बाद उम्मीद है कि अय्यर वर्ल्ड कप टीम में रहेंगे, और उससे पहले वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज का भी हिस्सा होंगे।

डेविस कप फाइनल में पहुंची ब्रिटेन और इटली की टीमें

एजेंसी। मैनचेस्टर।

ब्रिटेन ने फ्रांस को 2 । 1 से हराकर डेविस कप टेनिस के अंतिम आठ में प्रवेश कर लिया जबकि इटली भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। डान इवांस ने आर्थर फिल्स को 3 । 6, 6 । 3, 6 । 4 से हराकर ब्रिटेन को बढ़त दिलाई। उगो हम्बर्ट ने हालांकि कैमरन नॉरी को 7 । 6, 3 । 6, 7 । 5 से हराकर यह बढ़त उतार दी। इवांस और नील स्कुपस्की ने हालांकि युगल में निकोलस माहुत और एडुअर्ट रोजर वेसलीन को । 6, 7 । 6, 7 । 6 से हराकर ब्रिटेन को जीत दिलाई। इटली ने स्वीडन को 2 । 1 से हराकर ग्रुप ए से अंतिम आठ में जगह बनाई स्पेन ने ग्रुप सी में दक्षिण कोरिया को 2 । 1 से हराया। नीदरलैंड की टीम ग्रुप डी में क्रोएशिया से हार गई लेकिन वह पहले ही क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी है।